



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 246]
No. 246]

नई दिल्ली, बुध्दिवार, अगस्त 23, 2007/भाद्र 1, 1929
NEW DELHI, THURSDAY, AUGUST 23, 2007/BHADRA 1, 1929

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
(वाणिज्य विभाग)
(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना
नई दिल्ली, 23 अगस्त, 2007
अंतिम जांच परिणाम

विषय: बुल्गारिया, चीन जन. गण., मलेशिया, सिंगापुर तथा दक्षिण कोरिया के मूल के अथवा वहां से निर्यातित प्री-सेसिटाइज्ड पॉजिटिव ऑफसेट एल्युमीनियम प्लेट्स (पीएस प्लेट्स) के आयात के संबंध में पाटनरोधी जांच

क. पृष्ठ भूमि

सं. 14/6/2006-डीजीएडी.—वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे इसके बाद अधिनियम कहा गया है) और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान तथा उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण और क्षति का निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे इसके बाद नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए :

2. जबकि मै. टेक्नोवा इमेजिंग सिस्टम्स (प्रा.) लि. तथा मै. स्टोवेक इंडस्ट्रीज लि. (जिन्हें इसके बाद आवेदक कहा गया है) ने वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान तथा उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण और क्षति का निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे इसके बाद नियमावली कहा गया है) के अनुसार, निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे इसके बाद प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष एक आवेदन-पत्र दायर किया है जिसमें चीन जन. गण., मलेशिया, कोरिया तथा द. कोरिया (जिसे इसके बाद संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित प्री-सेसिटाइज्ड पॉजिटिव ऑफ-सेट एल्युमीनियम प्लेट्स (जिसे इसके बाद संबद्ध वस्तु कहा गया है) के पाटन का आरोप लगाया गया है और अनुरोध किया गया कि संबद्ध वस्तु पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बारे में पाटनरोधी जांच आरंभ की जाए। प्राधिकारी ने उक्त नियमावली के उप नियम 5(5) के अनुसार पाटन के आरोप प्राप्त होने के बारे में चीन जन. गण. मन के दूतावास को अधिसूचित किया।

3. और जबकि प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की ओर से आवेदक द्वारा प्रस्तुत पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित दिनांक 24 अगस्त, 2006 की एक सार्वजनिक सूचना जारी की जिसके अनुसार उक्त नियमावली के नियम 6 के अनुसार संबद्ध देश के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच आरंभ की गई जिससे कथित पाटन होने, उसकी मात्रा तथा प्रभाव का निर्धारण किया जा सके और उस पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश की जा सके जिसे यदि लगाया जाए तो वह घरेलू उद्योग को हो रही क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा।

ख. प्रक्रिया

4. इस जांच के संबंध में नीचे वर्णित प्रक्रिया का अनुसरण किया गया है :
- (i) 24 अगस्त, 2006 को निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे एतदपश्चात प्राधिकारी भी कहा गया है) ने उपर्युक्त नियमों के अंतर्गत संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित प्री- सेंसिटाइज्ड पॉजिटिव ऑफसेट एल्युमीनियम प्लेट्स के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच शुरू करते हुए एक जांच शुरूआत अधिसूचना जारी की, जो भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुई। घरेलू उद्योग की ओर से उक्त उत्पाद के घरेलू उत्पादन के बड़े हिस्से का प्रतिनिधित्व करने वाले मै. टेक्नोवा इमेजिंग सिस्टम्स (प्रा.) लि. तथा मै. स्टोवेक इंडस्ट्रीज लि. (जिसे एतदपश्चात आवेदक कहा गया है) से आवेदन प्राप्त होने के बाद पाटनरोधी प्रक्रिया शुरू की गई थी। आवेदन में उक्त उत्पाद के पाटन संबंधी साक्ष्य तथा उससे हुई क्षति से संबंधित साक्ष्य थे जिन्हें प्रक्रिया की शुरूआत के उचित उहराने के लिए पर्याप्त माना गया था।
 - (ii) प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियम 5 के उप- नियम (5) के अनुसार जांच शुरू करने से पहले आवेदक द्वारा दिए गए पूर्णतः प्रलेखित आवेदन की प्राप्ति के बारे में भारत में संबद्ध देशों के राजदूतावासों को सूचना दी थी।
 - (iii) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने उक्त जांच शुरूआत अधिसूचना की प्रतियां नियम 6 के उप नियम (2) के अनुसार भारत में ज्ञात निर्यातकों, आयातकों, उद्योग एसोसिएशनों, संबद्ध देशों के राजदूतावासों तथा आवेदकों को भेजी थीं और उन्हें लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने का अवसर प्रदान किया था।
 - (iv) प्राधिकारी ने नियम 6 के उप नियम (3) के अनुसार संबद्ध देशों के सभी ज्ञात निर्यातकों एवं भारत में उनके राजदूतावासों को आवेदन पत्र के अगोपनीय अंश की प्रतियां उपलब्ध करायी थीं। नियम 6 के अनुसार प्राधिकारी ने सभी ज्ञात निर्यातकों तथा उनके दूतावासों को संगत प्रश्नावली की प्रति प्रदान की थी। नई दिल्ली में संबद्ध देशों के राजदूतावासों को जांच शुरूआत के संबंध में इस अनुरोध के साथ सूचना दी गई थी कि वे अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों को विनिर्दिष्ट समय के भीतर प्रश्नावली का जवाब देने की सलाह दें। निर्यातकों के नाम एवं पत्तों के साथ निम्नलिखित निर्यातकों/उत्पादकों को भेजे गए पत्रों एवं प्रश्नावली की एक प्रति भी उनको भेजी गई थी।
 1. मै. जुंगडो केमिकल कं. लि., दक्षिण कोरिया
 2. मै. कोडक पॉलीक्रोम ग्राफिक्स सिंगापुर प्रा. लि. (पीकेजी), सिंगापुर
 3. मै. फुजी ऑफसेट प्लेट्स मैन्यूफैक्चरिंग लि., सिंगापुर
 4. मै. जीईडी लि., बुल्गारिया
 5. मै. फुजी फोटो फिल्म (मलेशिया) एसडीएन. बीएचडी. मलेशिया
 6. मै. कोडक पॉलिक्रोम (केपी), बुल्गारिया

- (v) जांच शुरूआत अधिसूचना के उत्तर में मै. कोडक पॉलीक्रोम ग्राफिक्स, सिंगापुर (केपीजी, सिंगापुर), एक निर्यातक और मै. कोडक पॉलीक्रोम, बुल्गारिया (केपी, बुल्गारिया), उत्पादक ने निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर दिया और पर्याप्त सूचना प्रस्तुत की। सहयोगी निर्यातकों के परिसरों का मौके पर सत्यापन करके प्राधिकारी द्वारा उनकी सूचना का सत्यापन किया गया और सहयोगी उत्पादक एवं निर्यातक को उनकी टिप्पणियों के लिए एक सत्यापन रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। उत्पादक तथा निर्यातक से प्राप्त टिप्पणियों की जांच की गई है और उन्हें प्रकटन विवरण में दर्शाया गया है। एक अन्य निर्यातक मै. जीईडी ने कहा है कि वे बुल्गारिया या किसी भी देश में संबद्ध वस्तु का उत्पादन या बिक्री नहीं करते हैं। जीईडी ने कहा है कि वे बुल्गारिया के क्षेत्र में उत्पाद का संवर्धन, विपणन तथा बिक्री के साथ-साथ उपकरण की तकनीकी सेवाओं/रखरखाव की स्थापना उपलब्ध कराने के लिए बुल्गारिया में कोडक के प्राधिकृत डीलर हैं। उनके क्षेत्र में सीटीएफ/इमेज सेटर्स, सीटीपी, ट्रेड सेटर न्यूज थर्मोफ्लेक्स, फ्रूफर्स, स्कैनर्स, वर्क फ्लो प्रिंजर, ब्रिस्क पीएसएम उपकरण शामिल हैं। इस प्रस्तुतीकरण की दृष्टि से प्राधिकारी ने नोट किया है कि मै. जीईडी संबद्ध वस्तु के विनिर्माता या विक्रेता नहीं हैं। किसी भी अन्य निर्यातक ने निर्यातक प्रश्नावली में निर्दिष्ट रूप या प्रपत्र में प्राधिकारी को सूचना प्रस्तुत नहीं की है।
- (vi) नियम 6(4) के अनुसार संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ता एसोसिएशनों को आवश्यक सूचना हेतु प्रश्नावली भेजी गई थी :-

एसोसिएशन

- ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ मास्टर प्रिंटर्स, नई दिल्ली- 110024
- द बॉम्बे मास्टर प्रिंटर्स एसोसिएशन, मुम्बई- 400018
- वेस्ट बंगाल मास्टर प्रिंटर्स एसोसिएशन, कोलकाता- 700014
- द मद्रास प्रिंटर्स एंड लिथोग्राफर्स एसोसिएशन, चेन्नई
- दिल्ली प्रिंटर्स एसोसिएशन, नई दिल्ली

आयातक

- कपूर सेल्स इंडिया प्रा. लि., चेन्नई
- एमएस ग्राफिक्स प्रा. लि. कोलकाता, प. बंगाल
- न्यूजटेक इंडिया प्रा. लि., मुम्बई
- हरिसन एजेंसीज, नई दिल्ली
- जगमोहन इंटरप्राइजेज, नई दिल्ली- 110002
- अल्फा इंडिया कॉर्पोरेशन, नई दिल्ली

प्रयोक्ता

- एनपीटी ऑफसेट, चेन्नई- 600014
- रैपिड स्कैन, चेन्नई- 600014
- एमडब्ल्यूएन प्रेस, चेन्नई- 600005
- रत्ना ऑफसेट, चेन्नई- 600014
- सदर्न ऑफसेट प्रिंटर्स- 600006

- थॉमसन प्रेस (इं.) लि०, फरीदाबाद- 121007
- बृजवासी आर्ट प्रेस, नोएडा- 2010301
- पारस ऑफसेट, नई दिल्ली
- दीवान ऑफसेट प्रिंटर्स (प्रा.) लि., नई दिल्ली- 110015
- गोपसंस पेपर लि., नोएडा- 201301
- प्रेस टेक लिथो, ग्रेटर नोएडा
- कावेरी प्रिंटर्स, दिल्ली
- जैना ऑफसेट, दरियागंज, दिल्ली
- न्यूटेक फोटोलिथोग्राफर्स, नई दिल्ली- 110020
- आर्ट वेक्स, नई दिल्ली- 110020
- सोनू प्रिंटर्स, नई दिल्ली- 110020
- एवरेस्ट प्रेस, नई दिल्ली- 110020
- सिल्वर पाइंट प्रेस प्रा. लि., मुम्बई- 400013
- सहाय प्रिंट सर्विसेज, मुम्बई- 400013
- लवकुश, मुम्बई
- वर्धमान, कोलकाता
- जन्मभूमि प्रेस प्रा. लि., असम
- भवानी ऑफसेट एण्ड इमेजिंग सिस्टम्स प्रा. लि., गुवाहाटी- 781007
- जेनेसिस प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा. लि., गुवाहाटी- 781024
- विस्टा प्रिंट प्रा. लि., पं. बंगाल
- न्यूट्रल पब्लिशिंग हाउस लि., राँची- 834001, झारखण्ड

समाचार पत्र

- अमर उजाला, उत्तर प्रदेश
- डेली तांती, चेन्नई
- दिव्य भास्कर, सूरत- 394210
- एइनाडु न्यूजटाइम्स, हैदराबाद
- हिन्दू, चेन्नई
- इंडियन एक्सप्रेस, नई दिल्ली
- जागरण पब्लिकेशन लि., कानपुर
- कुमुदम पब्लिकेशन, चेन्नई
- मलयाला मनोरमा, कोट्टायम
- मातृभूमि प्रिंटिंग एण्ड पब्लिशिंग कं. लि., कालीकट
- राजस्थान पत्रिका लि., जयपुर
- द प्रिंटर्स मैसूर (लि.), बंगलौर

(vii) उपर्युक्त अधिसूचना के उत्तर में निम्नलिखित आयातकों, प्रयोक्ताओं और उनकी एसोसिएशनों ने प्राधिकारी को उत्तर दिया है :-

1. ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ मास्टर प्रिंटर्स
2. मै. कपूर इमेजिंग
3. वेस्ट बंगाल मास्टर्स प्रिंटर्स एसोसिएशन
4. एम एस ग्राफिक्स लि.
5. मै. न्यूजटेक
6. ऑल बंगाल प्रिंटर्स एसोसिएशन
7. मद्रास प्रिंटर्स एंड लिथोग्राफिक एसोसिएशन
8. सेलम डिस्ट्रिक्ट ऑफसेट प्रिंटर्स एसोसिएशन
9. मै. अलाइड इंटरप्राइजेज, नई दिल्ली

(viii) सभी प्रिंटर्स और एसोसिएशनों के अभ्यावेदनों की प्राधिकारी द्वारा जांच की गई है और उन पर अंतिम जांच परिणाम में पर्याप्ततः विचार किया गया है। यह कहा गया है कि प्राटनरोधी जांच की शुरुआत के बाद घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत विचाराधीन उत्पाद के आयात आंकड़ों को सभी हितबद्ध पक्षकारों के सूचनार्थ सार्वजनिक फाइल में रखा गया है। तत्पश्चात्, संबद्ध वस्तु के माँगे गए आँकड़ों (विचाराधीन उत्पाद में यथापरिभाषित) की एक प्रति भी सार्वजनिक फाइल में रखी गई थी और उसकी जांच करने वाले हितबद्ध पक्षकारों द्वारा अनुरोध किए जाने पर उसकी प्रतियाँ उन्हें उपलब्ध कराई गई थीं। गोपनीयता के दावे के संबंध में यह कहा गया है कि विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा पर्याप्त कारण दिए जाने पर निर्दिष्ट प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग (मै. टेक्नोवा इमेजिंग सिस्टम्स प्रा. लि., मुम्बई) की वित्तीय रिपोर्टों और आयात की मात्रा एवं कीमत को दर्शाने वाला, सौदे-वार आयात संबंधी सूचना तथा आयातक आँकड़ों के अन्य समायोजनों को “गोपनीय” माना है। सार्वजनिक सुनवाई के बाद सभी संबंधित पक्षकारों के सूचनार्थ मै. टेक्नोवा इमेजिंग सिस्टम के वित्तीय विवरणों के अगोपनीय रूपान्तर की एक प्रति भी सार्वजनिक फाइल में रखी गई थी। इन दस्तावेजों की प्रति प्राप्त करने के संबंध में विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा अनुरोध किए जाने पर प्राधिकारी ने उन्हें सार्वजनिक फाइल में उसकी उपलब्धता के बारे में उन्हें सूचित भी किया।

(ix) अनुरोध किए जाने पर अगोपनीय आवेदन की एक प्रति भी अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रदान की गई थी।

(x) प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अगोपनीय अंश को एक सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध कराया था जिसे हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निरीक्षण के लिए खुला रखा गया है।

(xi) आवेदक से क्षति के संबंध में अतिरिक्त सूचना की माँग की गई थी, जो प्राप्त भी हुई थी। प्राधिकारी ने पाटन एवं परिणामी क्षति के निर्धारण के प्रयोजनार्थ आवश्यक समझी गई सूचना की माँग की और उसका सत्यापन किया। प्राधिकारी ने आवश्यक समझी गई सीमा तक घरेलू उद्योग का मौके पर सत्यापन किया। सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जीएएपी) के आधार पर आवेदक द्वारा प्रस्तुत सूचना के आधार पर इष्टतम उत्पादन लागत और भारत में संबद्ध वस्तुओं को बनाने और इनकी बिक्री करने की लागत का परिकलन किया गया था

- ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग की क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगा ।
- (xii) प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों की बात को मौखिक रूप से सुनने के लिए 5 जनवरी, 2007 को सार्वजनिक सुनवाई की जिसमें कई हितबद्ध पक्षकारों ने भाग लिया था । सार्वजनिक सुनवाई में भाग लेने वाले पक्षकारों से मौखिक रूप से प्रकट किए गए विचारों को लिखित में प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था । इस प्रकार हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त लिखित प्रस्तुतीकरणों पर प्राधिकारी ने इस जांच परिणाम में विचार किया है । पक्षकारों से अन्य पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए विचारों पर अपना प्रत्युत्तर प्रस्तुत करने का भी अनुरोध किया गया था ।
- (xiii) जहाँ कहीं भी किसी हितबद्ध पक्षकार ने वर्तमान जांच की प्रक्रिया के दौरान आवश्यक सूचना प्रदान नहीं की अन्यथा उसे जुटाने से मना किया है या जांच में अत्यधिक बाधा डाली है, प्राधिकारी ने अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर जांच परिणाम दर्ज किया है ।
- (xiv) प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पक्षकारों के उत्पादन लागत और बिक्री कीमत से संबंधित आंकड़ों को गोपनीय माना है क्योंकि इससे उनके प्रतिस्पर्धियों को प्रतिस्पर्धात्मक लाभ मिलेगा । किसी अन्य सूचना को तब तक गोपनीय नहीं माना गया है, जब तक कि उत्तर देने वाले पक्षकार ने उसे गोपनीय रखने के लिए पर्याप्त औचित्य नहीं दिया है ।
- (xv) इस अधिसूचना में ... गोपनीय आधार पर आवेदक द्वारा प्रस्तुत और प्राधिकारी द्वारा नियमावली के अंतर्गत विचार की गई सूचना को दर्शाता है । नियमावली के नियम 16 के अनुसार इन जांच परिणामों में विचार किए गए आवश्यक तथ्यों/आधार को 25 जुलाई, 2007 को हितबद्ध पक्षकारों के समक्ष प्रकट किया गया था और उस पर प्राप्त उनकी टिप्पणियों पर इस अंतिम जांच परिणाम में विचार किया गया है ।
1. मै. एलाइड इंटरप्राइजेज
 2. मै. केपी बुल्गारिया और मै. केपीजी, सिंगापुर
 3. मै. कपूर इमेजिंग
 4. मै. ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ मास्टर प्रिंटर्स
 5. घरेलू उद्योग
 6. ऑल बंगाल प्रिंटर्स एसोसिएशन

इन सभी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों पर ध्यान दिया गया है और इस अंतिम जांच परिणाम के संगत शीर्षों में उन पर कार्रवाई की गई है ।

- (xvi) 1 अप्रैल, 2005 से 31 मार्च, 2006 (12 महीने) अर्थात् जांच अवधि (पीओआई) के लिए जाँच की गई थी । क्षति के संदर्भ में प्रवृत्तियों की जाँच में 2002-03, 2003-04, 2004-05 तथा जाँच अवधि शामिल थी ।

ख. विचाराधीन उत्पाद, समान वस्तु एवं घरेलू उद्योग :

ख.1. विचाराधीन उत्पाद एवं समान वस्तु

5. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद प्रीसेंसिटाइज्ड पॉजिटिव ऑफसेट एल्यूमीनियम प्लेट्स (जिसे आगे पीएस प्लेट्स या संबद्ध वस्तु भी कहा गया है) है । संबद्ध वस्तु मुख्यतः मुद्रण

संस्थापनाओं में प्रयोग की जाती है। विभिन्न प्रकार की एल्यूमीनियम प्लेटें हैं जिन्हें प्रयोक्ताओं की गुणवत्ता, गति और लागत अपेक्षाओं के अनुसार डिजाइन किया जाता है और उनके पास उपलब्ध अनुरूप प्रौद्योगिकी अर्थात् नॉन सेंसिटिव ग्रेड प्लेट्स, प्रीसेंसिटाइज्ड प्लेट्स (पॉजिटिव अथवा निगेटिव कार्यशील), डिजिटल प्लेट्स (थर्मल अथवा वॉयलेट अथवा यूबी सेंसिटिव) के अनुकूल होती हैं। संबद्ध वस्तु की मोटाई 0.15 मि.मी. से 0.40 मि.मी. तक होती है। वर्तमान आवेदन में 0.15 मि.मी. से 0.40 मि.मी. तक की मोटाई, जिसमें 0.03 मि.मी. का दोनों ओर अंतर होता है, की सभी प्रकार की पीएस प्लेटें शामिल हैं।

6. पीएस प्लेटें किसी ऑफसेट प्रिंटिंग मशीन पर इमेज कैरियर का कार्य करती हैं और लिथोग्राफिक ऑफसेट प्रिंटिंग प्रक्रिया में अंतिम संपर्क का कार्य करती हैं। इन्हें मुद्रण उद्योग द्वारा समाचार पत्र, लचीली पैकेजिंग सामग्री, पुस्तकों, सामान्य वाणिज्यिक मुद्रण और लेखन सामग्री, व्यावसायिक फार्मों के लिए शीट फैंड और वैब फैंड ऑफसेट मुद्रण मशीनों पर प्रयोग किया जाता है। संबद्ध वस्तुओं का “ लिथो ग्रेड ” एल्यूमीनियम की कॉइलों अथवा शीटों के इलेक्ट्रोकेमिकली उपचार द्वारा एल्यूमिनियम लिथोग्रेड, जिसके बाद ओटो संवेदनशील परत के बाद सुखाए जाने और अपेक्षित आकारों में शीटों को काटने के बाद ” विनिर्माण किया जाता है। संबद्ध वस्तु सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय 84 के अधीन शामिल हैं। यद्यपि पीएस प्लेटों का वर्गीकरण 8 अंकीय स्तर 84425020 पर है परन्तु संबद्ध वस्तुएं शीर्ष 3701 3000, 3704 0090, 3705 1000, 76069191 और 7606 9290 उप-शीर्षों के अंतर्गत भी आयात की गई की सूचना भी प्राप्त हुई है। तथापि, सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल संकेतात्मक हैं और किसी प्रकार से वर्तमान जांच की व्याप्ति पर बाध्यकारी नहीं है। जांच शुरुआत के बाद कई हितबद्ध पक्षकारों ने निवेदन किया है कि विचाराधीन उत्पाद के दायरे को स्पष्ट किया जाना चाहिए ताकि इसमें निगेटिव प्लेट्स तथा डिजिटल प्लेट्स जैसे अन्य उत्पाद शामिल न हों। प्राधिकारी ने अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विरोधों की जांच की है और मानते हैं कि विचाराधीन उत्पाद में निगेटिव प्लेट्स शामिल नहीं हैं और सभी डिजिटल प्लेट्स, निगेटिव ऑफसेट प्लेट्स तथा “ 0.03 मिमी की कमी बेशी के साथ 0.15 मिमी से 0.040 मिमी की मोटाई वाली प्री-सेंसिटाइज्ड ऑफसेट एल्यूमीनियम प्लेट्स ” को छोड़कर सभी प्लेट्स जांच के दायरे से बाहर हैं।

7. पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(घ) में समान वस्तु को निम्नानुसार परिभाषित किया गया है-

“ कोई वस्तु जो भारत में पाटन के संबंध में जाँचाधीन वस्तु के सभी प्रकार से समान है या किसी ऐसी वस्तु की अनुपस्थिति में किसी अन्य वस्तु के समान है जो यद्यपि सभी प्रकार से समान नहीं है तथापि विचाराधीन वस्तु के गुणावगुण उससे बहुत मेल खाते हैं। ”

8. आवेदकों ने दावा किया है कि संबद्ध वस्तु, जिसका भारत में पाटन किया जा रहा है, घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित घरेलू समान वस्तु के समान है। पाटित आयातों और घरेलू रूप से उत्पादित संबद्ध वस्तु में तकनीकी विनिर्देशनों, गुणवत्ता, कार्यों या अंतिम प्रयोगों में कोई अंतर नहीं है। समान

वस्तु के मुद्दे पर कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने कहा है कि घरेलू उद्योग द्वारा अपनी उच्च गुणवत्ता और उच्च कीमत वाली प्लेटों पर विचार किया जा रहा है और आयातित पीएस प्लेटें शॉर्ट रन, मीडियम रन तथा हाई रन नामक विभिन्न प्लेटों के रूप में आती हैं। अतः, उन्होंने देशी प्लेटों की तुलना संबद्ध देशों से आयातित प्लेटों के साथ समान वस्तु के रूप में करने के घरेलू उद्योग के दावे का खण्डन किया है। यह भी कहा गया है कि उनके द्वारा आयातित प्लेटों की ऊपरी लागत भारतीय विनिर्माताओं के समान बहुत अधिक है।

9. दूसरी ओर, घरेलू उद्योग द्वारा निवेदन किया गया है कि घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित प्लेटों की गुणवत्ता का मुद्दा विरोधी हितबद्ध पक्षकार द्वारा शुरू किया गया है। यह भी निवेदन किया गया है कि ऐसे तर्क ओछे हैं और इन्हें केवल संबद्ध देशों से पाटन की जाँच से ध्यान विचलित करने के लिए प्रस्तुत किया गया है। इस मुद्दे को प्रभावित करने के लिए कोई तकनीकी या वैज्ञानिक साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह भी निवेदन किया गया है कि संबद्ध वस्तु का उत्पादन शॉर्ट रन, लॉन्ग रन या मीडियम रन जैसे विभिन्न प्रकारों में किया जाता है। उक्त जाँच शुरूआत अधिसूचना में किए गए उल्लेख के अनुसार विनिर्दिष्ट चौड़ाई के भीतर संबद्ध वस्तु के सभी तथाकथित ग्रेड/प्रकार/रूप इस याचिका की विषय वस्तु हैं। घरेलू उद्योग द्वारा यह भी निवेदन किया गया है कि याचिकाकर्ता द्वारा विचाराधीन उत्पाद में शामिल प्लेटों के सभी ग्रेडों एवं प्रकारों का विनिर्माण किया जा रहा है, जिनके द्वारा पाटित संबद्ध वस्तु को स्पष्ट रूप से अनुपूरित और प्रतिस्थापित किया जा सकता है। अतः, घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और संबद्ध देशों से आयातित संबद्ध संबद्ध वस्तु में कोई अंतर नहीं है। यह भी निवेदन किया गया है कि यद्यपि उक्त आयातक द्वारा प्लेट के केवल एक प्रकार का आयात किया जा रहा है, जो स्पष्ट रूप से जाँच के दायरे में आता है, तथापि इससे उसके आयात याचिका में लगाए गए उक्त आरोपों से मुक्त नहीं हो जाते हैं और इसलिए निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा स्थापित प्रक्रिया का पालन किया जाना चाहिए। विनिर्माताओं द्वारा प्राप्त विपणन लागत या विद्युत लागत या उत्कृष्ट उत्पादन शृंखला के संबंध में अभ्यावेदनों में उठाए गए मुद्दों पर यह निवेदन किया गया है कि कोरिया के विनिर्माताओं/निर्यातकों ने निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा निर्धारित समय सीमा का पालन नहीं किया है और उन्होंने निर्यातक प्रश्नावली, जिसमें जाँच से संबंधित विश्वसनीय एवं विस्तृत सूचना दिया जाना अपेक्षित होता है, के अंतर्गत यथाअधिदेशित सूचना भी प्रस्तुत नहीं की है।

10. प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पार्टियों के तर्क की जाँच की है और जाँच के बाद यह नोट किया जाता है कि अल्प प्रचालन, मध्यम प्रचालन एवं दीर्घ प्रचालनों से ऐसी प्रतियों या छापों की संख्या का पता चलता है जिन्हें पीएस प्लेटों से तैयार किया जा सकता है। तथापि, मै. कोडक बुलगरिया और मै. केपीजी, सिंगापुर को छोड़कर संबद्ध देशों के किसी भी निर्यातक ने जाँच में सहयोग नहीं किया है और संबद्ध वस्तु के विभिन्न ग्रेडों या परिवर्तकों के बारे में कोई आंकड़ा प्रस्तुत नहीं किया है। एक मात्र सहयोगी निर्यातक मै. केपी, बुलगरिया तथा मै. केपीजी, सिंगापुर ने भी इन तीनों ग्रेडों में अपनी संबद्ध वस्तु को प्रस्तुत या वर्गीकृत नहीं किया है या प्रचालनों के इन विभिन्न प्रकारों पर किसी चीज के बारे में टिप्पणी की है। किसी भी हितबद्ध पार्टी ने इस आशय का साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है कि संबद्ध देशों से आयातित संबद्ध वस्तु के ये तीनों परिवर्तक घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु के समान उत्पाद नहीं है। प्राधिकारी यह मानते हैं कि सम्बद्ध वस्तु के अलग-अलग प्रकारों का उत्पादन एक समान उत्पादन प्रौद्योगिकी, विनिर्माण प्रक्रिया, कच्ची सामग्री, संयंत्र एवं उपकरण से किया जाता है और ये एक समान सामान्य प्रयोजन को सिद्ध करते हैं। सम्बद्ध वस्तु

के विभिन्न प्रकारों के बीच पर्याप्त प्रतिस्थापनीयता है। यद्यपि उत्पाद को मोटाई तथा प्रचालन के अनुसार विशिष्ट प्रकारों में समूहबद्ध किया गया है तथापि, इन विशिष्ट विशेषताओं से केवल संबद्ध वस्तु के विभिन्न प्रकारों में भेद होता है। आयातित उत्पाद का उपयोग भी उसी श्रेणी के उपभोक्ताओं द्वारा किया जाता है। इसके अलावा, न तो निर्यातकों ने और न ही हितबद्ध पार्टियों ने साक्ष्य के साथ इस तथ्य का खण्डन किया है कि संबद्ध देशों से आयातित संबद्ध वस्तु तथा घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित संबद्ध वस्तु के बीच कोई अंतर है। दावों की जांच करने के बाद प्राधिकारी यह मानते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित तथा संबद्ध देशों द्वारा उत्पादित एवं बिक्रीत संबद्ध वस्तु तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय होने के कारण उसे पाटनरोधी नियमों के अंतर्गत “समान वस्तु” माना जाता है। अतः वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ भारत में आवेदकों द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु को संबद्ध देश से आयातित वस्तुओं के “समान वस्तु” माना जा रहा है। प्रकटन विवरण के बाद किसी भी हितबद्ध पार्टी ने विचाराधीन उत्पाद एवं समान वस्तु के बारे में कोई टिप्पणी नहीं की है। इस बात को देखते हुए प्राधिकारी प्रकटन विवरण में यथानिर्धारित विचाराधीन उत्पाद एवं सामान्य वस्तु की पुष्टि करते हैं।

ख.2. घरेलू उद्योग

11. नियम 2(ख) में घरेलू उद्योग को निम्नानुसार परिभाषित किया गया है :-

(ख) “घरेलू उद्योग” का तात्पर्य ऐसे घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण में और उससे जुड़े कार्यकलापों में पूर्ण रूप से कार्यरत हैं या जिनका उक्त वस्तु का संचयी उत्पादन उस वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक प्रमुख भाग है बशर्ते कि ऐसे उत्पादक कथित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित न हों या वे स्वयं उसका आयात न कर रहे हों, ऐसे मामले में इस प्रकार के उत्पादकों को घरेलू उद्योग का हिस्सा नहीं माना जाएगा।”

यह नोट किया गया है कि याचिका मै. टेक्नोवा इमेजिंग सिस्टम्स (प्रा.) लि. (टेक्नोवा) तथा मै. स्टोवेक इंडस्ट्रीज इंडस्ट्रीज लि. (स्टोवेक) द्वारा दायर की गई है। रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना की जांच से यह नोट किया गया है कि उपर्युक्त उत्पादकों का सामूहिक उत्पादन समान उत्पाद के कुल घरेलू उत्पादन का एक प्रमुख हिस्सा बनता है अतः वे उपर्युक्त नियमावली के नियम 2(ख) के अर्थों के भीतर घरेलू उद्योग का प्रतिनिधित्व करते हैं और पाटनरोधी नियमावली के नियम 5(3)क के अंतर्गत याचिका दायर करने का अधिकार रखते हैं।

प्रारंभिक जांच शुरुआत के पश्चात, संबद्ध वस्तुओं के एक अन्य घरेलू उत्पादक मै. लस्ट्रा नीरज प्रा. लि. ने घरेलू उद्योग की प्रश्नावली के स्वरूप एवं पद्धति में सूचना उपलब्ध कराई है। अतः प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग को समग्र रूप से हुई क्षति का निर्धारण करने के लिए इन तीनों उत्पादकों द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों (जो देश में संबद्ध वस्तुओं के संपूर्ण उत्पादन हेतु जिम्मेदार हैं) पर विचार किया है। प्रकटन विवरण के बाद किसी भी हितबद्ध पार्टी ने इस जांच में आधार और घरेलू उद्योग की स्थिति के बारे में कोई टिप्पणी प्रस्तुत नहीं की है। इस बात को देखते हुए प्राधिकारी प्रकटन विवरण में किए गए घरेलू उद्योग तथा आधार संबंधी निर्धारण की पुष्टि करते हैं।

प्राधिकारी द्वारा काम में लाए जा रहे आयात आंकड़ों, गोपनीयता, एकछत्र स्थिति तथा क्रियाविधियों के संबंध में विभिन्न पक्षकारों द्वारा उठाए गए मुद्दे एवं अन्य मुद्दे :

हितबद्ध पक्षकारों के विचार

12. प्रारंभिक जांच परिणाम के उत्तर में, विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों ने प्राधिकारी से संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के उन सौदेवार आयात आंकड़ों को उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है जिन पर याचिकाकर्ताओं द्वारा तब विचार किया गया था जब उन्होंने प्राधिकारी के समक्ष अपना आवेदन प्रस्तुत किया था । उन्होंने प्राधिकारी से मै. टेक्नोवा इमेजिंग सिस्टम के तुलन पत्र तथा वित्तीय लेखे उपलब्ध कराने/सार्वजनिक फाइल में रखने का भी अनुरोध किया है, जो घरेलू उद्योग का एक अहम हिस्सा थे । अपने बाद के निवेदनों में उन्होंने विचाराधीन उत्पाद से संबंधित संबद्ध देश की संबद्ध वस्तुओं के विशिष्ट आंकड़े भी उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है । तत्पश्चात, उन्होंने प्राधिकारी से संबद्ध देशों के संबद्ध वस्तुओं के आयात आंकड़ों की सॉफ्ट कॉपी भी सार्वजनिक फाइल में उपलब्ध कराने का अनुरोध किया था । वे यह भी जानना चाहते थे कि घरेलू उद्योग द्वारा संबद्ध वस्तुओं के इन आयात आंकड़ों को किस आधार पर निकाला गया है । आयातकों, निर्यातकों तथा प्रयोक्ताओं का प्रतिनिधित्व करने वाले विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों ने मै. टेक्नोवा इमेजिंग सिस्टम्स के तुलन पत्र की गोपनीयता के मुद्दे को अपने निवेदनों में दोहराया है ।

13. प्रयोक्ताओं और आयातकों का प्रतिनिधित्व करने वाले कुछेक हितबद्ध पक्षकारों द्वारा आवेदन किया गया है कि घरेलू उद्योग ने सौदों तथा पत्तनों के संदर्भ में चुनिंदा आयात आंकड़ों का इस्तेमाल किया है जिससे मिलने वाले परिणाम त्रुटिपूर्ण हो गए हैं । यह भी कहा गया है कि उन्हें उन सौदों का खुलासा करना चाहिए या जिन्हें उन्होंने अपने मामले का आधार रखाने के लिए वास्तव में “ घुना ” था और अन्य सौदों को शामिल न किए जाने का कारण भी बताना था । ऐसी सूचना के अभाव में, उत्तर देने वाले प्रयोक्ता उद्योग को संगत आंकड़ों तक पहुंच पाने तथा अपनी उचित टिप्पणियाँ प्रदान करने के अवसर से वंचित होना पड़ रहा है । उन्होंने यह भी कहा है कि मलेशिया से आयात न्यूनतम से कम है और उन्होंने प्राधिकारी से इस पहलू की जांच करने के लिए अनुरोध किया है । गोपनीयता के मुद्दे पर अनेक हितबद्ध पक्षों ने इस सतथ्य पर अपनी टिप्पणियाँ की हैं कि टेक्नोवा इमेजिंग सिस्टम्स के तुलन पत्रों को गोपनीय नहीं रखा जा सकता ।

14. अनन्य रूप से उत्पादन के मुद्दे के बारे में, यह निवेदन किया गया है कि जहाँ तक पी एस प्लेटों के उत्पादन का संबंध है, मै. टेक्नोवा तथा मै. स्टोवेक दो अलग-अलग संगठन नहीं हैं, क्योंकि स्टोवेक तथा टेक्नोवा ने 01.07.2006 को स्टोवेक के ग्राफिक डिवीजन की परिसंपत्तियों को टेक्नोवा को हस्तांतरित करने की औपचारिकता पूर्ण कर ली थी । यह भी कहा गया है कि पाटनरोधी याचिका दायर करने के पीछे याचिकाकर्ता का इरादा न केवल विदेशी प्रतिस्पर्धा से अपने हितों की रक्षा करना था बल्कि उत्पाद की इस विशिष्ट रेंज में भारत में अपना एकाधिकार बनाना और अपनी अक्षमता को दूसरों पर थोपना भी था । अनेक हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि टेक्नोवा को स्टोवेक के ग्राफिक्स डिवीजन का हस्तांतरण हो जाने के पश्चात टेक्नोवा संबंधित उत्पाद के मामले में भारत में एकाधिकार का वातावरण सृजित करने की स्थिति में है । निर्दिष्ट प्राधिकारी के पास

एकाधिकार तथा प्रतिबंधात्मक व्यापार पद्धतियों से संबंधित मुद्दों की जांच करने का न्यायाधिकार नहीं है ।

15. प्रिंटर्स एसोसिएशन का प्रतिनिधित्व कर रहे कुछेक हितबद्ध पक्षों ने निवेदन किया है कि उनके प्रिंटिंग उद्योग में लघु एवं मध्यम इकाइयों की पहले से बहुलता है तथा कर्मचारियों का एक बड़ा हिस्सा इस क्षेत्र में कार्यरत है । भारत के कुल औद्योगिक उत्पादन का लगभग 40% हिस्सा तथा भारत के कुल निर्यातों का 40% से अधिक हिस्सा लघु उद्योग क्षेत्र से प्राप्त होता है । 1 करोड़ से अधिक लघु उद्योगों द्वारा लगभग 285 लाख व्यक्तियों को प्रत्यक्ष रोजगार तथा एक अत्यंत बड़ी संख्या में लोगों को अप्रत्यक्ष रोजगार प्रदान किया जा सकता है । लघु उद्योग क्षेत्र से 83% से अधिक औद्योगिक रोजगार सृजित होता है परंतु लघु उद्योग इकाइयाँ अत्यंत सम्पन्न नहीं हैं तथा बाहरी हमलों के प्रति संवेदनशील हैं । आयातकों तथा प्रयोक्ताओं का प्रतिनिधित्व करने वाले विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों ने प्री-सेसीटाइज्ड पॉजिटिव ऑफसेट एल्यूमीनियम प्लेटों के आयात पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के प्रस्ताव का विरोध किया है । उन्होंने यह भी कहा है कि शुल्क लगाए जाने से इस उद्योग में एकाधिकार उत्पन्न होगा जो प्लेटों के कुल उत्पादन के 90% तक घरेलू उद्योग द्वारा नियंत्रित किया जाएगा । इन हितबद्ध पक्षकारों ने प्राधिकारी के समक्ष किए गए अपने निवेदनों में यह चिंता जताई है कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से लघु प्रिंटर्स, लघु एवं मध्यम आकार के अखबारों को अपूरणीय हानि एवं क्षति होगी । आगे उन्होंने यह भी कहा है कि शुल्क लगाए जाने से एकाधिकार सृजित होगा क्योंकि यह जांच उन बड़ी कम्पनियों की पहल पर शुरू की गई है जिन्हें पहले से एकाधिकार प्राप्त है । अतः किसी भी इकाई से एकाधिकार का खतरा सभी लघु एवं मध्यम प्रिंटिंग इकाइयों के लिए हानिकारक हो सकते हैं ।

16. सहयोगी निर्यातक मै. कोडैक, सिंगापुर की ओर से मै. टी पी एम कन्सल्टेंट्स ने यह कहा है कि सिंगापुर के खिलाफ की जा रही जांच को समाप्त कर दिया जाना चाहिए क्योंकि सिंगापुर में संबद्ध वस्तुओं की कोई ज्ञात उत्पादन फैक्ट्री नहीं है । उन्होंने प्राधिकारी से विचाराधीन उत्पाद के कार्यक्षेत्र को स्पष्ट करने का अनुरोध किया है क्योंकि पॉजिटिव ऑफसेट एल्यूमीनियम प्लेटों को छोड़कर सभी अन्य प्रकार की प्रिंटिंग प्लेटें, वर्तमान जांच के दायरे में नहीं आनी चाहिए । उन्होंने यह भी कहा है कि हितबद्ध पक्षों के समक्ष अपर्याप्त प्रकटन विवरण प्रस्तुत किए गए हैं और यह भी कहा गया है कि घरेलू उद्योग की वार्षिक रिपोर्ट को गोपनीय नहीं रखा जाना चाहिए । उनका यह भी कहा है कि याचिका में पूर्ण आवश्यक सूचना नहीं दी गई है । उन्होंने यह भी कहा है कि घरेलू उद्योग द्वारा जिस चौड़ाई के पीएस प्लेटों का उत्पादन नहीं किया जाता है उन्हें विचाराधीन उत्पाद के दायरे में शामिल नहीं किया जाना चाहिए ।

17. एक याचिकाकर्ता द्वारा दूसरे याचिकाकर्ता की इकाई को अपने स्वामित्व में लेने के संबंध में, घरेलू उद्योग द्वारा यह निवेदन किया गया है कि पाटनरोधी प्रक्रिया, त्रुटि आधारित प्रक्रिया है, जहाँ त्रुटिपूर्ण तत्वों के पाए जाने पर माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा विधिक सम्मत पद्धति से त्रुटि का दूर किया जाना अनिवार्य होता है । यह भी निवेदन किया गया है कि पाटनरोधी शुल्क से आयात प्रतिबंधित नहीं होता है और यह खुली एवं उचित प्रतिस्पर्धा की पुनःस्थापना को सुनिश्चित करता है । यह विचार भी व्यक्त किया गया है कि पाटनरोधी उपायों के कारण भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा में कमी नहीं आएगी । घरेलू उद्योग ने आगे यह भी कहा है कि वर्तमान मामले में पाटन का एक अत्यंत उच्च मार्जिन प्रकट होता है; जिन निर्यातकों के पाटन के द्वारा वास्तविक क्षति पहुँची

उन्होंने सहयोग न करने का निर्णय लिया है। इन तथ्यों को देखते हुए घरेलू वास्तविक प्रयोक्ताओं के तथाकथित हितों के आधार पर शुल्क लगाए जाने में बाधा डालने अथवा उसको रोकने की किसी प्रकार की कोशिश से यह संपूर्ण अधिनियम तथा नियम अमान्य और निष्प्रभावी हो जाते हैं। इसके अलावा, यह भी निवेदन किया गया है कि जांच अवधि के दौरान याचिकाकर्ता कंपनियाँ ऐसी अकेली कंपनियाँ थी जो स्वतंत्र रूप से उत्पादों का उत्पादन एवं विपणन कर रही थीं। जहाँ एक एकाधिकार का वातावरण सृजित करने के आरोपों का संबंध है, यह निवेदन किया गया है कि माननीय प्राधिकारी के पास केवल पाटन, क्षति एवं पाटन एवं क्षति के बीच कारणात्मक संबंध की जांच करने का तथा पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश करने का अधिकार है। अतः यह एकाधिकार संबंधी मुद्दों का समाधान करने अथवा उसकी जांच करने हेतु उचित मंच नहीं है।

18. औचित्य और सटीकता के मुद्दे पर यह निवेदन किया गया है कि चूंकि याचिकाकर्ताओं ने विस्तृत सूचना को अगोपनीय याचिका में प्रस्तुत किया है इसलिए इस संबंध में उठाए गए मुद्दे सतही हैं। गोपनीयता के संबंध में संगत खण्डों तथा विधान से संगत बातें उद्धरित करने के अलावा, ऐसे कोई भी संगत उदाहरण नहीं हैं जहाँ याचिकाकर्ताओं के सलाहकारों ने ऐसी कमियों को सूचीबद्ध किया है जिससे कोई लाभ होता हो। वास्तव में प्रक्रिया के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा गोपनीयता के पहलू की जांच की जानी चाहिए और तदनुसार सभी पक्षों के सर्वश्रेष्ठ हित को ध्यान में रखते हुए उस सूचना का खुलासा किया जाना चाहिए जिसे गोपनीय रखे जाने की आवश्यकता नहीं है और उसे हितबद्ध पक्षों के समक्ष प्रकट किया जाना चाहिए। यह भी जोड़ा गया है कि अनेक जांचों में निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा निजी स्रोत से आंकड़े उपलब्ध कराने के आधार पर दायर आयात स्वीकार करना एक आम प्रक्रिया है, जिसका दायरा डीजीसीआई एण्ड एस द्वारा प्राप्त सभी पत्तनों से आयात के आधिकारिक आंकड़ों की तुलना तक सीमित है। इस मामले में याचिकाकर्ताओं ने याचिका में इस बात के कारणों को स्पष्ट किया है कि प्रारंभिक जांच के प्रयोजनार्थ डीजीसीआई एंड एस द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों का उपयोग क्यों नहीं किया जा सकता। डीजीसीआई एण्ड एस के आंकड़ों का इस्तेमाल न करने का कारण यह था कि संबद्ध वस्तुओं के आयातों को सुनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ, सौदेवार आंकड़े अपेक्षित होते हैं; चूंकि यह पाया गया था कि संबद्ध वस्तुओं का आयात किया गया था और उन्हें उचित आईटीसी शीर्ष के अंतर्गत निकासी प्रदान करने के अलावा अन्य टैरिफ शीर्षों के अंतर्गत भी निकासी प्रदान की गई थी। इसके अलावा सामान्य क्रम में डीजीसीआई एण्ड एस आंकड़ों में मासिक आधार पर आयात आंकड़े प्रकाशित किए जाते हैं, जिसमें प्रत्येक शीर्ष के अंतर्गत किए गए आयातों का केवल एक सारांश उपलब्ध कराया जाता है और इसलिए आयातों का सटीक रूप से सुनिश्चित नहीं किया जा सका क्योंकि उसी टैरिफ शीर्ष के अंतर्गत अन्य उत्पादों को भी शामिल किया गया है। यह भी निवेदन किया गया है कि निजी स्रोत आंकड़ों संबंधी सूचना सभी प्रमुख पत्तनों, जहाँ उक्त उत्पाद का पाटन किया जा रहा था, की सीमाशुल्क की दैनिक सूचियों से एकत्र की गई है। एक्जिमनेट तथा आईबीआईएस जैसी एजेंसियाँ यह आंकड़े उपलब्ध कराती हैं, जिन पर माननीय घरेलू प्राधिकारी द्वारा अनेक पाटनरोधी जांचों में विश्वास किया गया एवं उन्हें स्वीकार किया गया है। इसके अलावा यदि दो या अधिक भिन्न आकार वाली संबद्ध वस्तु का आयात एक ही परेषण में किया गया तो यह सूचना एक्जिमनेट द्वारा प्रस्तुत की गई है परंतु डीजीसीआईएस द्वारा इसे उपलब्ध नहीं कराया गया है। इन मुद्दों को रेखांकित करते हुए इसे माननीय घरेलू प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। अतः याचिकाकर्ताओं को निजी स्रोत से प्राप्त आंकड़ों पर भरोसा करने पर विवश होना पड़ा है, जैसा कि वर्तमान मामले में किया गया है। और निर्दिष्ट प्राधिकारी ने अन्य जांचों के समान इस जांच की उचित शुरुआत की है।

19. घरेलू उद्योग ने आगे यह भी कहा है कि याचिकाकर्ता ने न केवल आयातों के सारांशों को ही सार्वजनिक किया है बल्कि निजी स्रोत अर्थात् एक्जिमनेट द्वारा उपलब्ध कराए गए आयातों के अनुमानित आंकड़ों को भी सार्वजनिक फाइल में रखा है। उक्त आयात आंकड़े सार्वजनिक रूप से आसानी से उपलब्ध हैं और किसी भी हितबद्ध पक्ष द्वारा इसे प्राप्त कर विश्लेषण का सत्यापन किया जा सकता है। याचिकाकर्ताओं ने अगोपनीय याचिका के अनुबंध वीबी और वीसी में आंकड़ों को कि.ग्रा. से वर्ग मी. में बदलने के लिए इस्तेमाल किए गए रूपांतरण फॉर्मूलों तथा आंकड़ों को संकलित करने के लिए इस्तेमाल की गई पद्धति के बारे में विस्तृत नोट संलग्न किए हैं। प्रकट की जाने वाली कीमत सूचियों संबंधी सूचना के बारे में यह निवेदन किया गया है कि मानक प्रश्नावली के प्रारूप में, कीमत सूचियों के संबंध में सूचना प्रकट करने अथवा उपलब्ध कराने के लिए याचिकाकर्ता उद्योग द्वारा विशिष्ट रूप से अनुरोध नहीं किया गया है, अपितु वास्तव में निर्यातक प्रश्नावली में किए गए अनुरोध के अनुसार यह निर्यातकों की समस्या है। यहाँ यह जोड़ना भी उचित होगा कि यह सूचना, एक याचिकाकर्ता अर्थात् टेक्नोवा की इंटरनेट साइट पर हमेशा ही उपलब्ध रही है। यह भी नोट किया जाना चाहिए कि कीमत सूची में उचित बिक्री कीमत प्रदर्शित नहीं होती है और अतः इसे बाजार कीमतों का सूचक नहीं माना जा सकता, क्योंकि घरेलू बाजार में और भी उत्पादक हैं और इसके अलावा इस बाजार में पाटित आयात कीमतों पर बेचे जा रहे उत्पाद भी मौजूद हैं।

20. गोपनीयता के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा यह निवेदन किया गया है कि यद्यपि अगोपनीय याचिका में उत्पादन एवं मात्रा में बिक्री आंकड़ों का प्रकटन किया गया है तथापि याचिकाकर्ताओं ने उसके मूल्यों का खुलासा नहीं किया है क्योंकि वे गोपनीय हैं और याचिकाकर्ताओं के व्यापार के लिए हानिकारक होंगे। सूचीबद्ध आंकड़ों को स्पष्टतः इस आधार पर उपलब्ध कराया गया है जिस पर हितबद्ध पक्षकार इन मानदण्डों के लिए प्रवृत्तियों का मूल्यांकन कर सकें।

21. मै. टेक्नोवा इमेजिंग सिस्टम्स के तुलन पत्रों की गोपनीयता के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा यह कहा गया है कि याचिकाकर्ताओं में से एक का तुलन पत्र, अगोपनीय याचिका को एक प्रति के साथ पहले ही दायर किया जा चुका है, क्योंकि वह एक सार्वजनिक कंपनी है, जबकि अन्य कंपनी के खातों को प्रकट नहीं किया जा सकता है क्योंकि वह प्राइवेट लि. कंपनी है और संबंधित आंकड़ों का खुलाना करना एक तरह से समझौता होगा जिससे कंपनी के व्यापार प्रचालनों को नुकसान पहुँच सकता है।

22. मलेशिया को शामिल करने के संबंध में, यह निवेदन किया गया है कि मलेशिया को साफ तौर पर इसलिए शामिल किया गया है क्योंकि उसके आयात पाटनरोधी करार द्वारा यथानिर्धारित न्यूनतम सीमा से अधिक हैं और उससे घरेलू उद्योग को स्पष्टतः क्षति हो रही है। कानून के अनुसार याचिकाकर्ता किसी देश को पाटनरोधी जांच के दायरे से सिर्फ इसलिए बाहर नहीं रख सकते क्योंकि उनकी मात्रा अत्यंत कम है। प्रारंभिक जांच के समय उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, मलेशिया सहित अन्य याचिकाओं में दिए गए परिणाम साफ तौर पर परिलक्षित होते हैं।

प्राधिकारी द्वारा जांच

23. आयात आंकड़ों के मुद्दे पर विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों के तर्कों की जांच की गई है। प्रारंभिक जांच परिणाम जारी किए जाने के पश्चात, यह नोट किया गया है कि आयात आंकड़ों को उसके अपरिष्कृत स्वरूप में अर्थात् विभिन्न अध्यायों की संपूर्ण सूचियाँ जिसके अंतर्गत विचाराधीन उत्पाद का आयात किया गया था, को सभी हितबद्ध पक्षकारों के सूचनार्थ सार्वजनिक फाइल में रखा गया था। तत्पश्चात विचाराधीन उत्पाद के निकाले गए आंकड़ों तथा उनके आधार को भी विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध के अनुसार सार्वजनिक फाइल में रखा गया था। बाद में इसकी सॉफ्ट कॉपी को भी सार्वजनिक फाइल में रखा गया था और यह संपूर्ण सूचना उन हितबद्ध पक्षों को उपलब्ध कराई गई थी जिन्होंने जांच की प्रक्रिया के दौरान इसके लिए अनुरोध किया था। कुछेक हितबद्ध पक्षों ने जांच की प्रक्रिया के दौरान इस सूचना की प्रतियों की मांग करते हुए प्राधिकारी को लिखा था। आगे यह भी नोट किया गया है कि सार्वजनिक फाइल में इन दस्तावेजों की उपलब्धता के संबंध में इन सभी हितबद्ध पक्षों को अलग से निजी तौर पर सूचित किया गया था और उन्हें इसकी प्रतियाँ बनवा कर सौंपी गई थी। आगे यह नोट किया गया है कि उसके पश्चात इसस मुद्दे पर कोई टिप्पणी प्राप्त नहीं हुई है।

24. गोपनीयता के मुद्दे पर पूर्ववर्ती पैराग्राफों में यह पहले ही उल्लेख किया जा चुका है कि प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकार (घरेलू उद्योग एवं आयातक) के अनुरोध की जांच करने के पश्चात पाटनरोधी नियमावली के नियम 7 के संदर्भ में जांच की प्रक्रिया के दौरान मै. टेक्नोवा इमेजिंग सिस्टम्स प्रा. लि., एक घरेलू उद्योग की वित्तीय रिपोर्ट (प्राइवेट लिमिटेड कंपनी की वित्तीय रिपोर्ट) तथा आयात मात्रा तथा मूल्यों को उनके समायोजनों के साथ, जो वास्तव में आयातकों (विभिन्न आयातकों) द्वारा वहन किया गया, को गोपनीय रखने का अधिकार प्रदान किया है। प्रकटन विवरण के बाद आयातकों एवं प्रयोक्ताओं का प्रतिनिधित्व करने वाली कुछेक हितबद्ध पार्टियों ने अपने उन पूर्ववर्ती अनुरोधों को दोहराया है कि उचित वार्षिक रिपोर्टों के अभाव में वे गोपनीयता के मुद्दे पर कोई सार्थक टिप्पणी करने में असमर्थ हैं। उन्होंने आगे यह उल्लेख किया कि तुलन पत्र, लाभ एवं हानि लेखों आदि के गोपनीय होने का दावा नहीं किया जा सकता है। आगे यह अनुरोध किया गया है कि घरेलू उद्योग द्वारा इस सम्बन्ध में गोपनीयता का दावा करते हुए कोई उचित स्पष्टीकरण प्रस्तुत नहीं किया है। इस मामले की जांच की गई है। यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग ने यह कहते हुए अपनी वार्षिक रिपोर्टों के लिए गोपनीयता का दावा किया था कि उनकी कम्पनी एक प्राइवेट लि. कम्पनी है जिसके वार्षिक लेख सार्वजनिक क्षेत्र में उपलब्ध नहीं होते हैं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया था कि उनके वार्षिक लेखों/वित्तीय रिपोर्टों में व्यापार सम्बन्धी संवेदनशील सूचना और ऐसी सूचना निहित होती है जिसका मै. टेक्नोवा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। इस मामले की प्राधिकारी ने जांच की थी और जांच के बाद यह निर्णय लिया गया था कि वित्तीय रिपोर्टों/वार्षिक लेखों में व्यापार संबंधी संवेदनशील सूचना निहित है और इससे घरेलू उद्योग पर इस सूचना के जारी किए जाने से प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। यह भी नोट किया जाता है कि प्रा. लि. कम्पनियों के वार्षिक लेख सार्वजनिक नहीं किए जाते हैं। उपर्युक्त को देखते हुए यह उल्लेख किया जाता है कि प्राधिकारी ने मै. टेक्नोवा की वित्तीय रिपोर्टों अथवा वार्षिक लेखों के प्रति समुचित गोपनीयता प्रदान की है। यह भी नोट किया जाता है कि पिछले तीन वर्षों के लिए मै. टेक्नोवा के वार्षिक लेखों का अगोपनीय सारांश को इंडेक्स रूप में पाटनरोधी नियमावली के नियम 7.2 के अंतर्गत यथापेक्षित सभी संबंधितों की सूचनार्थ सार्वजनिक फाइल में रखा गया था।

25. मलेशिया से आयातों को न्यूनतम से कम मार्जिन प्रदान करने के मुद्दे पर संबद्ध देशों से आयातों की मात्रा की जांच करने पर यह नोट किया गया है कि मलेशिया से आयातों को मात्रा के आधार पर न्यूनतम सीमा से अधिक पाया गया था। अतः मलेशिया से आयातों की मात्रा को अन्य संबद्ध देशों के साथ जोड़ा गया है ताकि संचयी आधार पर संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयातों की मात्रा का निर्धारण किया जा सके।

26. एकाधिकार के मुद्दे पर, प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पक्षकारों के तर्कों की जांच की है तथा जांच के पश्चात् यह नोट किया गया है कि पाटनरोधी शुल्क का प्रयोजन सामान्य तौर पर पाटन को समाप्त करना होता है जो घरेलू उद्योग को क्षति पहुँचा रहे हैं और भारतीय बाजार में खुली तथा उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति को पुनः बहाल करना है, जो देश के सामान्य हित में है। संबद्ध मामले के संबंध में यह नोट किया गया है कि सभी तीन घरेलू उत्पादक जो संबद्ध जांच में घरेलू उद्योग का हिस्सा हैं, वे जांच की अवधि के दौरान अलग-अलग कंपनियाँ हैं। ये सभी कंपनियाँ घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तुओं का स्वतंत्र रूप से उत्पादन तथा विपणन कर रही थीं। किसी भी हितबद्ध पक्षकार द्वारा चुनौती देने अथवा कीमत प्रतिबंधात्मक व्यवहार करने के बारे में कोई साक्ष्य नहीं दिए गए हैं। एकाधिकार का वातावरण सृजित करने के आरोप के संबंध में यह नोट किया गया है कि प्राधिकारी पाटनरोधी शुल्क लागू करने अथवा उसके विलोम की सिफारिश करने के पूर्व पाटित आयातों तथा घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संबंधों का निर्धारण करता है। पाटनरोधी नियमों से यह निर्धारित नहीं किया जा सकता कि किसी कंपनी, भले ही वह कितनी ही एकाधिकारवादी क्यों न हो, को अनुचित आयातों के विरुद्ध प्राधिकारी से उचित कार्यवाही करने का अनुरोध करने से रोका नहीं जा सकता है।

27. विचाराधीन उत्पाद के दायरे को स्पष्ट करने के संबंध में यह नोट किया गया है कि उसे विचाराधीन उत्पाद तथा समान वस्तु से संबंधित पूर्ववर्ती पैराग्राफों में उचित शीर्षों के तहत पहले ही स्पष्ट किया जा चुका है।

28. आयात को एवं प्रयोक्ताओं की विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा यह अनुरोध किया गया है कि प्राधिकारी को भारत में संबद्ध देशों की निर्यात कीमत विभिन्न प्रचालनों अर्थात् अल्प प्रचालन, मध्यम प्रचालन तथा दीर्घावधि प्रचालन के उत्पादों के संबंध में ली जानी चाहिए। उन्होंने यह भी अनुरोध किया है कि चीन जन.गण. से आयातित सभी प्लेटें अल्प प्रचालन के प्रकार की हैं और इसलिए कीमत कटौती तथा कम कीमत पर बिक्री संबंधी विश्लेषण अनिवार्यतः केवल अल्प प्रचालन प्रकार की उनकी घरेलू कीमतों के साथ किया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी तर्क दिया है कि आयातकों तथा अन्य हितबद्ध पार्टियों से जांच की शुरुआत के समय ऐसी प्रकार सूचना कभी नहीं मांगी गई थी।

29. घरेलू उद्योग ने अल्प प्रचालन, मध्यम प्रचालन तथा दीर्घावधि प्रचालन के मुद्दे के संबंध में यह अनुरोध किया है कि अल्प प्रचालन, मध्यम प्रचालन तथा दीर्घावधि प्रचालन के संबंध के वर्गीकरण हेतु उद्योग-वार कोई मानक नहीं है। उन्होंने आगे यह भी कहा है कि अलग-अलग उत्पादक अलग-अलग प्रचालन अवधि के आधार पर इन प्रचालनों का दावा कर सकते हैं (अर्थात् मध्यम प्रचालन कुछ उत्पादकों के लिए 50,000 से 75,000 प्रिंट तक और अन्य उत्पादक के लिए 75,000 से 1,00,000 प्रिंट तक अलग-अलग हो सकते हैं। उन्होंने आगे यह भी कहा है कि इस बात के प्रति कोई आम राय नहीं है कि कितने प्रिंटों को अल्प, मध्य और दीर्घावधि प्रचालन माना

जाएगा तथा संबंधित उत्पाद के वैश्विक उत्पादक विभिन्न प्रचालन क्षमताओं के संबंध में प्लेटों को वर्गीकृत नहीं करते हैं ।

30. इस मामले की जांच की गई है। यह नोट किया जाता है कि बुल्गारिया तथा सिंगापुर के क्रमशः एक-एक सहयोगी उत्पादक और निर्यातक द्वारा विभिन्न प्रचालन अवधियों के आधार पर उत्पादों को वर्गीकृत नहीं किया जाता है क्योंकि उन्होंने प्रचालन अवधियों के बारे में प्रकार के आधार पर सूचना प्रस्तुत नहीं की है। यह नोट किया जाता है कि जांच शुरुआत के समय घरेलू उद्योग ने यह दावा नहीं किया था कि संबद्ध वस्तु की बिक्री विभिन्न प्रचालन अवधियों के आधार पर की जाती है। जांच शुरुआत और परवर्ती सत्यापन के बाद यह नोट किया गया था कि घरेलू उद्योग प्रचालन अवधियों के आधार पर अपने उत्पादकों की बिक्री नहीं करता है। जांच से यह भी सिद्ध नहीं हुआ है कि अलग-अलग प्रचालन अवधियों के बारे में निर्धारित तकनीकी मानदण्डों के संबंध में वैश्विक आमराय मौजूद हैं। यद्यपि कुछ आयातकों ने अल्प एवं मध्यम प्रचालन अवधियों के संबंध में संबद्ध वस्तु को दर्शाते हुए प्रविष्टि बिलों की प्रतियां प्रस्तुत की हैं तथापि प्रस्तुत किए गए आयात संबंधी आंकड़ों और उत्तरों से यह सिद्ध नहीं होता है कि चीन जन. गण. से हुए सभी आयात अल्प प्रचालन प्रकार के हैं। यह भी नोट किया जाता है कि चीन. जन. गण., कोरिया गणराज्य तथा मलेशिया के किसी भी निर्यातक ने प्राधिकारी को विभिन्न प्रचालन अवधियों के संबंध में सूचना देते हुए उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है। बुल्गारिया का एकमात्र निर्यातक इन प्रचालन अवधियों के संबंध में उत्पादों का वर्गीकरण नहीं करता है। उपर्युक्त को देखते हुए प्राधिकारी ने निर्यात कीमत, कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री के निर्धारण हेतु समग्र संबद्ध वस्तु को हिसाब में लिया है। इसी प्रकार क्षति मार्जिन के निर्धारण हेतु समग्र संबद्ध वस्तु की पहुँच कीमत की तुलना संबद्ध वस्तु के लिए घरेलू उद्योग की समग्र क्षति रहित कीमत के साथ की गई है।

31. जहां तक सिंगापुर पर शुल्क का संबंध है, यह तर्क दिया गया है कि सिंगापुर में संबद्ध उत्पाद का कोई उत्पादक नहीं है और इसलिए सिंगापुर की संबद्ध वस्तु पर शुल्क नहीं लगाया जाना चाहिए। इस मामले की जांच की गई है और यह नोट किया जाता है कि मै. कोडेक पॉलीक्रोम ग्राफिक्स (केपीजी), सिंगापुर बुल्गारिया के मूल की संबद्ध वस्तु का एक निर्यातक है। आयात आंकड़ों से यह भी नोट किया जाता है कि सिंगापुर की मै. के पी बुल्गारिया द्वारा किए गए निर्यातों के अतिरिक्त संबद्ध वस्तु का पर्याप्त निर्यात हुआ है और इसीलिए यह प्रतीत होता है कि सिंगापुर की मै. केपीजी बुल्गारिया के अतिरिक्त भारत को निर्यात करने वाले अन्य निर्यातक भी हो सकते हैं। उपर्युक्त को देखते हुए प्राधिकारी ने सिंगापुर से आने वाली संबद्ध वस्तु के पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन का सही निर्धारण किया है।

32. कुछ आयातकों ने यह अनुरोध किया है कि उनके आयातों के अनुसार पहुँच मूल्य एक्विजिट नेट स्टेटिक्स द्वारा प्रदर्शित मूल्य से काफी अधिक है। यह भी अनुरोध किया गया है कि डीजीसीआई एंड एस के आंकड़ों में इसका खुलासा नहीं किया गया है। मामले की जांच की गई है और यह नोट किया जाता है कि अस्थायी आंकड़ों और एक्विजिटनेट से संबद्ध वस्तु के चुने गए आंकड़ों के संबंध में सौदे-वार सूचना जांच शुरुआत के बाद सार्वजनिक फाइल में रखी गई है और जिन हितबद्ध पार्टियों ने अनुरोध किया है उन सभी को यह सूचना दे दी गई है। बाद में आंकड़ों के विश्लेषण सहित इनकी साफ्ट कापी सार्वजनिक फाइल में रखी गई है और जिन हितबद्ध पार्टियों ने विशिष्ट अनुरोध किए थे उनके साथ इसकी भागीदारी की गई है। संवेदनशील सूचना को रिक्त रखने के बाद

डीजीसीआई एण्ड एस के सौदेवार आंकड़ों को भी सार्वजनिक फाइल में रखा गया था। यह भी नोट किया जाता है कि सूचना के इन दोनों स्रोतों के बीच असमानता इस तथ्य के कारण हो सकती है कि एक्जिम्नेट से प्राप्त आयात के आंकड़ों में डीजीसीआई एण्ड एस द्वारा सूचित सीमा शुल्क उपशीर्षों से भिन्न कई स्रोतों के आंकड़ों को शामिल किया गया है। उदाहरणार्थ, कोरिया गणराज्य के एक निर्यातक द्वारा सूचित आयात की मात्रा उक्त देश से डीजीसी एंड एस द्वारा सूचित मात्रा से काफी अधिक है। इसके अलावा, बुल्गारिया तथा सिंगापुर के सहयोगी उत्पादक तथा निर्यातक से आयात की मात्रा डीजीसीआई एंड एस के आंकड़ों में सूचित मात्रा से काफी अधिक है। अतः, सभी हितबद्ध पार्टियों के तर्कों की जांच करने के बाद यह माना जाता है कि प्राधिकारी द्वारा संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों की मात्रा एवं मूल्य की सही संगणना की गई है। जहां तक कुछ आयातकों द्वारा किए गए इस अनुरोध का संबंध है कि पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन के निर्धारण हेतु उनकी आयात कीमतों को हिसाब में लिया जाना चाहिए, यह उल्लेख किया जाता है कि इन आयातों द्वारा किए गए आयातों में संबद्ध देशों से हुए आयातों की कुल मात्रा नहीं दर्शाई गई है और इसीलिए संबद्ध देशों से आयात की सही कीमत का निर्धारण इन आयातों द्वारा उपलब्ध कराए गए सीमित आंकड़ों से करना संभव नहीं है।

33. जहाँ तक सामान्य मूल्य तथा क्षति रहित कीमत की संगणना का संबंध है, यह उल्लेख किया जाता है कि सामान्य मूल्य एवं क्षति रहित कीमत की प्रणाली तथा संगणना के बारे में क्रमशः सहयोगी निर्यातक तथा घरेलू उद्योग को गोपनीय रूप से सूचित कर दिया गया था। जहाँ तक असहयोगी उत्पादकों तथा निर्यातकों के सामान्य मूल्य की संगणना का संबंध है, इसका निर्धारण पाटनरोधी नियमों के अनुसार प्राधिकारी की सुसंगत प्रक्रिया के तहत उपलब्ध तथ्यों के जरिए किया गया है।

34. जहाँ तक यूके को जांच के दायरे से बाहर रखे जाने के बारे में प्रयोक्ताओं तथा आयातकों सहित विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा उठाए गए मुद्दे का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि यूरोपीय संघ (जिसमें यूके भी शामिल है) से आयात काफी उच्च कीमतों पर हुए हैं और घरेलू उद्योग ने अपने अनुरोधों में यह आरोप नहीं लगाया है कि ईयू से हुए आयातों का पाटन किया गया है।

35. संबद्ध वस्तु के प्रयोक्ताओं तथा आयातकों सहित विभिन्न हितबद्ध पार्टियों ने यह अनुरोध किया है कि उन्हें क्षति के पहलुओं पर कोई तर्क देने से वंचित किया गया था क्योंकि घरेलू उद्योग द्वारा 22 दिसम्बर, 2006 को ही क्षति संबंधी संशोधित सूचना दायर की गई थी और ऐसे संशोधित आंकड़ों की प्रति 5 जनवरी, 2007 को हितबद्ध पार्टियों को उपलब्ध कराई गई थी। यह भी अनुरोध किया गया है कि उन्हें सार्वजनिक सुनवाई के लिए यथासंभव शीघ्र एक अन्य अवसर प्रदान करने के बारे में निर्दिष्ट प्राधिकारी से अनुरोध करने के लिए रोका गया था क्योंकि की गई सुनवाई उतनी कारगर नहीं हो सकती है जितनी कि कानून और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों में परिकल्पना की गई है। प्राधिकारी ने इस तर्क की जांच की है और यह उल्लेख किया जाता है कि घरेलू उद्योग के बारे में क्षति संबंधी सूचना (जिसमें लगभग 90% उत्पादन शामिल है) जांच शुरुआत के बाद सभी हितबद्ध पार्टियों को उपलब्ध कराई गई थी। घरेलू उद्योग ने 22 दिसम्बर, 2006 को कुछ सूचना दायर की भी जिसमें एक हितबद्ध पार्टी द्वारा इंगित किए जाने के बाद कीमत कटौती तथा कम कीमत पर बिक्री के आंकड़ों में सुधार किया गया था। यह भी नोट किया जाता है कि जांच शुरुआत

संबंधी अधिसूचना के प्रत्युत्तर में प्रस्तुत सूचना और लिखित अनुरोधों एवं परवर्ती पत्रों सहित उत्तरों अथवा प्राधिकारी को प्रस्तुत सूचना पर प्राधिकारी ने इस अंतिम जांच परिणाम में विचार किया है।

36. प्राधिकारी ने क्षति एवं कारणात्मक संबंध के बारे में विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा उठाए गए मुद्दों की जांच की है। क्षति संबंधी 15 मापदण्डों के आधार पर संबद्ध देशों से पाटित आयातों के मात्रा एवं कीमत प्रभाव तथा घरेलू उद्योग पर उनके प्रभाव का विश्लेषण किया गया है और जांच के आधार पर प्राधिकारी ने निष्कर्ष निकाला है।

37. जहां तक क्षति रहित कीमत के निर्धारण में बाह्य भाड़े को शामिल न किए जाने के बारे में घरेलू उद्योग द्वारा उठाए गए मुद्दे का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि प्राधिकारी द्वारा पाटित आयातों के पहुँच मूल्य तथा घरेलू समान उत्पाद (संबद्ध वस्तु) की क्षति रहित कीमत दोनों के निर्धारण में बाह्य भाड़े को हिसाब में नहीं लिया जाता है। जहां तक घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत के निर्धारण हेतु प्राधिकारी द्वारा कच्ची सामग्री की कम लागत और उपयोगिताओं के मुद्दे उठाए जाने का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि सुसंगत प्रक्रिया के अनुसार प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत के निर्धारण में कच्ची सामग्री तथा उपयोगिताओं के सर्वोत्तम खपत स्तर पर विचार किया है। जहाँ तक प्राधिकारी द्वारा लगाई गई कम पूंजी तथा कुछ अन्य व्यय को मुद्दा उठाए जाने के संबंध है, यह नोट किया जाता है कि प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत के निर्धारण हेतु घरेलू उद्योग के सत्यापित आंकड़ों को लिया है।

38. यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग ने संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण वास्तविक क्षति के अलावा वास्तविक क्षति के खतरे के बारे में सूचना प्रस्तुत की है अपने दावे में उन्होंने जिन कारकों का उल्लेख किया है उनमें संबद्ध देशों से आयातों की मात्रा में तीव्र वृद्धि तथा संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु की कीमतों में गिरावट शामिल है। उन्होंने प्राधिकारी से पाटित आयातों के कारण हुई वास्तविक क्षति के अलावा वास्तविक क्षति के खतरे के दावे की जांच करने का अनुरोध किया है।

39. जहां तक मै0 केपीजी सिगापुर तथा मै0 के पी बुल्गारिया द्वारा दायर किए गए उत्तर का संबंध है, घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि उक्त निर्यातक एवं उत्पादक ने निर्यात उत्तर की अगोपनीय प्रति प्रस्तुत नहीं की है। इस मामले की जांच की गई है और यह उल्लेख किया जाता है कि सार्वजनिक फाइल में निर्यातक उत्तर की अगोपनीय प्रति विधिवत रखी गई थी और जांच की प्रक्रिया के दौरान हितबद्ध पार्टियों ने उसका आदान-प्रदान किया था।

40. जांच के दौरान मै0 कोडेक (चीन) ग्राफिक कम्युनिकेशन कं0 लि0 ने यह अनुरोध किया है कि उन्होंने जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु का निर्यात नहीं किया है और कम्पनी की मंशा भारत को यथा समय निर्यात करने की थी। कम्पनी ने उस स्थिति में यथा समय न्यू शिपर समीक्षा के लिए आवेदन करने की मंशा व्यक्त की है यदि प्राधिकारी पाटनरोधी शुल्क लगाते हैं। यह नोट किया जाता है कि मै0 कोडेक (चीन) ग्राफिक कम्युनिकेशन क.लि. ने जांच अवधि के दौरान निर्यात नहीं किया था तभी वे पाटनरोधी विषय के नियम 22 के अन्तर्गत समीक्षा हेतु प्राधिकारी से अनुरोध कर सकते हैं।

41. घरेलू उद्योग ने प्राधिकारी से नियम शुल्क आधार पर पाटनरोधी शुल्क लगाने और भारतीय रूप में उसका मूल्य वर्ग निर्धारित करने का अनुरोध किया है । :

42. प्रकटन विवरण के बाद मै० केपी बुल्गेरिया तथा केपीजी सिंगापुर ने कीमत संबंधी वचन पत्र लिए अपनी इच्छा की पुष्टि की और यह अनुरोध किया कि उन्हें कीमत संबंधी वचनबद्ध के लिए अपेक्षित प्रारूप उपलब्ध कराए जाएं । प्राधिकारी ने निर्यातक को कीमत संबंधी वचनबद्ध के प्रारूप की एक प्रति भेजी लेकिन प्राधिकारी को ऐसा कोई अनुरोध प्राप्त नहीं हुआ ।

ग. पाटन मार्जिन का निर्धारण

ग1 : बुल्गेरिया के लिए सामान्य मूल्य

हितबद्ध पक्षकारों के विचार

43. निर्यातकों ने इस बात को झुठलाया है कि भारत में कोडैक द्वारा पाटन किया जा रहा है, उन्होंने यह भी कहा है कि बुल्गेरिया की आयात कीमत, यूरोपीय संघ की कीमतों से अधिक है और इसलिए, बुल्गेरिया से आयातों के कारण कोई क्षति नहीं होनी चाहिए । उन्होंने यह भी कहा है कि याधिकाकर्ता द्वारा मूल्यांकित सामान्य मूल्य को बढ़ा-चढ़ा कर प्रस्तुत किया गया है । दूसरी ओर घरेलू उद्योग ने मै० केपी बुल्गेरिया द्वारा एसजीए तथा कमाए गए लाभों सहित उत्पादन की लागत संबंधी दावे को चुनौती दी है । इसके अलावा घरेलू उद्योग ने मै० केपी बुल्गेरिया तथा मै० केपीजी, सिंगापुर के बीच संबंधों पर सवाल भी खड़े किए हैं । जांच की प्रक्रिया के दौरान, घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि सहयोगी उत्पादक एवं निर्यातक हेतु कारखाना द्वार निर्यात कीमत का निर्धारण करने से पूर्व मै० केपीजी सिंगापुर तथा मै० केपीजी, भारत की जांच और खर्च का उचित रूप से आवंटन किया जाए ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

44. प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों के तर्कों की जांच की है । सहयोगी निर्यातकों द्वारा दायर सूचना की जांच करने के लिए प्राधिकारी ने मै० केपी बुल्गेरिया, केपीजी सिंगापुर तथा केपीजी भारत के रिकॉर्डों का सत्यापन किया है । यह नोट किया गया है कि मै० कोडैक पॉलिक्रोम, बुल्गेरिया (केपी बुल्गेरिया) ने निर्यातक प्रश्नावली में निर्धारित ढंग एवं पद्धति से प्राधिकारी को उत्तर दिया है । यह नोट किया गया है कि कम्पनी द्वारा दायर उत्तर में कुछेक कमियां पाई गई थी; जिन्हें बाद में कम्पनी द्वारा सुधार लिया गया था । यह नोट किया गया है कि मै० कोडैक पॉलिक्रोम ने कोडैक पॉलिक्रोम ग्राफिक्स, सिंगापुर (केपीजी, सिंगापुर) के जरिए संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है तथा आपूर्ति हेतु आदेश कोडैक पॉलिक्रोम इंडिया (पॉलिक्रोम इंडिया) द्वारा प्राप्त किए गए थे । इसके मद्देनजर, प्राधिकारी का विचार है कि मै० कोडैक पॉलिक्रोम, बुल्गेरिया, मै० केपीजी सिंगापुर तथा मै० केपीजी भारत, तीनों ही पाटन मार्जिन के निर्धारण हेतु उपयुक्त हैं । मै० केपीजी भारत को प्रश्नावली का उत्तर दायर करने का निर्देश दिया गया था, जिसे प्राधिकारी द्वारा प्राप्त किया गया एवं उसका विश्लेषण किया गया था । प्राधिकारी ने तीनों कंपनियों द्वारा दायर सूचना का सत्यापन किया है और प्रस्तावित निर्धारण सत्यापित सूचना के आधार पर किया गया है ।

45. जांच से पता चलता है कि कोडैक पॉलिक्रोम बुल्गेरिया में अनेक उत्पादों का उत्पादन करती है। विचाराधीन उत्पाद (जिसे कम्पनी द्वारा पीपी 3 कहा जाता है) की अधिकांश बिक्री, अन्य देशों को निर्यातों हेतु की जाती है। तथापि स्थानीय बाजार में कम्पनी की काफी बिक्री होती है। चूंकि ये सभी बिक्रियां, भारत को की जाने वाली निर्यात बिक्री के 5% से अधिक हैं अतः इन्हें सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ पर्याप्त मात्रा समझा जाता है।

46. उत्पादक द्वारा दावा की गई उत्पादन लागत को कम्पनी द्वारा रखे गए रिकार्डों द्वारा सत्यापित किया गया था। कच्ची सामग्रियों हेतु खपत संबंधी नियमों तथा विभिन्न उत्पादों के बीच व्ययों के आवंटन/संविभाजन का सत्यापन किया गया था और उन्हें उचित पाया गया है। निर्यातक ने भारत के आधार पर उत्पादन लागत का दावा किया है। तथापि, प्राधिकारी ने अलग-अलग चौड़ाई वाली पीपी 3 प्लेटों हेतु अलग-अलग उत्पादन लागत का निर्धारण किया है। इस प्रयोजनार्थ, पीपी 3 की अलग-अलग चौड़ाई के लिए अलग से कच्ची सामग्री की लागत का निर्धारण किया गया है और परिवर्तन लागत पर भी वर्ग मीटर आधार पर इसी प्रकार विचार एवं आवंटन किया गया है। बिक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक लागतों का संविभाजन कारोबार आधार पर किया गया है।

47. यह पाया गया है कि उत्पादक के पास घरेलू बिक्री की उल्लेखनीय प्रतिनिधिक मात्रा है। प्रत्येक सौदे हेतु प्रति इकाई बिक्री कीमत की तुलना प्रति इकाई उत्पादन लागत से करके यह निर्धारित किया गया था कि क्या बिक्री के सामान्य क्रम में पर्याप्त बिक्री की जा सकती है। यह पाया गया था कि घरेलू बाजार में कम्पनी द्वारा की गई बिक्री व्यापार के सामान्य क्रम में की गई थी। ऐसे उत्पाद प्रकारों में, जहां यह पाया गया है कि कम्पनी द्वारा व्यापार के सामान्य क्रम में प्रतिनिधिक घरेलू बिक्रियां की गई हैं, वहां सामान्य मूल्य का निर्धारण घरेलू बाजार में भारत औसत बिक्री कीमत के आधार पर किया गया है। ऐसे उत्पाद प्रकारों के लिए जहां प्रतिनिधि घरेलू बिक्री मौजूद नहीं है वहां उचित समायोजनों के पश्चात अन्य प्रतिनिधिक बिक्रियों की बिक्री कीमत पर विचार किया गया है। रॉयल्टी और लाइसेंस शुल्क के आधार पर कीमत समायोजनों का दावा किया गया है जिसे किए गए कार्यों और भुगतान द्वारा सत्यापित किया गया था। इस सत्यापित सूचना के आधार पर कीमत समायोजनों की अनुमति दी गई है।

निर्यात कीमत

48. चूंकि कोडैक पॉलिक्रोम ने अपनी संबद्ध कम्पनी केपीजी सिंगापुर को बिक्रियां की हैं इसलिए इस बात की जांच की गई है कि कोडैक पॉलिक्रोम और केपीजी सिंगापुर के बीच हुए सौदा व्यापार के सामान्य क्रम में थे अथवा नहीं। यह पाया गया था कि कोडैक पॉलिक्रोम, बुल्गेरिया, केपीजी, सिंगापुर, की पूर्व निर्धारित कीमतों पर बिक्री कर रहा था और ऐसी कीमतें प्रचालित बाजार कीमतों को प्रदर्शित नहीं करती हैं। वास्तव में कीमतों को सामान्यतः वर्ष में एक निर्धारित किया जाता था और वह उस अवधि के दौरान स्थिर बनी रहती थी। इसके अलावा, मै0 केपीजी सिंगापुर द्वारा भारतीय आयातकों से वसूल की गई कीमतें, उन कीमतों से कम थी जिसका भुगतान मै0 केपीजी सिंगापुर द्वारा मै0 के पी बुल्गेरिया को किया गया था। अतः प्राधिकारी का मानना है कि कोडैक पॉलिक्रोम और केपीजी सिंगापुर के बीच किया गया सौदा व्यापार के सामान्य क्रम में नहीं है। अतः प्राधिकारी ने भारत को निर्यात कीमत के निर्धारण के प्रयोजनार्थ भारत में स्वतंत्र ग्राहकों को केपीजी सिंगापुर की बिक्री कीमत पर विचार किया है। जांचों से यह पता चला है कि केपीजी सिंगापुर,

केपीजी इंडिया के लिए उत्पाद का बीजक नहीं रखते हैं तथा सभी बीजक असंबद्ध ग्राहकों के लिए बनाए गए हैं। असंबद्ध ग्राहकों की भारत औसत बिक्री कीमत के आधार पर, प्रत्येक प्रकार (मोटाई) के लिए अलग-अलग निर्यात कीमत का निर्धारण किया गया है। कुछेक मामलों को छोड़कर, जहाँ सौदे सीआईएफ आधार पर किए गए हैं, निर्यात कीमत एफओबी स्तर पर रही है। केपीजी सिंगापुर तथा केपीजी इंडिया के अंतर्देशीय तथा समुद्री भाड़े (जहाँ लागू हों) तथा व्यय एवं लाभ के आधार पर कीमत समायोजन करने का प्रस्ताव किया गया है।

केपीजी सिंगापुर के व्यय, प्रबंधन शुल्क और सामान्य बिक्री एवं प्रशासनिक व्ययों पर आधारित हैं। केपीजी इंडिया के व्यय सामान्य बिक्री एवं प्रशासनिक व्ययों पर आधारित हैं।

49. सत्यापन रिपोर्ट के उत्तर में निर्यातक ने केपीजी सिंगापुर द्वारा भुगतान किए गए प्रबंधन शुल्क के संबंध में प्रस्तावित कटौती तथा केपीजी सिंगापुर हेतु विचारित लाभ के स्तर पर आपत्ति जताते हुए कहा है कि इस खर्च का वहन संबद्ध पक्षकारों द्वारा किया जा रहा है और इसलिए इसमें उसी सिद्धांत के आधार पर कटौती नहीं की जानी चाहिए। जिसे बिक्री कीमत पर लागू किया जाता है/आगे यह तर्क दिया गया था कि ये व्यय, स्थिर प्रकृति के हैं, जिसका प्रदान की गई किसी विशिष्ट सेवा से कोई संबंध नहीं है। चूंकि संगत अवधि में पीपी 3 के लिए वास्तव में कोई सेवा प्रदान नहीं की गई थी, इसलिए किसी प्रकार के समायोजन की आवश्यकता नहीं है। यह भी तर्क दिया गया था कि घरेलू बाजार में बिक्री हेतु उनकी बहियों में कोडैक पॉलिक्रोम के संबंध में इसी प्रकार के व्यय का लेखा मौजूद है। तथापि, प्राधिकारी का मानना है कि ये व्यय निर्धारित ऊपरी खर्चों की प्रकृति के हैं और ऐसी स्थिति में जहां बिक्री संबंधित पक्ष को की गई है, संबद्ध पक्ष के निर्धारित व्ययों में कटौती करना अपेक्षित है।

50. पाटन मार्जिन के निर्धारण हेतु प्रत्येक प्रकार (मोटाई के लिए अलग-अलग निर्धारित सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत की तुलना की गई है। भारत औसत पाटन मार्जिन का निर्धारण प्रत्येक प्रकार के लिए निर्यातों की मात्रा पर विचार करके किया गया है। इस प्रकार निर्धारित पाटन मार्जिन में 0 के पी बुल्गेरिया द्वारा विनिर्मित उसकी संबद्ध में 0 केपीजी सिंगापुर द्वारा भारत में बेची जाने वाली संबद्ध वस्तुओं का 37% बनता है।

बुल्गेरिया के अन्य निर्यातक एवं उत्पादक

51. चूंकि बुल्गेरिया के किसी निर्यातक से कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और बुल्गेरिया का कोई उत्पादक एवं निर्यातक ज्ञात नहीं है इसलिए प्राधिकारी ने में केपी बुल्गेरिया हेतु निर्धारित सामान्य मूल्य के आधार पर एक अवशिष्टकारी पाटन मार्जिन का निर्धारण किया है। निर्यात कीमत को सहयोगी निर्यातक की निम्नतम कीमत के रूप में लिया गया है। अतः पाटन मार्जिन को 67% निर्धारित किया गया है।

ग 1. चीन जन.गण. हेतु सामान्य मूल्य

हितबद्ध पक्षकारों के विचार

52. याचिकाकर्त्ताओं ने दावा किया है कि चीन जन.गण. पाटनरोधी नियमों के अंतर्गत एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है। अतः चीन के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण पाटनरोधी नियमों के अनुबंध-1 के पैरा 7 में दी गई क्रियाविधि के आधार पर किया जाना अपेक्षित है। याचिकाकर्त्ताओं ने यह भी दावा किया है कि पैराग्राफ 7 के अनुसार, सामान्य मूल्य का निर्धारण इनमें से किसी एक आधार पर किया जाना अपेक्षित होता है अर्थात् बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में घरेलू बिक्री कीमत अथवा बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में परिकल्पित मूल्य या भारत सहित किसी अन्य देश को ऐसे किसी तीसरे देश से निर्यात कीमत के आधार पर तथापि, यदि सामान्य मूल्य का निर्धारण उपर उल्लिखित किसी विकल्प के आधार पर नहीं किया जा सकता है तो निर्दिष्ट प्राधिकारी उचित लाभ मार्जिन को शामिल करते हुए समान उत्पाद हेतु विधिवत समायोजित भारत में वास्तव में भुगतान की गई अथवा देय कीमत सहित किसी अन्य उचित आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण कर सकते हैं।

53. गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के मामले में सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ प्रथम विकल्प के रूप में एक उचित तीसरी बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश का चयन किया जाना अपेक्षित होता है। याचिकाकर्त्ताओं ने पाटनरोधी नियमों के अनुबंध-1 के पैरा 7 के प्रावधानों के संदर्भ में अमरीका को तीसरे देश की बाजार अर्थव्यवस्था माने का सुझाव दिया है। वैकल्पिक रूप से उन्होंने कोरिया जन.गण. को प्रतिनिधिक देश मानते हुए चीन जन.गण. के सामान्य मूल्य का भी प्रस्ताव किया है। उन्होंने चीन जन.गण. में सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु भारत में भुगतान की गई अथवा देय कीमत को भी ज्ञात किया है।

54. याचिकाकर्त्ताओं के इस दावे को कि चीन जन.गण. एक गैर बाजार अर्थव्यवस्था है, आयातकों एवं प्रयोक्ताओं का प्रतिनिधित्व करने वाले हितबद्ध पक्षकारों द्वारा धुनौती दी गई है। इसके निम्नलिखित कारण दिए गए हैं :-

(क) यद्यपि चीन जन.गण. एक साम्यवादी देश हैं परंतु पिछले कुछ वर्षों में उन्होंने परंपरागत तथा संरक्षणवादी अर्थव्यवस्था के वातावरण से धीरे-धीरे स्वयं को मुक्त करते हुए स्थिरतापूर्वक एक मुक्त अर्थव्यवस्था बनने की ओर रुख किया है, जैसा कि वर्ष 1990 से हमने अपने देश में भी किया है। वर्तमान में चीन जन.गण. में बाजार अर्थव्यवस्था में वैश्विक आर्थिक वातावरण के संदर्भ में अत्यधिक बदलाव आया है। अतः जो बातें आज से 5 वर्ष पूर्व लागू होती थी उन्हें चीन जन.गण. के मामले में वर्तमान में लागू नहीं किया जा सकता है।

(ख) चीन जन.गण. में व्यापार अधिशेषों में सतत वृद्धि हो रही है और उनके पास 1 ट्रिलियन डॉलर का वृहद विदेशी मुद्रा भण्डार भी है।

(ग) चीन जन.गण. के निर्यातक की भारतीय विनिर्माताओं के मुकाबले कम कीमत पर पीएस प्लेटों का उत्पादन करने की क्षमता पाटनरोधी जांच शुरू करने के कारणों में से एक है। पाटन शुल्क

उस स्थिति में नहीं लगाया जा सकता यदि घरेलू बाजार में कीमतें, घरेलू विनिर्माताओं की अक्षमता अथवा किसी अन्य कारण से उच्च हो। चीन जन.गण. में निर्यातक अधिक प्रतिस्पर्धी एवं कार्यक्षम हैं और कम लागत पर वस्तुओं का उत्पादन कर सकते हैं।

(घ) चीन जन.गण. ने कुछ वर्षों तक सफलतापूर्वक युआन (चीन की मुद्रा) के मूल्य को डॉलर के संदर्भ में एक ऐसे स्तर पर रखा था जिससे डॉलर के संदर्भ में परिकलित करने पर निर्यात सस्ता होता था।

(ङ.) अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के कार्यकारी बोर्ड द्वारा हाल ही में लिए गए एक निर्णय के अनुसार चीन जन.गण. तथा 3 अन्य देशों को वैश्विक अर्थव्यवस्था मामले में नीति निर्धारित करने की प्रक्रिया में अपने विचार व्यक्त करने हेतु अधिक अवसर प्रदान किया गया है।

(च) याचिकाकर्ताओं का यह दावा कि सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु अमरीका को एक उचित बाजार अर्थव्यवस्था के रूप में चुना जाए, अनौचित्यपूर्ण है क्योंकि प्रत्यक्ष सामग्री, प्रत्यक्ष श्रम तथा प्रत्यक्ष उपरी खर्च जैसी मूल निविष्टि लागते भारत, चीन जन.गण. एवं अमरीका में कभी भी एक समान नहीं हो सकती है। इसके अलावा घरेलू उद्योग ने सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत के परिकलन का कोई ब्योरा नहीं दिया है अतः हितबद्ध पक्षकार उचित टिप्पणियाँ कर पाने की स्थिति में नहीं हैं।

54. इसके विपरीत घरेलू उद्योग ने निवेदन किया है कि जहां तक चीन को गैर बाजार अर्थव्यवस्था मानने का प्रश्न है, पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 (पैरा 7 एवं 8) में गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों में प्रचालनरत निर्यातकों के लिए लागू नियमों एवं प्रक्रियाओं का स्पष्ट उल्लेख किया गया है। इस संबंध में पहले की गई अनेक जांचों में निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा चीन को गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है और यही पद्धति ईयू तथा यूएस जैसी विकसित अर्थव्यवस्थाओं के लिए भी अपनाई गई है। अतः इस संबंध में आयातक द्वारा प्रस्तुत किया गया कोई तर्क युक्तियुक्त नहीं है। इसके अलावा इस आरोप का खण्डन करने की जिम्मेवारी पूरी तरह चीन जन.गण. के विनिर्माताओं/निर्यातकों की है, जिन्होंने आज की तारीख तक निर्दिष्ट प्राधिकारी से सहयोग करने की इच्छा नहीं दर्शाई है और इस संबंध में कोई अधिदेशित उत्तर भी प्रस्तुत नहीं किया है। अतः निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा ऐसी अर्थव्यवस्थाओं में प्रचालनरत असहयोगी निर्यातकों के साथ व्यवहार के विषय में निर्धारित नियमों एवं प्रक्रियाओं का अनुसरण निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा किया जाना ही उपयुक्त है। सहोदर देश के चयन के मुद्दे के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा यह भी कहा गया है कि याचिकाकर्ताओं द्वारा यूएसए जैसे बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में सामान्य मूल्य का ब्योरा देने के संबंध में विश्वसनीय साक्ष्य प्रस्तुत किया गया है, जिसे प्रिटिंग प्लेटों के संबंध में विश्व का सबसे बड़ा बाजार माना जाता है। निर्दिष्ट प्राधिकारी ने इस संबंध में प्राप्त साक्ष्य की समुचित जांच की है और नियमावली में यथानिर्धारित प्रक्रिया का अनुपालन किया है। इसके अलावा आयातक ने इस संबंध में अधिदेशित अवधि के दौरान कोई विश्वसनीय साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है और इस प्रकार इस मुद्दे पर सामान्य प्रकृति के विवरण प्रस्तुत किए हैं। विरोधी हितबद्ध पक्ष को इस तथ्य का भी ध्यान रखना चाहिए कि याचिकाकर्ताओं ने सामान्य मूल्य की संरचना में प्रयुक्त विधि के संबंध में न केवल व्यापक एवं गहन सूचना प्रस्तुत की है, बल्कि आवेदन प्रोफार्मा में निर्धारित प्रपत्र की तुलना में क्षति से संबंधित अतिरिक्त मानदण्डों को भी प्रकट किया है। विरोधी हितबद्ध पक्ष ने अगोपनीय

याचिका में प्रस्तुत तथ्यात्मक सूचना पर ध्यान दिए बिना ही जानबूझकर पाटनरोधी मानकों की ओर संकेत किया है। याचिकाकर्ताओं ने पाटित आयातों का स्पष्ट एवं पारदर्शी प्रभाव तथा इस उद्योग के कार्यचालन पर इसका क्षतिकारी प्रभाव प्रस्तुत किया है और हितबद्ध पक्ष इन वास्तविक मुद्दों की ओर ध्यान दिए बिना ही आधारहीन व अस्पष्ट विवरणों से इस जांच को सनसनीखेज बना रहा है। यह तथ्य इस मुद्दे को और भी मजबूत बनाता है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा प्रारंभिक शुल्कों की यथाशीघ्र सिफारिश करके घरेलू उद्योग को संरक्षण दिया जाना चाहिए।

प्राधिकारी द्वारा जांच

55. गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांचों में सामान्य मूल्य का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 व 8 के अनुसरण में किया जाता है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन के किसी भी निर्यातक ने अपने गैर बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियों में कार्य करने की परिकल्पना के खण्डन के बारे में प्राधिकारी का कोई सूचना प्रस्तुत नहीं की है। चीन के किसी भी उत्पादक ने यह दावा नहीं किया है कि उसे बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान किया जाए। चीन के गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश होने की परिकल्पना के खण्डन के प्रयोजनार्थ भारतीय आयातकों के अनुरोध पर विचार नहीं किया जा सकता है। इसके मद्देनजर प्राधिकारी का अभिमत है चीन इस जांच के प्रयोजनार्थ एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है। अतः प्राधिकारी सामान्य मूल्य का निर्धारण नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसार कर रहे हैं।

56. यह नोट किया जाता है कि चीन में सामान्य मूल्य का निर्धारण निम्नलिखित तरीके से किया जा सकता है :-

- (क) बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में कीमत के आधार पर, अथवा
- (ख) बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी तीसरे देश में संरचित मूल्य, अथवा
- (ग) ऐसे तीसरे देश से भारत सहित अन्य देशों में कीमत।
- (घ) यदि ऊपर उल्लिखित विकल्पों के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण न किया जा सके, तो निर्दिष्ट प्राधिकारी किसी अन्य उचित आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण कर सकते हैं, जिसमें लागू समुचित गुंजाइश के समायोजन सहित समान उत्पाद के लिए भारत में वास्तविक रूप से अदा की गई अथवा भुगतान की जाने वाली कीमत शामिल है।

57. आवेदकों ने नियमावली के अनुबंध-1 के पैराग्राफ 7 के प्रावधान के अनुसार यूएसए को बाजार अर्थव्यवस्था वाला तीसरा देश मानने का सुझाव दिया है। उन्होंने विकल्प के रूप में कोरिया जून गण, को सहोदर देश मानते हुए सामान्य मूल्य का निर्धारण भी किया है। इसके अलावा घरेलू उद्योग ने भी भारत में अदा की गई अथवा भुगतान की जाने वाली कीमत के अनुसार सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है। प्राधिकारी ने यूएसए को बाजार अर्थव्यवस्था वाले समुचित तीसरे देश के रूप में प्रस्तावित किया था और जांच की शुरुआत के समय सभी हितबद्ध पक्षों से टिप्पणियाँ एवं सूचना आमंत्रित की थीं। जांच शुरुआत के उपरांत बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के रूप में यूएसए

के चयन पर विवाद हो गया और विभिन्न हितबद्ध पक्षों ने इसका इस आधार पर विरोध किया कि यूएसए और चीन जन.गण. की आर्थिक स्थितियाँ भिन्न-भिन्न हैं और चीन जन.गण. में सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ यूएस को बाजार अर्थव्यवस्था वाला तीसरा देश नहीं माना जाना चाहिए। तथापि किसी भी हितबद्ध पक्ष ने अपने अनुरोध में किसी अन्य सहोदर देश का सुझाव नहीं दिया है अथवा उस देश के चयन के कारणों का ब्यौरा एवं उस देश के उत्पादकों एवं निर्यातकों के नाम नहीं दिए हैं। अतः यूएसए में प्रचालित कीमतों अथवा लागत के संबंध में किसी उत्तर अथवा सूचना अथवा किसी वैकल्पिक सहोदर देश के चयन के संबंध में उसके साक्ष्य सहित किसी सुझाव के अभाव में प्राधिकारी के लिए भारतीय पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 में निर्धारित उपयुक्त (क) से (ग) में उल्लिखित विधियों के अनुसार चीन के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण कर पाना इस समय संभव नहीं है। इन परिस्थितियों में सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी के पास भारत में अदा की गई अथवा भुगतान की जाने वाली कीमत के आधार पर जैसा कि नियमावली में निर्धारित है, चीन हेतु सामान्य मूल्य के निर्धारण के अलावा और कोई विकल्प नहीं था। भारत में देय कीमत के आधार पर सामान्य मूल्य की गणना करते समय प्राधिकारी द्वारा खपत मानदण्डों, परिवर्तन लागत तथा भारत में प्रचालित अन्य लागतों पर विचार किया गया। भारत में देय कीमत की गणना में उत्पादन लागत के साथ समुचित लाभ भी जोड़ दिया गया है। इस प्रकार सामान्य मूल्य **** अम0 डॉलर प्रति किलोग्राम निर्धारित किया गया है।

निर्यात कीमत

58. कुछेक हितबद्ध पक्षों ने यह उल्लेख किया है कि एल्युमिनियम निर्मित किसी भी उत्पाद को खुले बाजार में और अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने के उद्देश्य से चीन सरकार ने एल्युमिनियम की उत्पादन लागत हाल ही में घटा दी है। इसके अलावा चीन ने अपनी अर्थव्यवस्था को धीरे-धीरे और क्रमशः खोल दिया है। भारत के लिये निर्यात कीमत अन्य एशियाई देशों हेतु निर्यात कीमत के लगभग समान हो गई है। इसके अलावा भारतीय विनिर्माताओं की निर्यात कीमतें भारत में आयातित पीएस प्लेटों की कीमतों के लगभग समान थीं।

59. इस मुद्दे की जांच की गई है और जांच के उपरांत नोट किया गया कि पाटनरोधी जांच की शुरुआत के बाद चीन जन.गण. के किसी भी निर्यातक ने प्राधिकारी को कोई प्रत्युत्तर प्रस्तुत नहीं किया है। उपर्युक्त के मद्देनजर निर्यात कीमत की गणना आयात संबंधी आंकड़ों से की गई, क्योंकि चीन जन.गण. के किसी भी निर्यातक ने इस जांच में सहयोग नहीं किया। अतः चीन जन.गण. से सम्बद्ध वस्तुओं की निर्यात कीमत के निर्धारण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी द्वारा चीन जन.गण. से भारत को सम्बद्ध वस्तुओं की भारत औसत निर्यात कीमत पर विचार किया गया है। समुद्री मालभाड़े तथा समुद्री बीमों के समायोजनों में आयातकों के उत्तरों एवं इन समायोजनों हेतु प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत साक्ष्य पर विचार किया गया है। सभी समायोजनों के पश्चात चीन जन.गण. से किए गए सभी निर्यातों के लिए निवल निर्यात कीमत **** अम. डॉलर प्रति किलोग्राम निर्धारित की गई है।

ड. पाटन मार्जिन

60. सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत के बीच उचित तुलना के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी द्वारा सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत, दोनों का निर्धारण कारखाना-द्वार स्तर पर किया गया है। सामान्य

मूल्य तथा निर्यात कीमत दोनों उसी अवधि से संबंधित है। दोनों कीमतें कर मुक्त हैं। अतः प्राधिकारी का विचार है कि की गई तुलना, उचित तुलना है। सामान्य मूल्य तथा उपर्युक्त पद्धति से निर्धारित निवल निर्यात कीमत पर विचार करते हुए पाटन मार्जिन निवल निर्यात कीमत की 48.41% बनती है।

कोरिया जन.गण., मलेशिया व सिंगापुर हेतु सामान्य मूल्य का निर्धारण

61. इन तीनों देशों के किसी भी उत्पादक ने जांच में सहयोग नहीं दिया। मैसर्स फुजी प्लेट्स मेन्यूफैक्चरिंग एसडीएम मलेशिया, जो एक निर्यातक हैं, का प्रतिनिधित्व करने वाले मैसर्स स्ट्रेटेजिक लॉ ग्रुप से निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित समय बढ़ाने के बारे में एक अनुरोध प्राप्त हुआ था। अपने आवेदन में उन्होंने निवेदन किया था उनका नाम घरेलू उद्योग द्वारा भेजी गई सूची में शामिल नहीं था, अतः उन्हें प्राधिकारी से आवेदन सीधे प्राप्त नहीं हुआ। उन्होंने निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर देने के लिए तीन सप्ताह का समय देने का अनुरोध किया। यद्यपि उन्हें समय स्वीकृत कर दिया गया तथापि इस निर्यातक से आगे कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ, अतः प्राधिकारी द्वारा पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(8) के अनुसरण में सामान्य मूल्य के निर्धारण का कार्य उपलब्ध सर्वश्रेष्ठ तथ्यों के आधार पर शुरू किया गया।

62. जहां तक कोरिया जन.गण. का प्रश्न है, प्राधिकारी ने कोरिया जन.गण. में सम्बद्ध वस्तुओं के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण बिक्री सहित उत्पाद की संरचित लागत, सामान्य तथा प्रशासनिक ऊपरी व्ययों और संबद्ध देश हेतु समुचित लाभ पर विचार करके किया है। कोरिया जन.गण. के सभी उत्पादों मूल्य **** अम.डॉलर/किलोग्राम निर्धारित किया जाता है।

63. सिंगापुर हेतु सामान्य मूल्य

जहां तक सिंगापुर का प्रश्न है, प्राधिकारी ने सिंगापुर में सम्बद्ध वस्तुओं के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण बिक्री सहित उत्पाद की संरचित लागत, सामान्य तथा प्रशासनिक ऊपरी व्ययों और संबद्ध देश हेतु समुचित लाभ पर विचार करके किया है। सिंगापुर के सभी उत्पादों मूल्य **** अम.डॉलर/किलोग्राम निर्धारित किया जाता है।

मलेशिया हेतु सामान्य मूल्य

64. जहां तक मलेशिया का प्रश्न है, प्राधिकारी ने मलेशिया में संबद्ध देश हेतु समुचित लाभ पर विचार करके किया है। सिंगापुर के सभी उत्पादों मूल्य **** अम.डॉलर/किलोग्राम निर्धारित किया जाता है। मलेशिया के सभी उत्पादों मूल्य **** अम.डॉलर/किलोग्राम निर्धारित किया जाता है।

सिंगापुर, मलेशिया तथा कोरिया जन.गण. की निर्यात कीमत

65. निर्यात कीमत, आयात आंकड़ों से ली गई है, क्योंकि इन देशों के किसी भी सहयोगी निर्यातक ने जांच में सहयोग नहीं किया। अतः सिंगापुर, मलेशिया तथा कोरिया जन.गण. से संबद्ध वस्तुओं की निर्यात कीमत के निर्धारण हेतु प्राधिकारी द्वारा तीनों देशों से भारत के लिए संबद्ध वस्तुओं

की भारत औसत निर्यात कीमत ली गई। समुद्री मालभाड़े तथा समुद्री बीमे के समायोजन को आयातकों के उत्तर तथा इन समायोजनों हेतु प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत साक्ष्य से लिया गया। समायोजनों के उपरान्त सिंगापुर, मलेशिया तथा कोरिया जन.गण. के सभी निर्यातकों के लिए निवल निर्यात कीमत क्रमशः **** अम. डॉलर, **** अम. डॉलर तथा **** अम. डॉलर प्रति किलोग्राम निर्धारित की गई है।

उत्पादकों तथा निर्यातकों/देशों के नाम	पाटन मार्जिन अम. डॉलर/किग्रा.	पाटन मार्जिन का %
मैसर्स कोडेक पॉलीक्रोम बुल्गारिया तथा मैसर्स केपीजी सिंगापुर	****	37.11
अन्य, बुल्गारिया	****	67.26
सभी निर्यातक, मलेशिया	****	36.74
सभी निर्यातक, सिंगापुर	****	24.22
सभी निर्यातक, कोरिया जन.गण.	****	58.47
सभी निर्यातक, चीन जन.गण.	****	53.69

अनुबंध 3 : क्षति का आकलन

घ. क्षति तथा कारणात्मक संबंध हितबद्ध पक्षों के विचार

66. घरेलू उद्योग को हुई क्षति के मुद्दे के संबंध में निर्यातकों ने कहा है कि इन परिस्थितियों में संचयी आकलन उपयुक्त नहीं होगा, क्योंकि बुल्गारिया से आयात कीमतें अन्य देशों की अपेक्षा काफी अधिक है। उन्होंने क्षति के विभिन्न मानदण्डों के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा क्षति के दावे का खण्डन किया है। कारणात्मक संबंध में मुद्दे के बारे में उन्होंने कहा है कि वर्तमान जाँच में कारणात्मक संबंध अनुपस्थित है। उन्होंने यह भी कहा है कि प्रौद्योगिकी का विकास अथवा खपत के तौर तरीकों में परिवर्तन घरेलू उद्योग को हुई क्षति का वास्तविक कारण हो सकता है। उन्होंने यह भी कहा है कि भारत को कोडेक के निर्यातों से भारतीय कीमतों में कीमत कटौती नहीं हो रही है और उनके निर्यातों के कारण क्षति मार्जिन नकारात्मक है।

67. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1(iii) के अनुसार उन मामलों में जहाँ एक से अधिक देशों के उत्पाद के आयातों की पाटनरोधी जाँच एक साथ की जा रही हो, तो प्राधिकारी से ऐसे पाटित आयातों के संचयी प्रभाव का आकलन किया जाना अपेक्षित है, जब यह निर्धारित हो जाता है कि (क) प्रत्येक देश से आयातों के संबंध में निर्धारित की गई पाटन मार्जिन 2% से अधिक हो, जिसे निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में व्यक्त किया गया हो और प्रत्येक देश से आयात समान वस्तु के आयातों का 3% हो और (ख) आयातों के प्रभाव का संचयी आकलन आयातित वस्तु तथा समान घरेलू वस्तु के बीच प्रतिस्पर्धा की शर्तें समुचित हों।

68. प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्रत्येक देश के संबंध में पाटन मार्जिन 2% से अधिक है और प्रत्येक देश से आयातों की मात्रा भी 3% से अधिक है।

69. जहां तक आयातित उत्पादों और समान घरेलू उत्पादों के बीच प्रतिस्पर्धा की शर्तों का प्रश्न है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि:

- (i) संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं का आयात एक ही टैरिफ वर्गीकरण के अंतर्गत किया गया है;
- (ii) आयातित संबद्ध वस्तुएं घरेलू रूप से उत्पादित पी एस प्लेटों की वाणिज्यिक तथा तकनीकी विकल्प हैं;
- (iii) संबद्ध वस्तुओं का आयात अंतिम प्रयोक्ताओं और अन्य आयातकों द्वारा किया गया है ये वस्तुएं देश के वाणिज्य क्षेत्र में समान चैनलों से प्रविष्ट हुई हैं।

70. अतः प्राधिकारी का यह विचार है कि संबद्ध देशों से किए गए निर्यात एक ही बाजार में प्रतिस्पर्धा करते हैं, क्योंकि ये समान उत्पाद हैं।

71. उपर्युक्त के मद्देनजर प्राधिकारी का अभिमत है कि आयातित उत्पादों और समान घरेलू उत्पादों के बीच प्रतिस्पर्धा की शर्तों के अनुसार संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों के प्रभाव का घरेलू रूप से उत्पादित वस्तु पर संचयी आकलन उचित है। अतः ऊपर विवेचित क्षति एवं कारणात्मक संबंध के विश्लेषण के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग पर संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों की मात्रा एवं कीमत प्रभाव की जांच एवं क्षति के अस्तित्व और पाटन तथा क्षति, यदि कोई हो, के बीच कारणात्मक संबंध और कीमतों तथा लाभप्रदता पर इसके प्रभाव की जांच हेतु संबद्ध देशों से पाटित आयातों को संचित किया गया है। नियमावली में घरेलू उद्योग के कार्यचालन को प्रभावित करने वाले सभी संगत आर्थिक कारकों एवं सूचकांकों के मूल्यांकन के आधार पर घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच का प्रावधान है। इस जांच के प्रयोजनार्थ आवेदक नियमावली के नियम 2 (ख) के अंतर्गत यथापरिभाषित अर्थ के अनुसार घरेलू उद्योग हैं। जांच की शुरुआत के उपरान्त संबद्ध वस्तुओं के एक अन्य घरेलू उत्पादक मेसर्स लैस्ट्रा नीरज प्रा.लि. ने घरेलू उद्योग की प्रश्नावली में निर्धारित प्रारूप तथा तरीके से सूचना प्रस्तुत की है। अतः समग्र घरेलू उद्योग को हुई क्षति के निर्धारण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी द्वारा तीनों उत्पादकों के आंकड़ों (जिनका देश में संबद्ध वस्तुओं के समस्त उत्पादन में योगदान है) पर विचार किया गया है।

72. घरेलू उद्योग ने निवेदन किया है कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से आयातों के हिस्से में न केवल कुल आयातों के संबंध में अपितु कुल मांग तथा कुल उत्पादन की तुलना में भी कई गुना वृद्धि हुई है। यह ध्यान दिलाया गया था कि संबद्ध देशों से पाटित आयातों ने घरेलू कीमतों को प्रभावित किया है और जांच अवधि के दौरान कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री भी उल्लेखनीय रही है। घरेलू उद्योग ने आरोप लगाया है कि क्षति की जांच की अवधि के दौरान बाजार हिस्से, क्षमता उपयोग, लाभप्रदता, निवेश से आय, नकद प्रवाह, वृद्धि आदि में गिरावट आई है। घरेलू उद्योग की बिक्री में वृद्धि हुई है, परंतु मांग में वृद्धि की तुलना में बिक्री में

हुई वृद्धि कम है। इसके अलावा घरेलू उद्योग ने यह भी आरोप लगाया था कि जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से पाटन की मार्जिन अत्यधिक थी, जो संबद्ध वस्तुओं के निपटान में घरेलू उद्योग के सम्मुख आई कठिनाईयां प्रदर्शित करती हैं।

73. इसके विपरीत आयातकों एवं प्रयोक्ता एसोसिएशनों ने अनुरोध किया है कि अन्य देशों के लिए पी एस फोटो की कीमतों में भी गिरावट आई और स्वदेशी उत्पादन की तुलना में वर्ष 2002-03 से ही पी एस फोटो की मांग अत्यधिक रही है, और स्वदेशी उद्योग कमी का सृजन करके बहुत लाभान्वित हुआ है। यह भी निवेदन किया गया है कि घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में आई गिरावट नगण्य है और मांग में हुई बढ़ोतरी के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा में भी वृद्धि हुई है। इसके अलावा यह भी कहा गया है कि जहां तक विभिन्न अनिवार्य मानदण्डों का प्रश्न है, घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हुई है और कथित पाटित आयातों तथा घरेलू उद्योग की क्षति, यदि कोई हो, के बीच कोई कारणात्मक संबंध भी नहीं है। यह भी कहा गया है कि वर्ष 2005-06 के दौरान स्वदेशी उत्पादकों का उत्पादन 10,430,000 किग्रा. था और उक्त अवधि के दौरान संबंधित देशों से कुल आयात 989,853.79 किग्रा. था। उत्पादन की तुलना में कुल आयात केवल 9.49 प्रतिशत था। यह चिंता का विषय है कि जब स्वदेशी उत्पादन 90.51 प्रतिशत है तो आवेदक कंपनी की निरंतरता को खतरा कैसे हो गया। इसके अलावा 9.49 प्रतिशत आयातों को अनियंत्रित तथा अत्यधिक नहीं माना जाना चाहिए। उन्होंने नियमावली में यथु अधिदेशित क्षति संबंधी विभिन्न मानदण्डों के संबंध में भी टिप्पणी की है और प्रस्तुतीकरण के आधार पर निष्कर्ष निकाला है कि संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को कोई वास्तविक क्षति नहीं हुई है। जहां तक घरेलू उद्योग के हिस्से में गिरावट का प्रश्न है, उन्होंने कहा है कि बाजार हिस्से में गिरावट घरेलू उद्योग द्वारा एनालॉग प्लेटों के स्थान पर डिजीटल प्लेटों के निर्माण में लाई गई तेजी के कारण आई है। इसके अलावा यह भी आरोप लगाया गया है कि घरेलू उद्योग ने केवल निर्यात पर ही ध्यान केन्द्रित किया है। उन्होंने यह भी कहा है कि इस मामले में कारणात्मक संबंध अनुपस्थित है क्योंकि संबद्ध देशों से आयातों की कीमत का कोई प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष प्रभाव घरेलू उद्योग की स्थिति पर नहीं पड़ा है। उन्होंने आगे यह भी कहा है कि घरेलू उद्योग को क्षति, यदि कोई हो, तो वह एल्यूमीनियम की कीमतों में वृद्धि के कारण हुई है। उन्होंने यह भी कहा है कि घरेलू उद्योग चिंता का संभावित कारण प्रौद्योगिकी में परिवर्तन और इसका नकारा हो जाना है।

74. पी पी 3 के स्थान पर डिजीटल प्लेटों के उत्पादन के संबंध में घरेलू उद्योग का कहना है कि डिजीटल प्लेटें बाजार में हाल ही में लाई गई हैं और देश में प्लेटों की कुल खपत की दृष्टि से हुए प्लेटों की कुल खपत की तुलना में 8 प्रतिशत से भी कम हैं। यह भी कहा गया है कि अन्य प्लेटों चाहे वे निगेटिव अथवा डिजीटल हों, के स्थान पर पॉजीटिव प्लेटों की खपत का स्पष्ट उद्देश्य इसे प्रयोक्ताओं के उत्पादन की गुणवत्ता, गति तथा लागत संबंधी अपेक्षाओं और उन्हें उपलब्ध इमेजिंग प्रौद्योगिकी के अनुरूप बनाना है। याचिकाकर्ताओं की बाजार आसूचना के अनुसार लगभग 90 प्रतिशत भारतीय प्रिंटिंग ऑफसेट उद्योग द्वारा प्राथमिक रूप से पॉजीटिव वर्किंग प्रेजेंटैड ऑफसेट प्लेटों का प्रयोग किया जाता है। आवेदकों ने यह भी कहा है कि इस मुद्दे पर विरोधी हितबद्ध पक्षों द्वारा किया गया प्रस्तुतीकरण इस मामले के तथ्यों को देखते हुए तर्कहीन और आधारहीन है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

75. पाटनरोधी अनिधिनिम के अनुच्छेद 3.1 तथा पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध ॥ में (क) पाटित आयातों की मात्रा और घरेलू बाजार में समान उत्पाद की कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव और (ख) ऐसे उत्पादों घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामकारी प्रभाव, दोनों की वस्तुनिष्ठ जांच का प्रावधान है। प्राधिकारी द्वारा यह जांच की जानी अपेक्षित है कि क्या निरपेक्ष रूप में अथवा आयातक सदस्य के उत्पादन अथवा खपत के सापेक्ष आयातों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। जहां तक पाटित आयातों के कीमत प्रभाव का प्रश्न है, प्राधिकारी से यह जांच करने की अपेक्षा की जाती है कि क्या आयातक देश में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों के कारण अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा ऐसे आयातों का उद्देश्य कीमतों में उल्लेखनीय स्तर तक अन्यथा मंदी लाना अथवा कीमत में वृद्धि को रोकना है, जो अन्यथा उल्लेखनीय स्तर तक बढ़ जाती है।

76. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षों के क्षति की जांच के पहलू से संबंधित तर्कों को नोट किया है और जांच की दृष्टि से ये तर्क जहां तक सुसंगत समझे गए, प्रकटीकरण विवरण में समुचित स्थानों पर उनसे संबंधित मुद्दों का निवारण भी किया है। प्राधिकारी द्वारा अपने समक्ष उपलब्ध तथ्यों और हितबद्ध पक्षों द्वारा प्रस्तुत तर्कों को ध्यान में रखते हुए क्षति से संबंधित मानदण्डों की वस्तुनिष्ठ जांच भी की गई है।

77. प्राधिकारी नोट करते हैं कि तीनों उत्पादक भारत में संबद्ध वस्तुओं का कुल उत्पादन करते हैं; अतः क्षति का विश्लेषण समस्त घरेलू उद्योग के संबंध में किया गया है। अतः क्षति का विश्लेषण भारत में संबद्ध वस्तुओं के समस्त घरेलू उत्पादकों के संदर्भ में किया गया है और क्षति मार्जिन का निर्धारण भी घरेलू उद्योग के संदर्भ में किया गया है, जिसे भारत के सभी घरेलू उत्पादक शामिल हैं। जहां तक भारत में पाटित आयातों की मात्रा तथा मूल्यों के निर्धारण का प्रश्न है, उल्लेख किया जाता है कि प्राधिकारी ने डी जी सी आई एण्ड एस द्वारा तथा एक्विमनेट, जो आंकड़ों का संग्रहण तथा सीमाशुल्क की दैनिक सूचियों के आंकड़ों से मिलान करने वाला एक स्रोत है, द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों की जांच की है। यह नोट किया गया कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयातों के बारे में एक्विमनेट द्वारा उपलब्ध कराई गई सौदेवार आयात सूचना में विभिन्न आकारों में संबद्ध वस्तुओं का ब्यौरा शामिल है, जो इस जांच की दृष्टि से महत्वपूर्ण है, क्योंकि आकार विचाराधीन उत्पाद की परिभाषा में एक महत्वपूर्ण मानदण्ड है। इसके अलावा यह भी निर्धारित किया गया है कि संबद्ध वस्तुओं का आयात विभिन्न अध्याय शीर्षों एवं उपशीर्षों के अंतर्गत किया जाता है और संबद्ध वस्तुओं का अधिकांश आयात डी जी सी आई एण्ड एस के रिकार्ड में नहीं दर्शाया गया है, क्योंकि ये वे शीर्ष नहीं हैं, जिनके अंतर्गत संबद्ध वस्तुएं वर्गीकृत हैं। इसके मद्देनजर संबद्ध देशों एवं संबद्ध देशों से इतर देशों की संबद्ध वस्तुओं की मात्रा व कीमत के निर्धारण हेतु प्राधिकारी द्वारा संबद्ध वस्तुओं के संबंध में एक्विमनेट द्वारा सीमाशुल्क दैनिक सूचियों के अनुसार संबद्ध वस्तुओं के आयात के सौदेवार आंकड़ों पर विचार किया गया है।

78. नियमावली में यथा परिकल्पित क्षति मानदण्डों का विश्लेषण निम्नलिखित पैराग्राफों में किया गया है:-

आयातों की मात्रा - कुल आयातों तथा मांग में संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयातों की मात्रा

(i)

	अप्रैल, 02 से मार्च, 03	अप्रैल, 03 से मार्च, 04	अप्रैल, 04 से मार्च, 05	जांच अवधि (अप्रैल, 05 से मार्च, 06)
संबद्ध देशों से आयात (मिलियन किग्रा.)	0.026	0.028	0.430	0.990
अन्य देशों से आयात	0.035	0.034	0.027	0.055
कुल आयात (मिलियन किग्रा.)	0.061	0.062	0.457	1.045

	अप्रैल, 02 से मार्च, 03	अप्रैल, 03 से मार्च, 04	अप्रैल, 04 से मार्च, 05	जांच अवधि (अप्रैल, 05 से मार्च, 06)
संबद्ध देशों से आयात (सूचीबद्ध)	100	109	1673	3855
अन्य देशों से आयात (सूचीबद्ध)	100	97	76	156
कुल आयात (सूचीबद्ध)	100	102	747	1709

उपर्युक्त तालिका से यह नोट किया जाता है कि आधार वर्ष से जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं के आयातों की मात्रा में 38 गुना वृद्धि हुई है। तथापि इसी अवधि के दौरान अन्य देशों से आयातों में केवल 58 प्रतिशत वृद्धि हुई। संबद्ध देशों से कुल आयातों में आधार वर्ष की तुलना में 17 गुना से अधिक वृद्धि हुई। यह भी नोट किया जाता है कि जांच अवधि के दौरान अन्य देशों से आयात बहुत कम रहे (सभी देशों से कुल आयातों की तुलना में कुल आयातों का लगभग 5 प्रतिशत), हालांकि पूर्ववर्ती वर्षों के दौरान ये अत्यधिक रहे।

कुल आयातों तथा मांग में संबद्ध देशों के आयातों का बाजार हिस्सा

(ii) यह नोट किया जाता है कि आधार वर्ष से जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं की कुल मांग में 35 प्रतिशत बढ़ोतरी हुई। जहाँ तक कुल आयातों में संबद्ध देशों से आयातों के हिस्से का प्रश्न है, यह नोट किया गया है कि आधार वर्ष में यह 42 प्रतिशत से बढ़कर जांच अवधि के दौरान 94 प्रतिशत हो गया। यह भी नोट किया गया है कि कुल मांग में संबद्ध देशों से आयातों का हिस्सा आधार वर्ष में 0.36 प्रतिशत से बढ़कर जांच अवधि के दौरान 10.39 प्रतिशत हो गया।

अतः यह माना गया कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयातों में क्षति की अवधि के दौरान अत्यधिक वृद्धि हुई ।

	अप्रैल, 02 से मार्च, 03	अप्रैल, 03 से मार्च, 04	अप्रैल, 04 से मार्च, 05	जांच अवधि (अप्रैल, 05 से मार्च, 06)
कुल मांग				
कुल मांग (मिलियन किग्रा.)	7.06	7.78	8.83	9.53
प्रवृत्ति	100	110	125	135

आयातों का हिस्सा

	अप्रैल, 02 से मार्च, 03	अप्रैल, 03 से मार्च, 04	अप्रैल, 04 से मार्च, 05	जांच अवधि (अप्रैल, 05 से मार्च, 06)
संबद्ध देशों से आयात (मिलियन किग्रा.)				
बुल्गारिया	0.004	0.007	0.083	0.352
चीन जन गण		0.000057	0.000155	0.356
मलेशिया				0.038
सिंगापुर			0.130	0.121
दक्षिण कोरिया	0.022	0.021	0.216	0.123
संबद्ध देशों का योग	0.026	0.028	0.430	0.990
अन्य देशों से आयात	0.035	0.034	0.027	0.055
कुल आयात (मिलियन किग्रा.)	0.061	0.062	0.457	1.045
कुल घरेलू बिक्री	6.99	7.72	8.37	8.48
कुल मांग (मिलियन किग्रा.)	7.06	7.78	8.83	9.53
संबद्ध देशों से आयातों के हिस्से का %				
कुल आयात	42.00%	44.98%	94.07%	94.72%
कुल मांग	0.36%	0.36%	4.87%	10.39%
निम्नलिखित में संबद्ध देशों से आयातों के हिस्से का %				
कुल आयात	58.00%	55.02%	5.93%	5.28%
कुल मांग	0.50%	0.44%	0.31%	0.58%

घरेलू उत्पादन के प्रतिशत के रूप में संबद्ध देशों से आयात

(iii) प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उत्पादकों के घरेलू उत्पादन के प्रतिशत के रूप में संबद्ध देशों से पाटित आयात वर्ष 2002-03 में 0.37 प्रतिशत के स्तर से बढ़कर जांच की अवधि में 11.85

प्रतिशत हो गए। नीचे दी गई तालिका की जाँच से यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों से आयातों में वृद्धि वर्ष 2003-04 से ही शुरू हुई और यह वृद्धि उल्लेखनीय मानी गई है।

	अप्रैल, 02 से मार्च, 03	अप्रैल, 03 से मार्च, 04	अप्रैल, 04 से मार्च, 05	जाँच अवधि (अप्रैल, 05 से मार्च, 06)
संबद्ध देशों से आयात (मिलि. किग्रा.)				
बुल्गारिया	0.004	0.007	0.083	0.352
चीन जन गण		0.000057	0.000155	0.356
मलेशिया				0.038
सिंगापुर			0.130	0.121
दक्षिण कोरिया	0.022	0.021	0.216	0.123
कुल संबद्ध देश	0.026	0.028	0.43	0.99
अन्य देशों से आयात	0.035	0.034	0.027	0.055
कुल आयात (मिलि. किग्रा.)	0.061	0.062	0.457	1.045
कुल घरेलू बिक्री	6.99	7.72	8.37	8.48
कुल मांग (मिलि. किग्रा.)	7.06	7.78	8.83	9.53
कुल घरेलू उत्पादन (मिलि. किग्रा.)	6.94	8.65	8.52	8.36
संबद्ध देशों से आयातों के हिस्से का %				
कुल घरेलू उत्पादन	0.37%	0.32%	5.04%	11.85%
निम्नलिखित में अन्य देशों से आयातों के हिस्से का %				
कुल घरेलू उत्पादन	0.51%	0.40%	0.32%	0.66%

समान उत्पादों हेतु घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों का प्रभाव

कीमत कटौती

(iv) जहाँ तक घरेलू कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव का प्रश्न है, यह जाँच की गई है कि क्या भारत में समान उत्पाद के लिए कीमत की तुलना में पाटित आयातों के कारण उल्लेखनीय कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव का उद्देश्य कीमतों में उल्लेखनीय सीमा तक मंदी लाना है अथवा कीमत वृद्धि को रोकना है, जो अन्यथा उल्लेखनीय सीमा तक होती। संबंधित उत्पाद के संबंध में निर्यातित उत्पाद की पहुँच कीमत और व्यापार के समान स्तर पर असंबद्ध ग्राहकों को निवल छूट तथा करों सहित घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग की औसत बिक्री कीमत की तुलना की

गई । घरेलू उद्योग की ये कीमतें कारखाना द्वार स्तर पर निर्धारित की गई । यह तुलना दर्शाती है कि जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों के मूल की संबद्ध वस्तुओं की बिक्री भारतीय बाजार में उन कीमतों पर की गई जिनसे, घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री कीमतों के प्रतिशत के रूप में व्यक्त करने पर घरेलू उद्योग की कीमतों में कीमत कटौती होती है, जैसा कि निम्नलिखित तालिका से स्पष्ट है ।

घरेलू बाजार पर आयातों के प्रभाव का आकलन के उद्देश्य से क्षति अवधि के दौरान आयात कीमतों का विश्लेषण किया गया । यह नोट किया गया कि संबद्ध देशों के निर्यातकों ने कीमतें घटा दी हैं और पहुँच मूल्य में जांच अवधि के दौरान 28 प्रतिशत की गिरावट आई है । संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों के कारण कीमत कटौती का निर्धारण किया गया है, जिसका ब्यौरा निम्नानुसार है । इस प्रकार जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण कीमत कटौती अत्यधिक रही । उपर्युक्त के मद्देनजर यह माना जाता है कि जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों द्वारा अत्यधिक कीमत कटौती के कारण घरेलू उद्योग पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है ।

	जांच अवधि (अप्रैल, 05 से मार्च, 06)
कीमत कटौती	
बिक्री कीमत ₹/किग्रा. समस्त घरेलू उद्योग	****
पहुँच मूल्य ₹/किग्रा.	
बुल्गारिया	****
चीन जन गण	180.72
मलेशिया	196.68
सिंगापुर	216.25
दक्षिण कोरिया	173.51
संबद्ध देश	205
कीमत कटौती ₹/किग्रा.	
बुल्गारिया	****
चीन जन गण	****
मलेशिया	****
सिंगापुर	****
दक्षिण कोरिया	****
संबद्ध देश	****
कीमत कटौती (%)	
बुल्गारिया	3-6%
चीन जन गण	25-35%
मलेशिया	15-25%
सिंगापुर	10-15%
दक्षिण कोरिया	25-35%
संबद्ध देश	15-24%

कीमत हास तथा न्यूनीकरण

(v) क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतों में कोई गिरावट नहीं आई। क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में **** % की गिरावट आई। तथापि घरेलू उद्योग की संबद्ध वस्तु के उत्पादन की लागत में इसी अवधि के दौरान **** % की गिरावट आई। यह भी नोट किया जाता है कि संबद्ध वस्तु के पहुँच मूल्य में इसी अवधि के दौरान 28 प्रतिशत की गिरावट आई। पूर्वोक्त को देखते हुए यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों से घरेलू उद्योग की कीमतों पर दबाव पड़ा।

	अप्रैल, 02 से मार्च, 03	अप्रैल, 03 से मार्च, 04	अप्रैल, 04 से मार्च, 05	जांच अवधि (अप्रैल, 05 से मार्च, 06)
उत्पादन की लागत ₹0/किग्रा. - समग्र रूप से घरेलू उद्योग	****	****	****	****
सूचीबद्ध	100	99.342	93.684	97.307
बिक्री कीमत ₹0/किग्रा. - समग्र रूप से घरेलू उद्योग	****	****	****	****
सूचीबद्ध	100	99.886	93.802	97.011
सीआईएफ कीमतें (संबद्ध देश)	206	180	169	169
पहुँच मूल्य ₹0/किग्रा.				
बुल्गारिया	325.36	326.06	231.76	****
चीन जन गण		26.09	137.37	180.72
मलेशिया				196.68
सिंगापुर			213.84	216.25
दक्षिण कोरिया	276.39	204.06	190.87	173.51
संबद्ध देश	284.08	232.9	205.72	205
सूचीबद्ध	100	82	72	72

कम कीमत पर बिक्री

(vi) प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता के इस दावे कि संबद्ध वस्तु की बिक्री से कम कीमत पर बिक्री के कारण घरेलू उद्योग को हानि हो रही है, की भी जांच की है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि कम कीमत पर बिक्री क्षति के आकलन हेतु एक महत्वपूर्ण संकेतक है। प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद हेतु क्षतिरहित कीमत की गणना की है तथा कम कीमत पर बिक्री की सीमा का पता लगाने के लिए इसकी पहुँच मूल्य से तुलना की है। इसका विश्लेषण कम कीमत पर बिक्री की स्थिति के उल्लेखनीय स्तर को प्रदर्शित करता है जिसे निम्नलिखित तालिका में दर्शाया गया है।

कीमत कटौती	जांच अवधि (अप्रैल, 05 से मार्च, 06)
क्षति रहित कीमत रु०/किग्रा०	*****
पहुँच मूल्य रु०/किग्रा.	
बुल्गारिया	*****
चीन जन गण	180.72
मलेशिया	196.68
सिंगापुर	216.25
दक्षिण कोरिया	173.51
संबद्ध देश	205
कीमत कटौती रु०/किग्रा.	
बुल्गारिया	*****
चीन जन गण	*****
मलेशिया	*****
सिंगापुर	*****
दक्षिण कोरिया	*****
संबद्ध देश	*****
कीमत कटौती (%)	
बुल्गारिया	4-8%
चीन जन गण	25-35%
मलेशिया	20-28%
सिंगापुर	10-20%
दक्षिण कोरिया	25-35%
संबद्ध देश	15-25%

पूर्वोक्त के आधार पर यह माना जाता है कि घरेलू उद्योग संबद्ध वस्तु की कम कीमत पर बिक्री के कारण प्रतिकूल रूप से प्रभावित हो रहा है।

घरेलू उद्योग की स्थिति

(vii) भारत में घरेलू उद्योग पर आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियमावली के अनुबंध II (iv) के अनुसार उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा, स्टॉक, लाभप्रदता, निवल बिक्री वसूली, पाटन की मात्रा और मार्जिन आदि जैसे संकेतकों जिनका उद्योग की स्थिति पर प्रभाव पड़ता है, पर विचार किया।

घरेलू उत्पादकों की बिक्री और बाजार हिस्सा

(viii) यह नोट किया गया है कि घरेलू उद्योग की बिक्री में निरपेक्ष रूप से वृद्धि हुई है।

बिक्री (मी.टन)				
	अप्रैल, 02 से मार्च, 03	अप्रैल, 03 से मार्च, 04	अप्रैल, 04 से मार्च, 05	जांच अवधि (अप्रैल, 05 से मार्च, 06)
घरेलू उद्योग	6.99	7.72	8.37	8.48
अन्य घरेलू उत्पादक	-	-	-	-
समग्र रूप से घरेलू उद्योग	6.99	7.72	8.37	8.48

घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा				
	अप्रैल, 02 से मार्च, 03	अप्रैल, 03 से मार्च, 04	अप्रैल, 04 से मार्च, 05	जांच अवधि (अप्रैल, 05 से मार्च, 06)
बिक्री (मी.टन)				
घरेलू उद्योग	6.99	7.72	8.37	8.48
अन्य घरेलू उत्पादक				
समग्र रूप से घरेलू उद्योग	6.99	7.72	8.37	8.48
कुल मांग (मी.टन)	7.06	7.78	8.83	9.53
घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा	99.13	99.20	94.82	89.03
अन्य घरेलू उत्पादक (%)				
समग्र रूप से घरेलू उद्योग (%)	99.13	99.20	94.82	89.03

प्राधिकारी पाते हैं कि समग्र रूप से घरेलू उद्योग का हिस्सा 02-03 के दौरान 99 प्रतिशत से घटकर जांच अवधि के दौरान 89 प्रतिशत हो गया। यह भी नोट किया जाता है कि इसी अवधि के दौरान मांग में 35 प्रतिशत वृद्धि हो गई। उपर्युक्त के मद्देनजर यह माना जाता है कि घरेलू उद्योग उसी गति से वृद्धि करने में असमर्थ रहा क्योंकि मांग और संबद्ध देशों से पाटित आयातों की वजह से बाजार हिस्सा उल्लेखनीय माना गया है।

उत्पादन और क्षमता उपयोग

(ix)

| उत्पादन (मिलि.किग्रा.)

	अप्रैल, 02 से मार्च, 03	अप्रैल, 03 से मार्च, 04	अप्रैल, 04 से मार्च, 05	जांच अवधि (अप्रैल, 05 से मार्च, 06)
घरेलू उद्योग	7.56	9.45	10.26	10.17
अन्य घरेलू उत्पादक				
समग्र रूप से घरेलू उद्योग	7.56	9.45	10.26	10.17
क्षमता (मिलि. किग्रा.)				
	अप्रैल, 02 से मार्च, 03	अप्रैल, 03 से मार्च, 04	अप्रैल, 04 से मार्च, 05	जांच अवधि (अप्रैल, 05 से मार्च, 06)
घरेलू उद्योग	10.78	10.78	12.59	12.59
अन्य घरेलू उत्पादक				
समग्र रूप से घरेलू उद्योग	10.78	10.78	12.59	12.59
क्षमता उपयोग %				
	अप्रैल, 02 से मार्च, 03	अप्रैल, 03 से मार्च, 04	अप्रैल, 04 से मार्च, 05	जांच अवधि (अप्रैल, 05 से मार्च, 06)
घरेलू उद्योग	70.12%	87.64%	81.45%	80.74%
अन्य घरेलू उत्पादक				
समग्र रूप से घरेलू उद्योग	70.12%	87.64%	81.45%	80.74%

(x) उपर्युक्त तालिका से यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग की संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन में आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान अत्यधिक वृद्धि हुई। क्षमता उपयोग के संबंध में यह नोट किया जाता है कि इसमें आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई। तथापि यह नोट किया जाता है कि क्षमता उपयोग में 2003-04 के पश्चात तथा जांच अवधि के दौरान 9 प्रतिशत की गिरावट आई। प्रसंगवश, यह उल्लेख किया जाता है कि वर्ष 2003-04 से पाटित आयातों में उल्लेखनीय संख्या में वृद्धि शुरू हो गई।

मालसूची

(xi) प्राधिकारी नोट करते हैं कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की माल सूचियों के स्तर में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह भी नोट किया जाता है कि क्षमता की अवधि के दौरान बिक्री के प्रतिशत के रूप में माल सूचियों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

माल सूची	अप्रैल, 02 से मार्च, 03	अप्रैल, 03 से मार्च, 04	अप्रैल, 04 से मार्च, 05	जांच अवधि (अप्रैल, 05 से मार्च, 06)
बिक्री (मिलि. किग्रा.)				
घरेलू उद्योग	6.99	7.72	8.37	8.48
माल सूची - घरेलू उद्योग (मिलियन किग्रा.)	0.164	0.403	0.586	0.386

बिक्री के प्रतिशत के रूप में माल सूची	2.35%	5.22%	7.00%	4.56%
सूचीबद्ध	100	222	298	194

घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

(xii) प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्रत्येक संबद्ध देश से कीमत कटौती का स्तर अत्यधिक है और संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतों पर कीमत कटौती का प्रभाव जारी है। तथापि संबद्ध देशों में से प्रत्येक पाटित आयातों के कारण और संचयी रूप से भी कम कीमत पर बिक्री अत्यधिक है क्योंकि प्रत्येक संबद्ध देश से आयातों का पहुँच मूल्य घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत से बहुत कम है। इससे घरेलू उद्योग की कीमतों का न्यूनीकरण हुआ है, जिसके परिणामस्वरूप कम कीमत पर बिक्री हुई है। यद्यपि आधार वर्ष की तुलना में जाँच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं की घरेलू बिक्री कीमतों में 3 प्रतिशत गिरावट आई है, तथापि इसी अवधि में इसकी उत्पादन लागत में केवल 2.7 प्रतिशत की गिरावट आई है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि आवेदकों के अलावा भारत के घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तुओं का कोई और घरेलू उत्पादक नहीं है, अतः घरेलू बाजार में कोई अन्य कारक नहीं है, जिसने घरेलू उद्योग की कीमतों को प्रभावित किया हो।

पाटन मार्जिन की सीमा

(xiii) प्राधिकारी ने पाया कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के पाटन मार्जिन की सीमा अधिकतम है।

रोजगार, मजदूरी तथा उत्पादकता

(xiv) प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने क्षमता में वृद्धि की है और अनेक व्यक्तियों को नियोजित किया है। तदनुसार क्षति की जाँच की अवधि के दौरान कर्मचारियों की संख्या और उनके भुगतान की गई मजदूरी बढ़ गई है। प्राधिकारी पाते हैं कि आधार वर्ष 2002-03 की तुलना में जाँच अवधि के दौरान प्रति कर्मचारी उत्पादकता में भी वृद्धि हुई है। अतः यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण उत्पादकता में कमी नहीं है।

कर्मचारी, मजदूरी तथा उत्पादकता

	अप्रैल, 02 से मार्च, 03	अप्रैल, 03 से मार्च, 04	अप्रैल, 04 से मार्च, 05	जाँच अवधि, (अप्रैल, 05 से मार्च, 06)
कर्मचारी (संख्या) - घरेलू उद्योग	****	****	****	****
सूचीबद्ध	100	105.71	107.10	107.38
घरेलू उद्योग की मजदूरी लाख रुपए	****	****	****	****

सूचीबद्ध	100	100.26	124.44	132.14
घरेलू उद्योग का उत्पादन	6.94	8.65	8.52	8.36
सूचीबद्ध	100	124.64	122.77	120.46

लगाई गई पूंजी पर आय तथा लाभप्रदता

(xv) प्राधिकारी नोट करते हैं कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में उल्लेखनीय गिरावट आई है। वर्ष 2003-04 से जांच अवधि तक यह गिरावट अत्यधिक रही है। लगाई गई पूंजी से आय की प्रवृत्ति भी क्षति अवधि के दौरान ऐसी ही रही है। स्मरणीय है कि संबद्ध देशों से पाटित आयातों में भारी वृद्धि भी 2003-04 से ही शुरू हुई थी। इन मानदण्डों के आधार पर यह माना जाता है कि प्रचालन कार्य निष्पादन में गिरावट के कारण घरेलू उद्योग पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

लगाई गई पूंजी पर आय	अप्रैल, 02 से मार्च, 03	अप्रैल, 03 से मार्च, 04	अप्रैल, 04 से मार्च, 05	जांच अवधि (अप्रैल, 05 से मार्च, 06)
ब्याज पूर्व लाभ/हानि (लाख रू० में)	****	****	****	****
सूचीबद्ध	100	128	103	90
लगाई गई पूंजी-घरेलू	****	****	****	****
सूचीबद्ध	100	107	106	105
आर ओ सी ई %	****	****	****	****
सूचीबद्ध	100	119.39	96.68	85.07

नकद प्रवाह पर वास्तविक तथा संभावित नकारात्मक प्रभाव

(xvi) प्राधिकारी पाते हैं कि नकद लाभ/नकद प्रवाह की प्रवृत्ति भी वही है जो लाभप्रदता एवं लगाई गई पूंजी से आय की है, जिसका उल्लेख पिछले पैराग्राफों में किया गया है।

	अप्रैल, 02 से मार्च, 03	अप्रैल, 03 से मार्च, 04	अप्रैल, 04 से मार्च, 05	जांच अवधि (अप्रैल, 05 से मार्च, 06)
नकद लाभ - घरेलू प्रति किग्रा.	****	****	****	****
सूचीबद्ध	100	116	113	103

वृद्धि

(xvii) प्राधिकारी नोट करते हैं कि यद्यपि जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री की मात्रा में वृद्धि हुई है, तथापि जांच अवधि के दौरान बिक्री की मात्रा पिछले वर्ष की तुलना में कम है और इसी अवधि में कुल मांग में वृद्धि भी कम है। यह नोट किया जाता है कि वृद्धि से संबंधित अधिकांश मानदंडों में वर्ष 2003-04 से नकारात्मक प्रवृत्ति देखी गयी है। उपर्युक्त के आधार पर यह माना गया है कि अनेक मानदंडों के संदर्भ में घरेलू उद्योग की वृद्धि नकारात्मक रही है।

वृद्धि	अप्रैल, 02 से मार्च, 03	अप्रैल, 03 से मार्च, 04	अप्रैल, 04 से मार्च, 05	जांच अवधि (अप्रैल, 05 से मार्च, 06)
मांग		0.73	1.04	0.70
उत्पादन - समग्र रूप से घरेलू उद्योग		1.70	(0.12)	(0.17)
बाजार हिस्सा - समग्र रूप से घरेलू उद्योग		0.07	(4.38)	(5.79)
बिक्री मात्रा - समग्र रूप से घरेलू उद्योग		0.73	0.65	0.11
समग्र रूप से लाभ - घरेलू उद्योग		148.61	(66.66)	(69.48)
नकद लाभ/किग्रा समग्र रूप से घरेलू उद्योग		1.90	(0.39)	(1.21)
आर ओ सी ई - घरेलू उद्योग		2.22	(2.60)	(1.33)

पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता

(xviii) प्राधिकारी पाते हैं कि प्रचालन कार्य निष्पादन के संदर्भ में घरेलू उद्योग के प्रतिकूल रूप से प्रभावित होने के मद्देनजर, इसके नकारात्मक लाभ और जांच अवधि के दौरान आय में गिरावट को देखते हुए घरेलू उद्योग की पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। कुछेक हितबद्ध पक्षों ने यह मुद्दा उठाया है कि मेसर्स टेक्नोवा ने अपनी क्षमता में वृद्धि की है और उनकी बड़े पैमाने पर निवेश करे की योजना है और यह निवेश संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण उन्हें हुई वास्तविक क्षति के उनके दावे के विरुद्ध है। इस मुद्दे की जांच की गई है और यह नोट किया जाता है कि मेसर्स टेक्नोवा ने निवेश की योजना नये डिजिटल प्लेटों के विनिर्माण के लिए बनाई थी न कि एनालॉग प्लेट विनिर्माण के लिए। यह भी नोट किया गया है कि ये निवेश जांच अवधि की शुरुआत से पहले किए गए थे।

कारणात्मक संबंध एवं अन्य कारक

79. यह भी निवेदन किया गया है कि पारम्परिक प्लेट सी टी पी (डिजिटल प्लेटों) को अपना बाजार हिस्सा गंवा रही हैं। आगे यह भी कहा गया है कि आवेदकों के ग्राहक अब उनके स्थान पर सी टी पी का उपयोग कर रहे हैं और किफायत, समय उत्पादन एवं कार्य निष्पादन के अनुसार सी टी पी की कार्य क्षमता बेहतर है। यह भी कहा गया है कि घरेलू उद्योग को हुई क्षति, खपत के तौर-तरीकों में आए परिवर्तन के कारण भी हो सकती है।

80. विभिन्न हितबद्ध पक्षों ने निवेदन किया है कि घरेलू उद्योग को क्षति, यदि कोई हो, एल्यूमीनियम की बढ़ती कीमतों के कारण हुई है, न कि संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण। इसके विपरीत घरेलू उद्योग ने निवेदन किया है कि घरेलू उद्योग को हुई क्षति मुख्यतः संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण हुई है। उन्होंने आगे कहा है कि पाटित आयातों की सीधी प्रतिस्पर्धा घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तुओं से होती है, जो एक ही स्तर पर प्रतिस्पर्धा करते हैं। यह भी बताया गया है कि घरेलू उद्योग की पद्धति स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की है, जिसमें सेवा/सहायता, गुणवत्ता तथा परिणामतः कीमत ही निर्धारक मानदण्ड होते हैं। उन्होंने यह भी बताया है कि व्यापार प्रतिबंधात्मक पद्धतियों अथवा प्रौद्योगिकी संबंधी कोई मुद्दा ऐसा नहीं है जिसे घरेलू उद्योग को क्षति का कारण माना जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा है कि घरेलू उद्योग का निर्यात कार्य निष्पादन किसी भी यप में इसकी वित्तीय एवं आर्थिक स्थिति को प्रभावित नहीं करता।

पाटित आयातों का प्रभाव

81. वर्ष 2002-03 तथा जांच अवधि के बीच संबद्ध वस्तुओं के कुल आयातों के प्रतिशत के रूप में संबद्ध देशों से पाटित आयात आधार वर्ष में 42 प्रतिशत से बढ़कर जांच अवधि में 94 प्रतिशत हो गए। भारत में संबद्ध वस्तुओं की कुल मांग तथा घरेलू उद्योग के कुल उत्पादन के संदर्भ में संबद्ध देशों से पाटित आयातों के बाजार हिस्से में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। तथापि कीमत प्रभाव की जांच करते समय अर्थात् क्या पाटित आयातों के कारण भारत में संबद्ध वस्तुओं की कीमत में उल्लेखनीय कीमत कटौती हुई है, प्राधिकारी ने पाया कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं का पहुँच मूल्य घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतों से कम था जो इस बात का द्योतक है कि संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की बिक्री मूल्यों में अत्यधिक कीमत कटौती हो रही है। यह पाया गया है कि कीमत कटौती और आयातों के पहुँच मूल्य के कीमत व्यवहार ने घरेलू उद्योग को घरेलू कीमतें लाभदायक स्तर से कम स्तर पर रखने के लिए विवश कर दिया है। पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग उत्पादन लागत में पूर्ण वृद्धि की वसूली की दृष्टि से बिक्री कीमत को बढ़ा नहीं सका और पूर्ववर्ती अवधि खास तौर से वर्ष 2003-04 की तुलना में, जब संबद्ध देशों से पाटित आयातों में अधिकता की शुरुआत हुई, इसे प्रचालनात्मक कार्य निष्पादन में गिरावट का सामना करना पड़ा। इस प्रकार उपर्युक्त के आधार पर यह माना जाता है कि संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई है।

अन्य कारकों का प्रभाव

व्यापार प्रतिबंधात्मक पद्धतियों एवं विदेशी तथा घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा और खपत के तौर-तरीकों में परिवर्तन एवं प्रौद्योगिकी:

82. कुछेक हितबद्ध पक्षों ने डिजिटल प्लेटों के साथ विचाराधीन उत्पाद की प्रतिस्थापनीयता तथा घरेलू उद्योग को क्षति के संबंध में कतिपय चिंताएं व्यक्त की हैं। हितबद्ध पक्षों ने यह भी कहा है कि डिजिटल प्लेट एनालॉग प्लेटों को उदरस्थ कर रहीं हैं और वर्ष 2012 तक डिजिटल प्लेट एनालॉग प्लेटों को 50 प्रतिशत तक प्रतिस्थापित कर देंगी।

83. प्राधिकारी ने दोनों उत्पादों में शामिल प्रौद्योगिकी में भिन्नताओं की जांच की है। यह नोट किया गया है कि जहां तक प्रौद्योगिकी का प्रश्न है, सबसे पहले कम्प्यूटर पर एनालॉग प्लेट प्रणाली की एक इमेज तैयार की जाती है और फिर एक इमेज सेटिंग उपकरण के जरिए इसे एक फिल्म में अंतरित कर

दिया जाता है। फिर इस फिल्म का उपयोग पी एस प्लेटों पर इमेज निर्मित करने में किया जाता है और इसे मुद्रित दस्तावेज तैयार करने के लिए पारम्परिक प्रेस पर माऊंट कर दिया जाता है, जबकि डिजीटल प्लेट तैयार करने की प्रणाली में इमेजों को कम्प्यूटर में कम्प्यूटर फाइल के रूप में स्थापित किया जाता है और इस प्रकार स्थापित इमेज को सीधे डिजीटल प्लेटों में अंतरित कर दिया जाता है और फिर इन्हें मुद्रण के प्रयोजनार्थ पारम्परिक प्रेस पर माऊंट किया जाता है।

84. जहां तक वाणिज्यिक प्रतिस्थापनीयता के मुद्दे का प्रश्न है, प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत तथ्यों की जांच से यह नोट किया गया कि डिजीटल प्लेटों की स्थापना से संबंधित लागत (पूँजीगत तथा प्रचालन लागत दोनों) पी एस प्लेटों से काफी अधिक है। हितबद्ध पक्षों के प्रस्तुतीकरण की जांच से यह नोट किया गया कि पी एस प्लेटों का प्रयोग कुछेक बड़े मुद्रकों के अलावा अधिकांशतः एस एम ई क्षेत्र द्वारा किया जाता है। यह दावा किया गया है कि अन्य प्लेटों, चाहे वे निगेटिव हों अथवा डिजीटल, पॉजीटिव प्लेटों की खपत उत्पादन की गुणवत्ता, गति तथा प्रयोक्ताओं की लागत अपेक्षाओं एवं उनके पास उपलब्ध इमेजिंग प्रौद्योगिकी के अनुरूप है। इसके अलावा ये संबद्ध वस्तुएं न केवल भारत के अपितु संबद्ध देशों के भी विभिन्न क्षेत्रों एवं प्रयोक्ताओं की आवश्यकताओं की पूर्ति करती हैं। यह भी नोट किया जाता है कि डिजीटल प्लेटें (सी टी पी प्लेटें) हाल ही में बाजार में लाई गई हैं, जिसका कुल खपत में हिस्सा देश में प्लेटों की कुल खपत को देखते हुए बहुत कम है। एक प्रक्षेपण (ऑल इण्डिया सी टी पी स्पीक & सीरिज से देश भर में प्रमुख सी टी पी प्रयोक्ताओं का नमूना सर्वेक्षण) के अनुसार आने वाले वर्षों में अनेक प्रयोक्ताओं के लिए पी एस प्लेटें (एनालॉग) प्रासंगिक बनी रहेंगी क्योंकि पी एस प्लेटों का प्रयोग करने वाले मुद्रण प्रतिष्ठानों की स्थापना करना बहुत सस्ता है। यह सर्वेक्षण इण्डियन प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स & नामक एक प्रमुख व्यापारिक पत्रिका के सम्पादकों द्वारा किए गए अध्ययन पर आधारित है। इसके अलावा इस जांच में प्रयोक्ताओं ने बड़ी संख्या में भागीदारी की है और जांच प्रक्रिया के दौरान महत्वपूर्ण सूचना/दस्तावेज प्रस्तुत किए, जो घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तुओं के वर्तमान तथा भावी महत्व को सिद्ध करता है। यह नोट किया जाता है कि क्षति की अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं की कुल मांग बढ़ी है न कि इसमें गिरावट आई है। उपर्युक्त के आधार पर यह नोट किया जाता है कि विदेशी तथा घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा और खपत के तौर तरीकों में परिवर्तन घरेलू उद्योग को हुई क्षति के लिए उत्तरदायी नहीं है।

व्यापार प्रतिबंधात्मक पद्धतियां, मांग में संकुचन और खपत के तरीके में परिवर्तन

85. यह नोट किया जाता है कि विचाराधीन अवधि के दौरान मांग में कोई संकुचन नहीं हुआ है। इसके विपरीत जांच अवधि के दौरान कुल मांग में वृद्धि हुई है। प्राधिकारी ने यह नहीं पाया कि भारतीय उत्पादकों तथा अन्य प्रतिस्पर्धी उद्योगों द्वारा कोई व्यापार प्रतिबंधात्मक पद्धतियां अपनाई गयी हैं। इसके अलावा यह भी नोट किया जाता है कि यदि बाजार में कोई प्रतिस्पर्धा होती है तो स्थानीय मांग की पूर्ति उचित कीमत पर करने के लिए घरेलू उद्योग के पास अप्रयुक्त क्षमता उपलब्ध है।

निर्यात कार्य निष्पादन

86. घरेलू उद्योग द्वारा जांच अवधि तथा पिछले वर्षों के दौरान संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया गया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग के निर्यात कार्य निष्पादन में सुधार हुआ है। तथापि क्षति निर्धारण के प्रयोजनार्थ घरेलू तथा निर्यात बिक्रियों को अलग-अलग करने के बाद घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन का निर्धारण किया गया है।

उत्पादकता

87. आधार वर्ष 2002-03 की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की उत्पादकता में सुधार हुआ है।

क्षति तथा कारणात्मक संबंध से संबंधित निष्कर्ष

88. जहाँ तक क्षति तथा कारणात्मक संबंध से संबंधित मुद्दे का प्रश्न है, घरेलू उद्योग को प्रभावित करने वाले सभी 15 अधिदेशित मानदण्डों की जांच की गई है। नियमावली के उपबंध के अनुसार संबद्ध देशों की मात्रा तथा कीमत प्रभाव को संचित किया गया है। मात्रा तथा कीमत प्रभाव से यह ज्ञात होता है कि क्षति की अवधि में पाटित आयातों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और जांच अवधि के दौरान भी इनमें अतिरिक्त वृद्धि हुई है। मांग के संदर्भ में तथा देश में संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन के संदर्भ में संबद्ध देश से पाटित आयातों की मात्रा अत्यधिक समझी गयी है। जहाँ तक कीमतों का प्रश्न है, यह नोट किया जाता है कि सी आई एफ स्तर पर कीमतों तथा संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के पहुँच मूल्य में गिरावट आई है। पहुँच मूल्य में गिरावट से यह नोट किया गया कि भारतीय बाजारों में पाटित आयातों की कीमतों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों में उल्लेखनीय कीमत कटौती हुई है। यह भी नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों में मंदी आयी है और घरेलू उद्योग द्वारा उल्लेखनीय रूप से कम कीमत पर बिक्री की गयी है, क्योंकि पहुँच कीमतें घरेलू उद्योग के लिए निर्धारित क्षति रहित कीमत से बहुत कम हैं। जहाँ तक घरेलू उद्योग पर मात्रा तथा कीमत प्रभाव का प्रश्न है, सभी 15 मानदण्डों की जांच की गयी है। कारणात्मक संबंध की जांच करते समय पाटित आयातों से इतर कारकों की भी जांच की गयी है जिनके बारे में ज्ञात है कि वे घरेलू उद्योग को क्षति पहुँचाते हैं। यह नोट किया जाता है कि पाटित आयातों में बढ़ोतरी वर्ष 2003-04 से शुरू हुई थी। तथापि क्षति की इस अवधि के लिए आधार वर्ष 2002-03 है। जांच से यह पता लगाया गया कि क्षति की अवधि के दौरान उत्पादन तथा बिक्री में निरपेक्ष रूप से वृद्धि हुई है, वर्ष 2003-04 से, जो वास्तव में वह वर्ष था जब संबद्ध देशों से पाटित आयातों में भारी वृद्धि शुरू हुई। वास्तव में वर्ष 2003-04 से जांच अवधि तक क्षमता उपयोग में उल्लेखनीय गिरावट आई है। जहाँ तक प्रचालनात्मक कार्य निष्पादन में परिवर्तन का प्रश्न है, यह देखा जा सकता है कि आधार वर्ष से जांच अवधि तक वित्तीय मानदण्डों में अधिक परिवर्तन (कुछेक मानदण्डों में मामूली कमी) नहीं आया है। तथापि वर्ष 2003-04 से जांच अवधि तक आए परिवर्तन उल्लेखनीय प्रतीत होते हैं। लाभप्रदता, लगाई गई पूंजी से आय, नकद लाभ के रूप में वर्ष 2003-04 से जांच अवधि तक घरेलू उद्योग का प्रचालनात्मक कार्य निष्पादन अत्यधिक ऋणात्मक वृद्धि दर्शाता है।

89. उपर्युक्त विश्लेषण के आधार पर, जिसमें घरेलू उद्योग की स्थिति पर सभी ज्ञात कारकों के प्रभाव और पाटित आयातों के क्षति रहित प्रभाव को समुचित रूप से अलग-अलग किया गया है, यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि ये अन्य कारक इस तथ्य का खंडन नहीं करते कि कोई वास्तविक क्षति पाटित आयातों के कारण हुई है।

90. अतः यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि पाटनरोधी नियमावली के नियम 11 के अर्थ के भीतर संबद्ध देशों के मूल के पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

(ज) क्षति मार्जिन की सीमा**क्षति रहित कीमत का निर्धारण**

91. प्राधिकारी द्वारा समग्र घरेलू उद्योग के लिए क्षति रहित कीमत का निर्धारण किया गया है।

92. प्राधिकारी द्वारा निर्धारित क्षति रहित कीमत घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं की सभी किस्मों का भारत औसत है और क्षति मार्जिन के निर्धारण के प्रयोजनार्थ इसकी तुलना संबद्ध देशों से निर्यातों के भारत औसत पहुँच मूल्य से की गयी है। संबद्ध देशों के निर्यातों के भारत औसत पहुँच कीमत और क्षति मार्जिन की गणना की गयी है जो निम्नानुसार है:-

क्षति मार्जिन की गणना:

उत्पादकों तथा निर्यातकों/देशों के नाम	क्षति मार्जिन (अम डा./किग्रा.)	क्षति मार्जिन का %
मे0 कोडक पोलीक्रोम, बुल्गारिया तथा मे0 के पी जी, सिंगापुर	****	5-10%
अन्य, बुल्गारिया	****	40-50%
सभी निर्यातक, मलेशिया	****	20-30%
सभी निर्यातक, सिंगापुर	****	10-20%
सभी निर्यातक, चीन जन गण	****	25-35%
सभी निर्यातक, कोरिया जन गण	****	25-35%

(झ) भारतीय उद्योग के हित

93. पाटनरोधी शुल्कों का उद्देश्य सामान्यतः पाटन को समाप्त करना, जो घरेलू उद्योग को क्षति पहुँचा रहा है और भारतीय बाजार में खुली तथा उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति बहाल करना है, जो देश के सामान्य हित में है।

94. प्राधिकारी मानते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से संबद्ध वस्तु के प्रयोग से विनिर्मित उत्पादों के कीमत स्तर पर प्रभाव पड़ सकता है और परिणामतः इन उत्पादों की तुलनात्मक प्रतिस्पर्धात्मकता पर दुष्प्रभाव पड़ सकता है। तथापि पाटनरोधी उपायों द्वारा भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी। इसके विपरीत पाटनरोधी उपाय लगाए जाने से पाटन की पद्धतियों से प्राप्त अनुचित लाभ समाप्त होंगे, घरेलू उद्योग का हास रुकेगा और संबद्ध वस्तु के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प की उपलब्धता बनाए रखने में मदद मिलेगी। यह नोट किया जाता है कि पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से संबद्ध देशों से आयात किसी भी रूप में प्रतिबंधित नहीं होंगे और इसलिए उत्पाद की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी। उपभोक्ता अभी भी आपूर्ति के दो या उससे भी अधिक स्रोत रख सकते हैं।

निष्कर्ष

95. पूर्वोक्त पर विचार करने के बाद प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुँचे हैं कि:

क. संबद्ध देशों से भारत को संबद्ध वस्तु का निर्यात उसके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है;

ख. घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है;

ग. यह क्षति संचयी रूप से संबद्ध देशों से हुए पाटित आयातों के कारण हुई है।

96. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कमतर शुल्क संबंधी नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन से कमतर राशि के बराबर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त की जा सके। क्षति मार्जिन के निर्धारण के प्रयोजनार्थ आयातों के पहुँच मूल्य की तुलना जांच अवधि के लिए निर्धारित घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत के साथ की गयी है। प्राधिकारी द्वारा निर्धारित क्षति मार्जिन और क्षति का उल्लेख उपर्युक्त पैराग्राफ में किया गया है।

97. तदनुसार, प्राधिकारी यह सिफारिश करते हैं कि संबद्ध देशों के मूल के या वहां से निर्यातित सीमाशुल्क शीर्ष 84, 76 और 37 के अंतर्गत आने वाली संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर केन्द्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली सूचना की तारीख से निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाया जाए। संबद्ध देशों के मूल के या वहां से निर्यातित, सीमाशुल्क टैरिफ के अध्याय 84, 76 और 37 के अंतर्गत आने वाली संबद्ध वस्तु के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क की राशि केन्द्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से निम्नलिखित तालिका के कालम 9 में उल्लिखित राशि और आयातों के प्रति किया। पहुँच मूल्य के बीच का अंतर होगी।

क्र. सं.	शीर्ष	वस्तु विवरण	विनि देश	उद्गम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	राशि अम डा./मी. टन	माप की इकाई	मुद्रा
-1	-2	-3	-4	-5	-6	-7	-8	-9	-10	-11
1	84, 37 और 76	प्री-सेसिटाइज्ड पोजीटिव ऑफसेट एल्यूमीनियम प्लेट्स*	कोई	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	कोई	कोई	5.682954	किग्रा	अम. डा.
2	84, 37 और 76	-वही-	कोई	चीन जन. गण.	चीन के अलावा अन्य कोई	कोई	कोई	5.682954	किग्रा	अम. डा.
3	84, 37 और 76	-वही-	-वही-	संबद्ध देश के अलावा कोई	चीन जन. गण.	कोई	कोई	5.682954	किग्रा	अम. डा.
4	84, 37 और 76	-वही-	कोई	मलेशिया	मलेशिया	कोई	कोई	5.682954	किग्रा	अम. डा.
5	84, 37 और 76	-वही-	कोई	मलेशिया	मलेशिया के अलावा अन्य कोई	कोई	कोई	5.682954	किग्रा	अम. डा.

6	84, 37 और 76	-वही-	-वही-	संबद्ध देश के अलावा कोई	मलेशिया	कोई	कोई	5.682954	किग्रा	अम. डा.
7	84, 37 और 76	-वही-	कोई	कोरिया जन. गण.	कोरिया जन. गण.	कोई	कोई	5.682954	किग्रा	अम. डा.
8	84, 37 और 76	-वही-	कोई	कोरिया जन. गण.	कोरिया के अलावा अन्य कोई	कोई	कोई	5.682954	किग्रा	अम. डा.
9	84, 37 और 76	-वही-	-वही-	संबद्ध देश के अलावा कोई	कोरिया जन. गण.	कोई	कोई	5.682954	किग्रा	अम. डा.
10	84, 37 और 76	-वही-	कोई	बुल्गारिया	बुल्गारिया	कोई	कोई	5.682954	किग्रा	अम. डा.
11	84, 37 और 76	-वही-	कोई	बुल्गारिया	बुल्गारिया एवं सिंगापुर के अलावा अन्य कोई	कोई	कोई	5.682954	किग्रा	अम. डा.
12	84, 37 और 76	-वही-	कोई	बुल्गारिया	सिंगापुर	कोडेक पोलीक्रोम बुल्गारिया	कोडेक पोलीक्रोम ग्राफिक्स सिंगापुर	5.682954	किग्रा	अम. डा.
13	84, 37 और 76	-वही-	कोई	बुल्गारिया	सिंगापुर	कोई	कोई	5.682954	किग्रा	अम. डा.
14	84, 37 और 76	-वही-	कोई	संबद्ध देश के अलावा कोई	बुल्गारिया	कोई	कोई	5.682954	किग्रा	अम. डा.
15	84, 37 और 76	-वही-	कोई	सिंगापुर	सिंगापुर	कोई	कोई	5.682954	किग्रा	अम. डा.
16	84, 37 और 76	-वही-	कोई	सिंगापुर	सिंगापुर के अलावा अन्य कोई	कोई	कोई	5.682954	किग्रा	अम. डा.
17	84, 37 और 76	-वही-	-वही-	संबद्ध देश के अलावा कोई	सिंगापुर	कोई	कोई	5.682954	किग्रा	अम. डा.

* दोनों ओर 0.03 मिमी के अंतर सहित 0.15 मिमी से 0.40 मिमी तक मोटाई

98. इस प्रयोजनार्थ आयातों का पहुँच मूल्य सीमाशुल्क अधिनियम 1962 के अंतर्गत सीमाशुल्क द्वारा यथा निर्धारित निर्धारणीय मूल्य होगा और उसमें सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 3, 3 क, 8 ख, 9 और 9 क के अंतर्गत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर समस्त सीमाशुल्क शामिल होंगे।

99. इस आदेश के खिलाफ कोई अपील अधिनियम के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष दायर की जा सकेगी ।
100. प्राधिकारी इसमें की गई सिफारिश के अनुसार अधिनियम के संगत उपबंधों के तहत और समय-समय पर इस संबंध में जारी सार्वजनिक सूचनाओं के अनुसार निश्चयात्मक उपायों को जारी रखने, उनमें संशोधन करने या उन्हें समाप्त करने की जरूरत की समीक्षा कर सकते हैं । प्राधिकारी द्वारा ऐसी किसी समीक्षा के किसी अनुरोध को तब तक स्वीकार नहीं किया जाएगा जब तक वह किसी हितबद्ध पार्टी द्वारा इस प्रयोजनार्थ निर्धारित समय-सीमा के भीतर दायर न की गयी हो ।

आर. गोपालन, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 23rd August, 2007

FINAL FINDINGS

Subject: Anti-dumping investigation concerning imports of Pre-sensitized Positive Offset Aluminum Plates (PS Plates) from Bulgaria, China PR, Malaysia, Singapore and South Korea

A. BACK GROUND

No. 14/6/2006-DGAD.—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, (hereinafter referred to as the Rules) thereof :

2. Whereas M/s Technova Imaging Systems (P) Ltd., and M/s. Stovec Industries Limited (herein after referred to as the Applicant) filed an application before the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority), in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 (herein after referred to as the Rules), alleging dumping of Pre-sensitized Positive Offset Aluminum plates (herein after referred to as subject goods) originating in or exported from Bulgaria, China PR, Malaysia, Singapore and South Korea (herein after also referred to as subject countries) and requested for initiation of Anti Dumping investigations for levy of anti- dumping duties on the subject goods. The Authority notified the Embassy of subject countries

about the receipt of dumping allegation in accordance with sub rule 5(5) of Rules.

3. Whereas the Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the Applicant on behalf of the domestic industry, issued a public notice dated 24th August, 2006 published in the Gazette of India, Extraordinary initiating Anti-Dumping investigations concerning imports of the subject goods originating in or exported from the subject countries in accordance with the Rule 6 of the Rules to determine the existence, degree and effect of alleged dumping and to recommend the amount of antidumping duty, which if levied would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

B. PROCEDURE:

4. The procedure described below has been followed:

(i) On 24th August 2006, the Designated Authority (hereinafter also referred to as Authority), under the above Rules, issued an initiation notification published in the Gazette of India, initiating an anti dumping investigation with regard to imports of Pre-sensitized Positive Offset Aluminum plates originating in or exported from subject countries. The Anti dumping proceeding was initiated following an application received from M/s Technova Imaging Systems (P) Ltd., and M/s. Stovec Industries Limited (hereinafter referred as applicants) on behalf of the domestic industry representing a major proportion of the domestic production of said product. The application contained evidence of dumping of the said product and material injury resulting there from, which was considered sufficient to justify the initiation of the proceedings.

(ii) The Authority notified the Embassies of subject countries in India about the receipt of fully documented application made by the applicant before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-rule (5) of Rule 5 supra.

(iii) According to sub rule (2) of the rule 6 supra, the Authority forwarded copy of the said initiation notification to the known exporters, importers, industry associations, embassies of the subject countries and to the applicants and gave them an opportunity to make their views known in writing.

(iv) According to sub-rule (3) of Rule 6 supra, the Authority provided a copy of non confidential version of the application to all the known exporters in subject countries and their embassies in India. As per Rule 6 supra, the Authority provided a copy of the relevant questionnaire to all the known exporters and their embassies in India. The Embassy of subject countries in New Delhi were also informed about the initiation of investigation and were requested to advise the exporters/producers from their countries to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letter and questionnaire sent to the following exporters and producers were also sent to the respective embassies along with the name and address of the exporters.

1. M/s. Jungdo Chemical Company Ltd. South Korea
2. M/s. Kodak Polychrome Graphics Singapore Pvt. Ltd, (KPG) Singapore.
3. M/s. Fuji Offset Plates Mfg. Ltd, Singapore
4. M/s. GED Limited, Bulgaria.
5. M/s. Fuji Photo Film (Malaysia) Sdn. Bhd. Malaysia
6. M/s Kodak Polychrome (KP) , Bulgaria

(v) In response to the initiation notification, M/s Kodak Polychrome Graphics, Singapore (KPG, Singapore), an exporter and M/s Kodak Polychrome, Bulgaria (KP, Bulgaria) , the producer responded to the exporters questionnaire and submitted substantial information. Their information was subsequently verified by the Authority after conducting on site verification at the premises of the cooperating exporters and a verification report was issued to the cooperating producer and exporter for their comments. The comments received from the producer and exporter has been examined and are reflected in the disclosure statement. Another exporter M/s GED has stated that it did not produce or sell the subject goods in Bulgaria or in any other country. GED has stated that they are an authorized dealer for Kodak in Bulgaria to promote, market and sell as well as to provide installation of technical services/maintenance of the equipment on the territory of Bulgaria. The equipment covered by them were CTF/Image Setters, CTP, Trend Setter News Thermoflex, Froofers, Scanners, work flow Prinergy, Brisque PSM. In view of this submission, the Authority has noted that M/s GED was not a manufacturer or seller of the subject goods. None of the other exporters have submitted the information to the Authority in the form and manner prescribed in the exporter's questionnaire.

vi) A questionnaire was sent to the following known importers/user associations of the subject goods for necessary information in accordance with Rule 6(4):

Associations

- All India Federation Of Master Printers, New Delhi 110024
- The Bombay Master Printers Association
- Mumbai 400018
- West Bengal Master Printer Association
- Kolkata 700014
- The Madras Printers & Lithographers Association, Chennai
- Delhi Printers Association, New Delhi

Importers

- Kapoor Sales India Private Limited, Chennai
- M S Graphics Private Limited, Calcutta W B
- Newstech India Private Limited, Mumbai
- Harison Agencies, New Delhi
- 5.Jagmohan Enterprises, New Delhi-Pin – 110002
- Alpha India Corpn, New Delhi

Users

- Npt Offset, Chennai - 600 014
- Rapid Scan, Chennai - 600 014
- Mwn Press, Chennai - 600 005
- Rathna Offset, Chennai - 600 014
- Southern Offset Printers, Chennai - 600 006
- Thomson Press (I) Ltd, Faridabad- 121007

- Brijwasi Art Press, Noida - 201301
- Paras Offset, New Delhi
- Dewan Offset Printers (P) Ltd, New Delhi - 110015
- Gopsons Paper Ltd, Noida - 201301
- Press Tech Litho, Greater Noida
- Kaveri Printers, Delhi
- Jaina Offset, Dariyaganj, Delhi
- Nutech Photolithographers, New Delhi - 110020
- Art Waves, New Delhi - 110020
- Sonu Printers, New Delhi - 110020
- Everest Press New Delhi - 110020
- Silverpoint Press Pvt. Ltd
Mumbai - 400013
- Nirman Associates
Mumbai - 400013
- Sahaya Print Services
Mumbai - 400013
- Pratik Offset
Mumbai - 400004
- Luv Kush
Mumbai
- Bartaman
Kolkata
- Janambhoomi Press Pvt Ltd
Assam

- Bhabani Offset & Imaging Systems Pvt Ltd
Guwahati - 781007
- Genesis Printers & Publishers Pvt Ltd
Guwahati - 781024
- Vista Print Pvt Ltd
West Bengal
- Neutral Publishing House Ltd
Ranchi -834001
Jharkhand
- Newspapers
- **Amar Ujala, Uttar Pradesh**
- Daily Thanthi
Chennai
- Divya Bhaskar
Surat - 394210
- Eenadu Newstimes
Hyderabad
- Hindu
Chennai
- INDIAN EXPRESS
New Delhi
- Jagran Publications Ltd.,
Kanpur
- Kumudam Publication
Chennai
- Malayala Manorama
Kottayam
- Mathrubhumi Printing And Publishing Co Ltd
Calicut

- Rajasthan Patrika Limited
Jaipur
- The Printers Mysore(Ltd)
Bangalore

vii) In response to the above notification, following importers, users and their associations have responded to the Authority:

1. All India Federation of Master Printers
2. M/s Kapoor Imaging.
3. West Bengal masters printers Association.
4. MS Graphics Ltd.
5. M/s Newstech
6. All Bengal Printers Association.
7. Madras Printers & Lithographic Association.
8. Salem District Offset Printers' Association.
9. M/s Allied Enterprises, New Delhi

(viii) The submissions of all the printers and associations have been examined by the Authority and have been appropriately dealt with in the final findings. It is stated that subsequent to the initiation of the antidumping investigation the import statistics of product under consideration which was filed by the domestic industry was kept in the public file for information of all interested parties. Subsequently, a copy of culled out data of the subject goods (as defined in the product under consideration) was also kept in the public file and it was inspected and copies were made available to other interested parties who so requested after inspection of public file. With regard to the claim of confidentiality, it is stated that the designated authority, upon being sufficient reason given to it by various interested parties have treated the financial reports of domestic industry (M/s Technova Imaging systems Pvt Ltd, Mumbai) and transaction wise import information giving import qty and price and other adjustments of the importers data as 'confidential'. After the public hearing, a copy of the non-confidential version of the financial statements of M/s. Technova Imaging System was also kept in the public file for information to all concerned. The authority also communicated to various interested parties about the availability of this information in the public file when they made request to the authority to for collecting copies of these documents.

ix) A copy of the non-confidential application was also provided to other interested parties, wherever requested.

x) The Authority kept available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file maintained by the Authority and kept open for inspection by the interested parties as per Rule 6(7).

xi) Additional details regarding injury were sought from the applicant, which were also received. The Authority sought and verified all the information it deemed necessary for the purpose of determination of dumping and resulting injury. The Authority conducted on the spot investigation of the domestic industry to the extent considered necessary. The cost of the production of the domestic industry was also analysed to work out the cost of the production and the cost to make and sell the subject goods in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles based on the information furnished by the domestic industry so as to ascertain if anti dumping duty lower than dumping margin would be sufficient to remove injury to the domestic Industry.

xii) The Authority held a public hearing on 5th January, 2007 to hear the interested parties orally, which was attended by a number of interested parties. The parties attending the public hearing, were requested to file written submissions of views expressed orally. The Authority in this finding has considered the written submissions thus received from interested parties. The parties were also asked to file rejoinder submissions on views expressed by other interested parties.

xiii) Wherever an interested party has refused access to, or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigations, or has significantly impeded the investigation, the Authority has recorded findings on the basis of the facts available.

xiv) The Authority has considered data relating to cost of production and selling price of all interested parties as confidential as it would give competitive advantage to their competitors. The other information has not been considered as confidential unless the responding party has given sufficient justification for keeping the information as confidential.

xv) **** in this notification represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules on merits. In accordance with Rule 16 of the Rules supra, the essential facts/basis considered for these findings was disclosed to known interested parties on 25th July and comments received

on the same has been considered in Final Findings. Post disclosures, the following interested parties have submitted their comments

1. M/s Allied Enterprises
2. M/s. KP, Bulgaria and M/s KPG Singapore.
3. M/s. Kapoor Imaging
4. M/s. All India Federation of Master Printers
5. Domestic Industry
6. All Bengal Printers Association

The submissions made by all these interested parties have been taken into account and dealt with at the relevant heads in this final finding.

xvi) Investigation was carried out for the period starting from 1 April 2005 to 31st March 2006 (12 months) i.e. the period of investigation (POI). The examination of trends in the context of injury analysis covered the period 2002-03, 2003-04, 2004-05 and the POI.

B. PRODUCT UNDER CONSIDERATION, LIKE ARTICLE AND DOMESTIC INDUSTRY:

B1: PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE

5. The product under consideration in the present investigation is Pre-sensitized Positive Offset Aluminum plates (also referred to as "PS Plates" or subject goods). The subject goods is primarily used in the printing establishments. There are various kinds of Aluminium Offset Plates, designed to suit the quality, speed & cost requirements of the users, and the imaging technology available to them e.g. Non-sensitised Grained Plates; Pre-sensitised Plates (Positive or Negative working); Digital Plates (Thermal or Violet or UV sensitive). The thickness of the subject goods ranges between 0.15 mm to 0.40mm. The present application covers PS PLATES of all types of thickness ranging from 0.15 mm to 0.40mm with a variation of 0.03mm on either side.

6. PS Plates serve as an image-carrier on an offset printing machine, and is the final link in the lithographic offset printing process. It is used by the printing Industry on sheet-fed & web-fed offset printing machines for printing of newspapers, flexible packaging materials, books, general commercial printing, and stationary, business forms. The subject goods are manufactured from coils or sheets of "litho-grade" Aluminium by

electro-chemically treating the surface, followed by photo-sensitive coating, drying, and cutting the sheets to required dimensions. The subject goods falls under Chapter 84 of the Custom Tariff Act, 1975. While the classification of the PS plates at the eight digit level, is 84425020, the subject goods are reported to have been imported under sub-headings 37013000, 37040090, 37051000, 76069190, and 76069290 as well. However, the Customs classification is indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigation. Subsequent to the initiation, various interested parties have submitted that scope of the product under consideration should be clarified so that it does not include other products like negative plates and digital plates. The Authority has examined the contention of other interested parties and it holds that product under consideration does not cover negative plates and digital plates,, negative offset plates and all plates other than "Pre-sensitized Positive Offset Aluminum plates with thickness ranging from 0.15 mm to 0.40mm with a variation of 0.03mm on either side" are outside the scope of the investigation.

7. Rule 2(d) of AD Rules defines Like Article as

"an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such article, another article which although not alike in all respects, has characteristics closely resembling those of the articles under investigation."

8. The applicants have claimed that the subject goods, which are being dumped into India, are identical to the domestic like product produced by the domestic industry. There are no differences either in the technical specifications, quality, functions or end-uses of the dumped imports and the domestically produced subject good. On the issue of like article, some of the interested parties have stated that the domestic industry is considering their top quality high priced plates and the imported PS plates come in the various plates known as short run, medium run and high run. They therefore, have disputed the domestic industry's claim of comparing the indigenous plates with the plates imported from the subject countries as one like product. It has also been stated that the plates imported by them do not have high overhead costs unlike the Indian manufacturers.

9. On the other hand, it has been submitted by the domestic industry that the issue of the quality of the plates manufactured by the Domestic Industry has been introduced by the opposing interested party. It has also been submitted that such arguments are frivolous and only made

with a view to distract an objective investigation into the dumping from the subject countries. No technical or scientific evidence has been provided to substantiate this issue. It has also been submitted that the subject goods are produced in various types whether short run, long run or medium run. All the so called grades/types/forms of the subject goods are the subject matter of this petition within the specific width size as mentioned in the said Initiation Notification. It has further been submitted by the domestic industry that the Petitioners are manufacturing all grades and types of plates which are included in the product under consideration, which can clearly complement and substitute the dumped subject goods. Thus, there is no difference in the subject goods produced by the domestic Industry and imported from the subject countries. It has also been submitted that while the said importer is only importing the so called one quality of plates, which is clearly within the purview of the investigation, it does not absolve his imports from the said allegations made in the Petition and thus the process set by the Designated Authority has to be complied with. On the issue raised in the submissions as regards the marketing cost incurred by the manufacturer, or the power cost or the state of the art production line, it has been submitted that the Korean Manufacturers / Exporters have not complied with the timelines framed by the Designated Authority and have also not submitted any information as mandated under the Exporters Questionnaire, which requires submitting greater and credible information related to the investigation.

10. The Authority has examined the contention of all interested parties and after examination, it is noted that short run, medium run and long run denotes the number of copies or impressions that could be made out of the PS Plates. However, none of the exporters from subject countries with the exception of M/s Kodak Bulgaria and M/s KPG, Singapore have cooperated with the investigation and submitted any data regarding these different grades or variants of the subject goods. Even the sole cooperating exporter M/s KP, Bulgaria and M/s KPG, Singapore have not submitted or classified their subject goods in these three grades or commented any thing on these different types of runs. None of the interested parties have submitted any evidence that these three variants of the subject goods imported from subject countries are not like products to the subject goods produced by the domestic industry. The Authority considers that different types of subject goods are produced from the same production technology, manufacturing process, raw materials, plant & equipment and perform the same general purpose. There is a great amount of substitutability between different types of subject goods. Even though the product has been grouped in discrete types according to thicknesses, and runs, these specific characteristics merely differentiate various types of subject goods. . The imported product is also used by

same category of consumers. Further, neither the exporters nor the interested parties have disputed the fact along with evidence that there is any difference in the subject goods imported from subject countries and the subject goods manufactured by the domestic industry. After examining the claims, the Authority holds that the subject goods produced by the domestic industry and produced and sold by the subject countries being technically and commercially substitutable are considered as 'like articles' under the Anti Dumping Rules. Therefore, for the purpose of the present investigation, the subject goods produced by the applicants in India are being treated as 'Like Articles' to those being imported from the subject countries. Post disclosure, none of the interested parties have made any comments with regard to product under consideration and like article. In view of that, the authority confirms the product under consideration and like article as determined in the disclosure statement.

B2: DOMESTIC INDUSTRY

11. Rule 2(b) defines domestic industry as under:-

(b) "domestic industry" means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in which case such producers shall be deemed not to form part of domestic industry:

It is noted that the application was filed by M/s. Technova Imaging Systems (P) Limited, (Technova) and M/s. Stovec Industries Limited (Stovec). From the examination of the information on record, it is noted that the collective production of the aforesaid producers constituted a major proportion of the total domestic production of the like article and therefore they represented the domestic industry within the meaning of Rule 2(b) of the Rules supra and they have the required standing to file the application under rule 5(3)a of the Anti dumping rules.

Subsequent to the initiation, another domestic producer of the subject goods M/s Lastra Niraj Pvt Ltd has submitted the information in the form and manner of domestic industry questionnaire. The Authority has therefore taken all three producers data into account (which account for entire production of subject goods in the country) for determining the injury of domestic industry as a whole. Post disclosure, none of the interested parties has submitted any comments with regard to standing

and domestic industry status in this investigation. In view of that, the authority confirms the domestic industry and standing determination made in the disclosure statement.

Issues raised by Various Interested parties with regards to import data, confidentiality, monopoly position and procedures followed by the Authority and Other issues :

Views of the interested parties

12. In reply to the initiation notification, various interested parties requested the Authority for transaction wise import data of the subject goods from subject countries which have been taken into account by petitioners when they filed their application to the Authority. They also requested the Authority to make available /place in the public file the balance sheet and financial accounts of M/s Technova imaging system which was the major part of the domestic industry. In their later submission, they also asked the culled out data of the subject goods from subject country which related to product under consideration. Subsequently, they also requested the Authority to place in the public file the soft copy of the import statistics of the subject goods from subject countries. They also wanted the basis on which these import statistics of the subject goods have been culled out by the domestic industry. Various interested parties representing importers, exporters and users reiterated their submissions on the issue of the confidentiality of the balance sheet of M/s technova imaging systems.

13. It has been submitted by some of the interested parties representing users and importers that the domestic industry has used the import data selectively in terms of the transactions as well as the ports to arrive at misleading results. It has been added that they ought to have disclosed transactions which have been actually "selected" by them to build up their case and the reasons for exclusion of other transactions. In the absence of such information, respondent user industry is being denied an opportunity to have access to the relevant data and to offer its appropriate comments. They have also added that imports from Malaysia are below de minimus and they have requested the authority to examine this aspect. On the issue of confidentiality many interested parties have commented upon the fact that balance sheets of Technova Imaging Systems cannot be kept as confidential.

14. On the issue of monopoly, it has been submitted that M/s Technova and M/s Stovec are not two different organizations in so far as production of P.S. plates are concerned, as Stovec and Technova have

completed the formalities for the transfer of the assets of Stovec's Graphics Division to Technova on 01.07.2006. It has been added that the intention of the petitioner behind the anti dumping application was not only to safeguard their own interest from foreign competition but also to create a monopolistic environment in India in this particular range of product and pass on their inefficiency to others. A number of interested parties have raised the contention that with the transfer of the Graphics Division of Stovec to Technova, Technova is in a position to create a monopolistic environment in India for the product concerned. The Designated authority has no jurisdiction to examine the issues relating to Monopolistic and Restrictive Trade Practices.

15. Some of the interested parties representing printers association have submitted that their printing industry is predominated by Small and Medium units and a large pool of employees are engaged in this sector. Approximately 40% of India's total Industrial output and over 40% of India's total exports come from the SSI sector. Over 1 crore Small Scale Industries can provide direct employment of about 285 lac persons and indirect employment to a very huge number. Over 83% of the Industrial Employment comes from the SSI Sector but the SSI units are not cash rich and vulnerable to outside onslaught. Various interested parties representing importers and users have protested against the proposed imposition of antidumping duty on import of pre-sensitized positive offset aluminum plates. They have added that imposition of duty would create a monopoly in this industry and which would be controlled by the domestic industry to the extent of 90% of the total production of plates. These interested parties in their submissions before the authority have voiced concerned concern that imposition of anti dumping duties would cause an irreparable harm and injury to the small printers, small and medium size newspapers. They have further added that imposition of duty would create a monopoly as the investigation had been initiated at the instance of big companies who continue to enjoy monopoly power. Hence the monopolistic threat from any units may jeopardize the health of all small and medium printing units.

16. M/s. TPM Consultants, on behalf of cooperating exporter M/s. Kodak, Singapore has stated that investigations against Singapore is required to be terminated as there is no known production facility of subject goods in Singapore. They have requested the Authority to clarify the scope of the product under consideration as all other types of printing plates excluding positive offset aluminum plates should be beyond the scope of the present investigation. They have also added that there is insufficient disclosures to the interested parties and it has also been added that the annual report of the domestic industry should not be kept confidential. They have also added that the petition does not contain all

the necessary information. They have also added that PS Plates of thicknesses not produced by the domestic industry should be excluded from the purview of the product under consideration.

17. With regard the takeover of unit of one petitioner by the other petitioner, It has been submitted by the domestic industry that anti dumping proceedings are fault based proceedings, where on a finding of the relevant ingredients of the fault, the Hon'ble Designated Authority is mandated to cure the fault in the manner statutorily prescribed. It has also been submitted that the Hon'ble Designated Authority has consistently taken a view that anti dumping duty does not restrict imports, and ensures that open and fair competition is re-established. It has also been held that fair competition on the Indian market will not be reduced by anti dumping measures. The domestic industry has further added that in the present case, there is clearly a very high margin of dumping; the exporters who have caused material injury by their dumping have chosen not to cooperate. In these facts, any attempt to dilute or hijack the imposition of duty based on the so called interests of domestic actual users would render the entire act and rules nugatory and otiose. Further, it has also been submitted that during the Period of Investigation the Petitioners were stand alone companies who were independently producing and marketing the products. As regards the allegations of creating a monopolistic environment is concerned, it is submitted that this Hon'ble Authority has the power to investigate only dumping, injury and the causal link between dumping and injury, thus recommending the imposition of anti-dumping duties. Thus, this is not the appropriate forum under which monopolistic issues can be addressed or investigated.

18. On the issue of adequacy and accuracy, it has been submitted that the issues raised in this behalf is frivolous in as much that the Petitioners have placed extensive information in the non-confidential petition. Apart from quoting relevant sections and jurisprudence on the confidentiality, there are absolutely no relevant instances wherein the Counsel for the Petitioners has listed the deficiencies which have any merits. In fact, the procedure is for the Designated Authority to examine the confidentiality aspect and accordingly keeping the best interest of all parties disclose the information which is not required to be kept confidential and disclose the same to the interested parties. It has been added that it is a usual practice of the Designated Authority in numerous investigations to have accepted the import data filed on the basis of providing private source data which has a limited reach as compared to the official statistics of import covering all ports as sourced from DGCI&S. In the instant case, the Petitioners have clearly stated in the Petition the reasons as to why the data as provided by the DGCI&S could not be used for the purposes

of initiation. The reasons for not using the DGCI&S data, was that for the purposes of ascertaining the imports of the subject goods, transaction-wise data is required, since the subject goods were found to have been imported and cleared under the other tariff heads apart from the ITC heading it should fall under. Further, in the normal course the DGCI&S publishes the import data on a monthly basis which provides only a summary of imports under each heading and therefore the imports could not be accurately ascertained as there are other products included in same tariff heading. It has also been submitted that the private source data information is collated from the Customs daily lists covering all the major ports wherein the said product was being dumped. The Agencies such as Eximnet and IBIS provide this data which have been relied upon and accepted by the Hon'ble Domestic Authority in many anti-dumping investigations. Further, in case if there are two or more sizes of the subject goods which have been imported in a consignment, the same information has been captured by the Eximnet, but the same has not been provided by DGCI&S. These issues have been highlighted and presented to the Hon'ble Domestic Authority. Therefore, the Petitioners were forced to rely upon private source data which it did in the instant case and the Designated Authority has in this case rightly initiated the investigation similar to the other investigations.

19. The domestic industry has further added that the Petitioners have placed in the public domain not only the summary of the imports but also placed in the public file raw data of the imports as made available by the private source i.e. Eximnet. The said imports data is easily available in the public domain and the same can be procured and the analysis can be verified by any of the interested parties. The Petitioners have also at Annexures VB and VC of the non-confidential petition made detailed notes as to the conversion formulas used to convert the data from Kgs. to Sq. M and the methodology used to compile the data. As regards the information of the price lists to be disclosed, it has been submitted that the format of the standard questionnaire does not specifically request the petitioning industry to disclose or produce information as to price lists, the same is in fact the burden of the exporters as requested in the Exporters Questionnaire. It is also worth adding that this information has always been accessible on the internet site of one of the petitioners i.e. Technova. It is also to be noted that the price lists is not reflective of the fair selling price and thus cannot be construed to be reflective of the market prices, as there are other producers in the domestic market leave aside the dumped import prices at which they are sold in this market.

20. On confidentiality, it has been submitted by the domestic industry that while the Production and Sales data in volumes has been disclosed in the non-confidential petition, the Petitioners have not disclosed the

values for the same as they are confidential and would be detrimental to the business of the Petitioners. The indexed figures clearly have been provided on the basis of which the interested parties can assess the trends for these parameters.

21. On confidentiality of the balance sheets of M/s Technova imaging systems, it has been added by the domestic industry that the balance sheet of one of the petitioners has been filed already with the copy of the non-confidential petition as it is a public listed company, while the accounts of the other company cannot be disclosed as the same is a private limited company and the disclosing the same would be compromised and may harm the business operations of the company.

22. With regards to inclusion of Malaysia, it has been submitted that the inclusion of Malaysia has clearly been made as their imports are above the de minimis limits as set out by the Anti-dumping Agreement and clearly injure the Domestic Industry. The law does not provide the Petitioners to exclude any country outside the purview of anti-dumping investigation because their volumes are very low. As per the data available at the time of the initiation, the data clearly shows the results as demonstrated in the petition which includes Malaysia as one of subject countries.

Examination by the Authority

23. On the issue of import statistics, the arguments of various interested parties have been examined. Subsequent to the issuance of initiation notification, it is noted that, the import statistics in the raw form i.e. complete listings of the various chapters in which the product under consideration was imported was kept in the public file for information to all interested parties. Subsequently, the culled out data of the product under consideration along with its basis was also kept in the public file as per the request made by various interested parties. Later, a soft copy of the same was also kept in the public file and all this information was given to those interested parties who so requested during the process of investigation. Some of the interested parties wrote to the authority asking for copies of this information during the process of investigation. It is further noted that all these interested parties were individually informed about the availability of these documents in the public file and copies were made and handed over to those interested parties who so requested. It is further noted that no comments have been received with regard to this issue thereafter.

24. On the issue of confidentiality, it is already stated in earlier paragraphs that the Authority has, after examining the request for the interested party (domestic industry & importer), have accorded confidentiality to the financial report of M/s Technova Imaging Systems Pvt Ltd, a domestic industry (being financial report of private limited company) and import quantity and values along with its adjustments actually incurred by the importers (various importers) during the process of investigation in terms of rule 7 of the anti dumping rules. Post disclosure: some of the interested parties representing importers and users have reiterated their earlier submissions that in the absence of proper annual reports, they are unable to offer any meaningful comments on the issue of confidentiality. They have further pointed out that balance sheets, profit and loss accounts etc. cannot be claimed as confidential. It has further been submitted that no proper explanation has been offered by the domestic industry claiming confidentiality in this regard. The matter has been examined. It is noted that the domestic industry had claimed confidentiality for their annual reports stating that theirs' is a private limited company whose annual accounts are not available in the public domain. It was also submitted by them that their annual accounts/financial reports contain business sensitive information and the release of such information would cause adverse effects on M/s. Technova. The matter was examined by the Authority and after examination, it was held that financial reports/annual accounts do contain business sensitive information, and the domestic industry could be adversely affected with the release of these information. It is also noted that annual accounts of the private limited companies are not in the public domain. In view of the above, it is stated that the authority has rightly accorded the confidentiality to the financial reports or annual accounts of M/s. Technova. It is also noted that a non-confidential summary of the Annual accounts of M/s Tecchnova for the past three financial years in the index form was placed in the public file for information to all concerned as required under rule 7.2 of the anti dumping rules.

25. On the issue of granting de minimus margin to imports from Malaysia, it is noted that the imports from Malaysia are higher than de minimus margin by the reason of volume. Therefore, Malaysia has rightly been taken as one of the subject countries in this investigation.

26. On the issue of monopoly, the authority has examined the contentions of all interested parties and after examination, it is noted that the purpose of antidumping duty, in general, is to eliminate dumping

which is causing injury to the domestic industry and to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market which is in general interest of the country. With regard to the subject case, it is noted that all three domestic producers which are part of domestic industry in the subject investigation, are different companies during the period of investigation. All these companies were independently producing and marketing the subject goods in the domestic market. No evidence has been placed by any interested parties with regard to making a cartel or creating a price restrictive behavior. With regard to allegation of creating a monopolistic environment, it is noted that the authority determines dumping, injury and causal link between the dumped imports and injury to the domestic industry before recommending the imposition of anti dumping duties or otherwise. From the antidumping rules, it is not borne out that a company, even if monopolistic, is prohibited from requesting to the authority actions against the unfair imports.

27. With regard to clarifying the scope of the product under consideration, it is noted that the same has already been clarified under the appropriate headings in the earlier paragraphs pertaining to product under consideration and like article.

28. It has been submitted by various interested parties belonging to importers and users that the authority should have taken the export prices of the subject countries into India in terms of various runs i.e. short run, medium run and long run products. It has also been submitted by them that all the plates imported from China PR belong to short run type and therefore, a comparison for price undercutting as well as price underselling analysis should necessarily be made with their domestic prices of the short run type only. They have also argued that such type wise information was never asked from the importers as well as other interested parties at the time of initiation.

29. The domestic industry, on the issue of short run, medium run and long run products, has submitted that there are no industry wise standards for classifying the products into short run, medium run or long run. They have also added that different producers can claim these runs on the basis of different run lengths (e.g. medium run could vary from 50,000 to 75,000 prints for some producers and 75000-1,00,000 prints for another producer). They have also added that there no consensus that how many prints would be treated as short, medium or long run and the global producers of the product concerned do not classify the plates in terms of various run lengths.

30. The matter has been examined. It is noted that the lone cooperating producer and exporter from Bulgaria and Singapore

respectively does not classify the products on the basis of various run lengths as they have not submitted the information on the basis of types pertaining to run lengths. It is also noted that at the time of initiation the domestic industry had not claimed that the subject goods is sold on the basis of various run lengths. After initiation and subsequent verification, it was noted that the domestic industry does not sell its products on the basis of run-lengths. From the investigation it is also not borne that there is global consensus on prescribed technical criteria with regard to different run lengths. Though a few importers have submitted copies of bills of entries showing the subject goods in terms of short and medium run lengths, it is not borne out from the import statistics and responses filed along with the data received in import statistics that all the imports from China PR belong to short run types. It is also noted that none of the exporters from China PR, Korea RP and Malaysia has responded to the Authority by giving the information in terms of various run lengths. The sole exporter from Bulgaria does not classify the products in terms of these run lengths. In view of the above, the authority has taken the subject goods, as a whole, for determination of export price, price undercutting and price underselling. Likewise, for determination of injury margin landed price of subject goods as a whole have been compared with the non-injurious price of the domestic industry for subject goods, as a whole to determine the injury margin.

31. With regard to duties on Singapore, it has been contended that there is no producer of subject goods in Singapore and therefore duty should not be imposed on subject goods from Singapore. The matter has been examined and it is noted that M/s. Kodak Polychrome Graphics (KPG), Singapore is an exporter of subject goods for the goods originating in Bulgaria. It is also noted from import statistics that there are significant exports of subject goods in addition to the exports made by M/s. KP Bulgaria from Singapore and therefore, it appears that there could be other exporters apart from M/s. KPG Bulgaria from Singapore to India. In view of the above, the authority has rightly determined the dumping margin and injury margin of the subject goods coming in from Singapore.

32. A few importers have submitted that the landed price as per their imports are at much higher price than those being reflected by Eximnet statistics. It has also been submitted that the DGCI&S data was not disclosed to them. The matter has been examined and it is noted that transaction wise information with regard to raw data as well as the culled out data of the subject goods from Eximnet have been placed in the public file after initiation and have been given to all the interested parties whomsoever have made any requests in this regard. Later, the soft copy of these data including their analysis have been placed in the public file

and were shared with those interested parties who made specific requests. A copy of the transaction wise DGCI&S data was also placed in the public file after blanking out the sensitive information. It is also noted that import volumes reported by Eximnet data are much higher than reported by DGCI&S data. It has been noted that discrepancy in these two sources of information could be because of the fact that the import statistics from Eximnet source have captured the data from many other customs subheads than that reported by DGCI&S. For example, the import volumes reported by one importer from Korea RP are much higher than what is reported from DGCI&S data from that country. Also, import volumes from the cooperating producer and exporter from Bulgaria and Singapore are much more than that reported from DGCI&S statistics. Therefore, after examining the contentions of all the interested parties it is held that the volume and the price of the imports of the subject goods from subject countries have been correctly computed by the authority. With regard to the submissions made by few importers that their import prices should be taken into account for determination of dumping margin and injury margin, it is stated that the imports made by these importers do not indicate the total volume of imports from subject countries and therefore, the determination of correct import prices from subject countries is not possible from the limited data made available by these importers.

33. With regard to computation of normal value and the NIP, it is stated that the methodology and computation of normal value and NIP has been informed confidentially to the cooperating exporter and domestic industry respectively. With regard to computation of normal value from non-cooperating producers and exporters, the same has been determined through facts available as per the consistent practice of the authority and as per the antidumping rules

34. With regards to the issue raised by various interested parties comprising users and importers concerning exclusion of UK from the purview of investigation, it is noted that imports from European Union (which includes UK) are at a much higher price and the domestic industry has not alleged in their submissions that imports from EU are dumped.

35. Various interested parties comprising users and importers of the subject goods have submitted that they were prevented from making any arguments on injury aspects as revised injury information was filed by the domestic industry only on 22nd December 2006 and copy of such revised data was available to interested parties on 5th January 2007. It has also been submitted that they were constrained to request the designated authority to grant them another opportunity for public hearing as soon as

possible as the hearing granted could not be such to be effective as contemplated under the law and principle of natural justice. The contention has been examined by the authority and it is stated that injury information with regard to domestic industry (comprising approximately 90% of the production) was made available to all interested parties after initiation. The domestic industry filed some information on 22nd December 2006 which corrected the figures of price under-cutting and price underselling after it was pointed out by one of the interested parties. It is also noted that after initiation, the third and remaining domestic producer M/s. Lasta Niraj, also submitted the required information to the authority and their information together with the information of other domestic producers were made available to all interested parties immediately after the public hearing. It is also noted that full opportunity has been provided to all interested parties to submit and rebut the information presented by other interested party. It is also noted that the information submitted in response to initiation notification, and those submitted by written submissions and rejoinders along with subsequent letters or information provided to the designated authority have been taken into account by the authority in this final finding.

36. The issues raised by various interested parties with regard to injury and causal link have been examined by the Authority. The volume and price effect of the dumped imports from subject countries and their impact on the domestic industry on the basis of 15 injury parameters have been analyzed and on the basis of the examination, a conclusion has been drawn by the Authority.

37. With regards to the issue raised by domestic industry about exclusion of outward freight in determination of non injurious price, it is noted that outward freight is not taken into account by the Authority in determination of both the landed value of the dumped imports and non injurious price of domestic like product (subject goods). With regards to the issue of lower raw material cost and utilities taken by the Authority for determination of non injurious price of the domestic industry, it is noted that as per consistent practice, the Authority has considered the best consumption level of raw materials and utilities in determining non injurious price of domestic industry. On the issue of lower capital employed and certain other expenses taken by the Authority, it is noted that the Authority has taken the verified data of the domestic industry for determination of non injurious price of domestic industry.

38. It is noted that the domestic industry has submitted information with regards to threat of material injury apart from the material injury on account of dumped imports from subject countries. The factors which they have mentioned in their claim include rapid rise in volume of imports from

subject countries and decline in the prices of subject goods from subject countries. They have requested the Authority to examine their claim for threat of material injury in addition to having suffered material injury on account of dumped imports.

39. With regards to the response filed by M/s KPG Singapore and M/s KP Bulgaria, it has been submitted by the domestic industry that the said exporter and producer did not submit non confidential copy of the exporter's response. The matter has been examined and it is stated that a non confidential copy of the exporter's response was duly placed in the public file and shared with interested parties during the process of investigation.

40. During the investigation, M/s Kodak (China) graphic communication Co Ltd has submitted that they had not exported the subject goods during the POI and the company intended to export to India in due course. The company has expressed its intention to apply for a new shipper review in due course if the Authority imposed anti dumping duties. It is noted that if M/s Kodak (China) graphic communication Co Ltd did not export during POI, then they can make a request to the Authority for a review under rule 22 of the Anti dumping rules.

41. The domestic industry has requested the Authority to impose anti dumping duties on fixed duty basis and denominate the same in Indian rupees.

42. Post disclosure, M/s KP Bulgaria and M/s KPG Singapore confirmed their willingness for price undertaking and requested that the required formats for price undertaking should be made available to them. The Authority sent a copy of the format of price undertaking to the exporter, however, no such request was received by the Authority.

C. - DETERMINATION OF DUMPING MARGIN

C1: NORMAL VALUE FOR Bulgaria

Views of interested parties:

43. The exporters have denied that there is a dumping by Kodak into India and they have added that import price from Bulgaria is higher than the European Union and therefore, no injury should be caused by the imports from Bulgaria. They have also added that normal value assessed by the petitioner is highly overstated. The domestic industry, on the other hand, has challenged the claim of cost of production along

with SGA and profits made by M/s. KP, Bulgaria. The domestic industry has further raised questions on the relationship between M/s. KP Bulgaria and M/s. KPG, Singapore. During the process of investigation, the domestic industry has requested the authority to examine and suitably allocate the expenses of M/s. KPG, Singapore as well as M/s. KPG, India before determining the ex-factory export price of the cooperating producer and exporter.

Examination by the Authority

44. The Authority has examined the contentions of various interested parties. For examining the information filed by the cooperating exporters, the authority verified the records of M/s. KP Bulgaria, KPG Singapore as well as KPG India. It is noted that M/s Kodak Polychrome, Bulgaria (KP, Bulgaria) responded to the Authority in the form and manner prescribed in the exporters questionnaire. It is noted that some deficiencies were observed in the response filed by the Company, which were later rectified by the company. It is noted that M/s Kodak Polychrome has exported the subject goods through Kodak Polychem Graphics, Singapore (KPG, Singapore) and the orders for supply had been procured by Kodak Polychrome India (KPG India). In view of this, the Authority considered that M/s Kodak Polychrome, Bulgaria, M/s KPG, Singapore and M/s KPG, India are all relevant for determination of dumping margin. M/s KPG, India was directed to file responses to the questionnaire, which was received and analyzed by the Authority. The Authority verified the information filed by the three companies and the proposed determination is based on the verified information.

45. The investigation showed that Kodak Polychrome produces a number of products in Bulgaria. The majority of the sales of the product under consideration (named PP3 by the company) are for exports to other countries. However, the company has significant sales in the local market. As these sales are more than 5% of the export sales made to India, these have been considered as sufficient quantity for the purpose of determination of normal value.

46. The cost of production claimed by the producer was verified from the records maintained by the Company. Consumption norms for raw materials and allocation/ apportionment of expenses between different products were verified and are found to be appropriate. The exporter has claimed cost of production on weight basis. However, the Authority has determined separate cost of production for different thickness of PP3 plates. For this purpose, the raw material cost has been worked out separately for different thickness of PP3 and the conversion cost has been considered and allocated in the similar way on square meter basis.

Selling, general & administration costs have been apportioned on turnover basis.

47. The producer is found to have significant representative quantity of domestic sales. It was determined whether sufficient sales made were in the ordinary course of sales by comparing per unit selling price for each transaction with per unit cost of production. It was found that sales made by the company in the domestic market were in the ordinary course of trade. In those product types where the company is found to have representative domestic sales in the ordinary course of trade, the normal value is determined on the basis of weighted average selling price in the domestic market. For those product types where representative domestic sales do not exist, selling price of other representative sales has been considered after appropriate adjustments. Price adjustments have been claimed on account of royalty and license fee, which were verified from the agreements and payments made. Price adjustments on the basis of this verified information are allowed.

Export Price

48. Since Kodak Polychrome has made sales to its affiliated company KPG Singapore, it was examined whether transactions between Kodak Polychrome and KPG Singapore were in the ordinary course of trade. It was found that Kodak Polychrome, Bulgaria was selling to KPG Singapore at pre-determined prices and such prices did not appear to reflect the prevailing market prices. In fact, the prices were fixed normally once in a year and remained the same throughout the period. Further, the prices realized by M/s. KPG Singapore from Indian importers were less than what was paid by M/s. KPG Singapore to M/s. KP, Bulgaria. Therefore, the Authority holds that transactions between Kodak Polychrome and KPG Singapore are not in the ordinary course of trade. The Authority, therefore, has considered selling price of KPG Singapore to independent customers in India for the purpose of determination of export price to India. Investigations have shown that KPG Singapore does not invoice the product to KPG India and all invoices are to unaffiliated customers. Export price is determined on the basis of weighted average selling price to unaffiliated customers, separately for each type (thickness). The export price is at FOB level except in few cases, where the transactions were on CIF basis. Price adjustments are proposed to be made on account of inland and ocean freight (as applicable) and expenses and profit of KPG Singapore and KPG India. KPG Singapore expenses are on account of management fee and selling general and administrative expenses. KPG India expenses are in terms of selling general and administrative expenses.

49. In their response to verification report, the exporter has objected to the proposed deduction on account of management fee paid by KPG Singapore and the level of profit considered for KPG Singapore stating that these are expenses incurred between related parties and therefore should not be deducted on the basis of same principle as was applied to selling price. It was further argued that these are in the nature of fixed expenses, regardless of any specific services rendered. Since no services were indeed rendered for PP3 during the relevant period, no adjustment was called for. It was also argued that a similar expense existed in respect of Kodak Polychrome in their books for sale in the domestic market. The Authority, however, holds that these expenses are in the nature of fixed overheads expenses and in a situation where sales have been made to related party, fixed expenses of related party are required to be reduced.

50. The normal value and the export price, determined separately for each type (thickness) , have been compared to determine the dumping margin. Weighted average dumping margin has been determined, considering the quantity of exports for each type (thickness) . The dumping margin so determined comes to 37% for subject goods manufactured by M/s. KP Bulgaria and sold by their affiliate M/s. KPG Singapore to India.

Other Exporters & Producers from Bulgaria.

51. As there was no response from any of the exporters from Bulgaria and there was no known producer and exporter from Bulgaria, the Authority has determined a residual dumping margin taking into account the normal value as determined for M/s. KP Bulgaria. The export price has been taken as the lowest price of the cooperating exporter. The dumping margin is, thus, determined as 67%.

C1. Normal value for China PR

Views of interested parties:

52. The applicants have claimed that the China PR is a non-market economy country under the Indian Anti-dumping Rules. Therefore, the normal value in case of China is required to be determined as per the procedure described in the para 7 of the Annexure I to the Anti-dumping Rules. The applicants have also claimed that as per paragraph 7, the normal value is required to be determined on any of the basis i.e. domestic selling prices in a market economy third country or the constructed value in a market economy third country or the export prices

from such a third country to any other country including India. However, if the normal value cannot be determined on the basis of the alternatives mentioned above, the Designated Authority may determine the normal value on any other reasonable basis including the price actually paid or payable in India for the like product duly adjusted to include reasonable profit margin.

53. For the purpose of determination of normal value in case of a non-market economy country, an appropriate third market economy country is required to be selected as the first alternative. The applicants suggested USA to be taken as the third country marketing economy in terms of the provisions of para 7 of the annexure 1 of the antidumping rules. Alternatively, they also proposed the normal value of China PR taking Korea RP as a surrogate country. And they had also done their workings for determination of normal value in China PR as the price paid or payable in India.

54. The claim of the of the petitioners that China PR is a Non Market economy has been disputed by interested parties representing importers and users for the reasons stated below:

- a) Although China PR is a Communist country but for the last few years they have slowly and steadily shifted from the orthodox and Protectionist economy environment to free economy as has been done by our country since 1990. Market economy in China PR at present have been substantially changed keeping in terms of Global Economic Environment. Hence what was applicable in 5 years before cannot be applicable at present in case of China PR.
- b) China PR have a steady growth of trade surpluses and a huge foreign exchange reserves of 1 Trillion Dollars.
- c) Capabilities of exporter in China PR to produce PS Plates at a price lower than the Indian manufacturers and going by the reasons for initiating an anti dumping investigation. Dumping duty cannot be imposed if prices are high in domestic market due to inefficient or other reasons of the domestic manufacturers and exporters in China PR are more competent and efficient and can produce goods at lower cost.
- d) China PR for the few years successfully kept the value of Yuan (currency of China) in terms of Dollar at such a level so that the export become cheaper when calculated in terms of Dollar.

- e) In a very recent move by the International Monetary Fund Executive Board, China PR and 3 other countries have been given more voice in setting policy of global economy matter
- f) Petitioners claim to choose USA as an appropriate market economy for establishing normal value is also unjustified because basic input cost like direct material, direct labour and direct overheads can never be the same in India, China PR and USA. Also, the domestic industry has not given any details of the calculation of the constructed normal value and the export price thereby preventing interested parties from making appropriate comments.

54. On the other hand, the domestic industry has submitted that on the issue of China being treated as Non Market Economy, Annexure I (Paras. 7 and 8) of the Anti-dumping Rules, clearly stipulate the applicable rules and procedures for exporters who are operating in non market economy countries. In this behalf, there is already a plethora of investigations wherein this Designated Authority has treated China as a non market economy country; this practice has also been adopted by developed economies such as EU and US. Thus, there is no tenable argument put forth by the importer in this behalf. Apart from the same, the onus squarely in this behalf is on the manufacturers / exporters from China PR to defend this allegations who have till date showed no intention of cooperating with the Designated Authority or filed any mandated response in this behalf. Therefore, the Designated Authority has to rightly proceed as per the rules and procedures followed by the Designated Authority in treating non-cooperative exporters operating in such economies. On the issue of selection of surrogate country, it has been added by the domestic industry that the Petitioners have provided credible evidence of providing the normal value in a market economy third country such as USA as it also considered of being the largest market in the world for printing plates. The Designated Authority has rightly examined the evidence obtained in this behalf and followed the procedure as laid down under the rules. Also, the Importer in this behalf has failed to make any credible evidence in this behalf during the mandated period and thus has made much generalized statements on this issue. It is to be appreciated by the opposing interested parties that the Petitioners have not only provided extensive back up information of methodology used for constructing the normal value, but has also disclosed additional injury parameters as compared to the format laid down in the Application Proforma. The opposing interested party has been intentionally quoting anti-dumping standards without weighing the factual information presented in the non-confidential petition. As the Petitioners have clearly

and transparently presented the effects of dumped imports and its injurious effect on the working of the industry, the opposing interested parties without addressing these material issues, they are sensationalizing the investigation with baseless and vague statements. This fact only re-enforces the issue that the Designated Authority should protect the Domestic Industry at the earliest by recommending preliminary duties at the earliest.

Examination by the Authority

55. In anti-dumping investigations concerning imports from non-market economy countries, normal value is to be determined in accordance with paragraphs 7 & 8 of the Annexure 1 of the Anti-dumping Rules. The Authority notes that none of the Chinese exporters have submitted any information to the authorities to rebut the presumption that they operate in non-market economy conditions. None of the Chinese producers have claimed that they should be granted market economy status. The submissions of the Indian importers cannot be taken into consideration for the purposes of rebutting the presumption that China is a non-market economy country. In view of the same, the authority holds that China is a non-market economy country for the purposes of this investigation. The Authority therefore proceeds to determine the normal value in accordance with paragraph 7 of Annexure 1 to the Rules.

56. It is noted that the normal value in China can be determined in the following manner:

- (a) on the basis of the price in a market economy third country,
or
- (b) the constructed value in a market economy third country, or
- (c) the price from such a third country to other countries,
including India.
- (d) If the normal value cannot be determined on the basis of the alternatives mentioned above, the Designated Authority may determine the normal value on any other reasonable basis including the price actually paid or payable in India for the like product duly adjusted to include reasonable profit margin.

57. The Applicants had suggested USA to be taken as the third country market economy in terms of the provisions of paragraph 7 of Annexure I of the Anti-dumping Rules. Alternatively, they had also determined the normal value taking Korea RP as a surrogate country. In addition, the domestic industry had also given its working for determination of normal value taking price paid or payable in India. The Authority had proposed USA as the appropriate third country market economy and had invited comments and information from all the interested parties at the time of initiation of investigation. After the initiation, the proposal of selecting USA as a third market economy country was disputed and opposed by various interested parties on the grounds that the economic conditions of the USA and China PR are different and, therefore, USA should not be taken as third market economy country for the purpose of determining normal value for China PR. However, none of the interested parties in their submissions have suggested any other surrogate country or given any reasons for selecting that country and named producers and exporters from that country. Therefore, in the absence of the response or information regarding the prevailing prices and costs in USA or any suggestion along with evidence for selecting an alternative surrogate country, it is not possible for the Authority to determine the normal value for China under the above-mentioned (a) to (c) methods as laid down in paragraph 7 of Annexure I to the Indian Anti-dumping Rules at present. Under the circumstances, for the purpose of determining the normal value, the Authority had no alternative but to resort to determination of normal value for China on the basis of price paid or payable in India duly adjusted, as prescribed under the rules. While arriving at the normal value based on the price payable in India, the Authority has considered the consumption norms, conversion cost and other costs prevalent in India. A reasonable return had been added to the cost of production for arriving at the price payable in India. The normal value is, thus, determined as US \$ **** per Kg.

EXPORT PRICE

58. It has been represented by some interested parties that The Government of China had recently slashed down the production cost of aluminum to make any product manufactured out of aluminum more competitive in the open market. Moreover, China had steadily and gradually opened up its economy. The export price to India have been very similar to the price of exports to other Asian countries. Further, export prices of Indian manufacturers were very similar to the P.S. Plates imports into India.

59. The issue has been examined and it is noted after examination that no exporter has given any response to the Authority after the initiation of anti dumping investigation from China PR. In view of the above, the export price has been taken from the import statistics as no cooperating exporter from China PR has cooperated in this investigation. Therefore, weighted average export price from China PR to India of the subject goods have been taken by the Authority for determination of export price of subject goods from China PR. The adjustments for ocean freight and marine insurance has been taken from the importers response and evidence placed before the Authority for these adjustments. After all the adjustments, the net export price for all exporters from China PR is determined as US\$ **** per Kg.

E. DUMPING MARGIN

60. For the purpose of a fair comparison between normal value and the export price, the Authority has determined both the normal value and export price at ex-factory level. Both the normal value and export price pertains to the same period. Both the prices are free of taxes. Thus, the Authority considers that the comparison made constitutes a fair comparison. Considering the normal value and the net export price determined as detailed above, dumping margin is worked out as 48.41% of net export price.

Normal value determination for Korea RP, Malaysia Singapore

61. There was no cooperation from any of the producers from these three countries. A request was received from M/s. Strategic Law Group representing M/s. Fuji Plates Manufacturing SDN Malaysia, who is an exporter for extension of time to file the response to the exporters' questionnaire. In their application, they submitted that their name was not in list supplied by the domestic industry and hence they could not receive the application directly from the authority. They requested three week's extension of time for filing the exporter's response. Though the extension was granted to them, no further submissions was received from that exporter and hence the Authority proceeded to determine the normal value on the basis of best facts available as per Rule 6(8) of the Anti dumping rules.

Normal value for Korea RP

62. With regard to these Korea RP, the Authority has determined normal value for the subject goods in Korea RP considering constructed cost of production including selling, general and administrative overheads

and reasonable profit for subject countries. The constructed normal values for all producers and exporters from Korea RP is determined as US \$ ****/kg.

Normal value for Singapore

63. With regard to Singapore, the Authority has determined normal value for the subject goods in Singapore considering constructed cost of production including selling, general and administrative overheads and reasonable profit for subject countries. The constructed normal values for all producers and exporters from Singapore is determined as US \$ ****/kg.

Normal value for Malaysia

64. With regard to Malaysia, the Authority has determined normal value for the subject goods in Malaysia considering constructed cost of production including selling, general and administrative overheads and reasonable profit for subject countries. The constructed normal values for all producers and exporters from Malaysia is determined as US \$ ****/kg.

Export price of Singapore, Malaysia and Korea RP

65. The export price has been taken from the import statistics as no cooperating exporter from these three countries have cooperated in this investigation. Therefore, weighted average export price from all three countries to India of the subject goods have been taken by the Authority for determination of export price of subject goods from Singapore, Malaysia and Korea RP. The adjustments for ocean freight and marine insurance has been taken from the importers response and evidence placed before the Authority for these adjustments. After all the adjustments, the net export price for all exporters from Singapore, Malaysia and Korea RP is determined as US\$ ****, US\$**** and US\$**** per Kg.

Names of producers and exporters/Countries	DM (US\$/Kg)	DM%
M/s Kodak Polychrome, Bulgaria and M/s KPG, Singapore	****	37.11
Others, Bulgaria	****	67.26
All Exporters, Malaysia	****	36.74

All Exporters Singapore	****	24.22
All Exporters Korea RP	****	58.47
All Exporters, China PR	****	53.69

D. INJURY AND CAUSAL LINK

Views of Interested Parties:

66. On the issue of injury to the domestic industry, exporters have stated that the cumulative assessment would be inappropriate in the given circumstances as import prices from Bulgaria are much higher than other countries. They have further disputed the claim of injury made by the domestic industry with regard to various injury parameters. On the issue of causal link they have added that there is absence of causal link in the present investigation. They have added that developments in technology or changes in the pattern of consumption could be the real cause of injury to domestic industry. They have further added that Kodak's exports to India are not undercutting the Indian prices and the injury margin on account of their exports to India is negative.

67. As per annexure-II (iii) of Anti dumping rules , in cases where imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to Anti-dumping investigation, the Authority is required to cumulatively assess effect of such imports, only when it determines that (a) the margin of dumping established in relation to imports from each country is more than 2% expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is 3% of the imports of like article and (b) cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic article.

68. The Authority notes that the margin of dumping in respect of each of the subject country is more than 2% and the volume of imports from each country is also more than 3%.

69. As far as the conditions of competition between imported products and the conditions of competition between the imported products and the like domestic product, the Authority notes that:

- (i) The subject goods have been imported from the subject countries under the same tariff classifications;

- (ii) The imported subject goods are commercial and technical substitutes of the domestically produced PS plates.
- (iii) The subject goods have been imported by the end users and other importers and the goods have entered the commerce of the country through similar channels;

70. Therefore, the Authority is of the view that the exports made from the subject countries compete in the same market, as these are similar products.

71. In view of the above, the Authority holds that it is appropriate to cumulatively assess the effect of dumped imports of the subject goods from the subject countries, on the domestically produced like article in the light of conditions of competition between the imported products and the like domestic product. Therefore, for the purpose of injury and causal link analysis, as discussed above, the dumped imports from the subject countries have been cumulated for examination of volume and price effects of dumped imports of the subject goods from the subject countries on the domestic industry and its effect on the prices and profitability to examine the existence of injury and causal links between the dumping and injury, if any. The Rules provide for examination of the impact of dumped imports on the domestic industry on the basis of evaluation of all relevant economic factors and indices having bearing on the state of domestic industry. For the purpose of this examination, the applicants constitute the domestic industry within the meaning of the term as defined under Rule 2(b) of the Rules. Subsequent to the initiation, another domestic producer of the subject goods M/s Lastra Niraj Pvt Ltd has submitted the information in the form and manner of domestic industry questionnaire. The Authority has therefore taken all three producers data into account (which account for entire production of subject goods in the country) for determining the injury of domestic industry as a whole.

72. The domestic industry have submitted that share of imports from subject countries have increased manifold not only in relation to total imports but also in comparison to total demand and total production during the period of investigation as compared to the base year. It was submitted that the dumped imports from subject countries have affected the domestic prices and the price undercutting and underselling is significant during the period of investigation. The domestic industry has alleged that the market share, capacity utilization, profitability, return on investment, cash flow, growth etc. have declined over the injury investigation period. The sales of the domestic industry have increased, however the increase in sales is less than the increase in demand. Further, the domestic industry had alleged that the margin of dumping

from subject countries is also significant during the period of investigation, which shows the difficulties being faced by the domestic industry in disposing of the subject goods.

73. On the other hand, the importers and the user associations submitted that the prices of PS PLATES have also come down for other countries and the demand for PS PLATES is high right from the year 2002-03 as compared to indigenous production and the indigenous industry has tremendously benefited by creating shortage. It has also been submitted that the decline in market share of the domestic industry is insignificant and sales volume of the domestic industry has increased as a result of increase in demand. Further, it was also submitted that there is no injury to domestic industry with regards to various mandatory parameters and there is an absence of causal link between the alleged dumped imports and injury, if any, to the domestic industry. It has also been added that total production of indigenous producers during 2005-06 was 10,430,000 Kgs and total import from the concerned countries during the said period was 989,853.79 Kgs. Total imports in comparison to production was only 9.49%. It is a matter of great concern how 9.49% import could jeopardize the sustainability of the petitioner company when the indigenous production is 90.51%. Moreover, 9.49% import as stated, should not be considered as rampant and significant dumping. They have commented with regard to the various injury parameters as mandated under the rules and they have concluded on the basis of their submissions that there is no material injury to the domestic industry on account of dumped imports from subject countries. With regard to the fall in the share of domestic industry, they have added that the decline in the market share could be due to rapid migration of domestic industry from analog plate to digital plate. Further, it has been added that the domestic industry is concentrating on exports. They have further added that there is an absence of causal link in this case as the price of imports from the subject countries do not have any direct or indirect bearing on the state of the domestic industry. They have further added that domestic industry injury, if any, is on account of rising aluminium prices. They have also added that technology shift and obsolescence could be a cause for concern for domestic industry.

74. In the issue of migration of PP3 to digital plates, it has been submitted by the domestic industry that the digital plates have recently been introduced in the market which is less than 8% of the total plates consumption while considering the total plates consumption in this country. It has also been submitted that the positive plates consumption as opposed to other plates whether negative or digital is clearly designed to suit the output quality, speed and cost requirements of the users and the imaging technology available to them. As per the market intelligence

of the petitioners, approx. 90% of the Indian printing offset industry primarily uses the positive working presentised offset plates. The applicants have added that the submission on this issue made by the opposing interested parties is clearly unfounded and baseless in the facts of this case.

EXAMINATION BY THE AUTHORITY

75. Article 3.1 of the ADA and Annexure II of the AD Rules provide for an objective examination of both, (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices, in the domestic market, for the like products; and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. The authority is required to examine whether there has been a significant increase in imports, either in absolute term or relative to production or consumption in the importing member. With regard to the price effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in the importing country, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree, or prevent price increase, which would have otherwise occurred to a significant degree.

76. The Authority has taken note of the arguments of the interested parties on injury examination aspect and addressed the issues raised at appropriate places in this disclosure statement to the extent these arguments are considered relevant to the investigations. The Authority has examined the injury parameters objectively taking into account the facts before it and the arguments of the interested parties.

77. The Authority notes that all three domestic producers comprise of the total production of subject goods in India and therefore the injury analysis has been done with regards to the domestic industry as a whole. Therefore, the injury analysis has been done with reference to entire domestic producers of the subject goods in India and injury margin has also been determined taking into account the domestic industry which comprise of all domestic producers in India. With regards to determination of volume and value of the dumped imports into India, it is stated that the Authority has examined the data made available by DGCI&S as well as by Eximnet, a source which collects and collates the data based on customs daily lists. It was noted that transaction wise import information provided by Eximnet with regards to the imports of subject goods from subject countries included the details of subject goods in terms of various sizes which are important in this investigation as size is an important parameter in the definition of product under consideration. Further, it was

also determined that the subject goods are imported under various chapters heads and subheads and much of the imports of subject goods have not been captured from the records of DGCI&S as these are not from the heads where the subject goods are classified. In view of this, the Authority has gone by the transaction wise import data of the subject goods made available by Eximnet from the customs daily lists for determining the volume and price of subject goods from subject countries and countries other than subject countries.

78. An analysis of the injury parameters as envisaged under the Rules has been carried out in the following paragraphs:

Volume of Imports – Volume of imports of subject goods from subject countries in total imports and demand.

i)

	April 02 to March 03	April 03 to March 04	April 04 to March 05	POI (April 05 to March 06)
Imports from Subject Countries (Million Kgs)	0.026	0.028	0.430	0.990
Imports from Other Countries	0.035	0.034	0.027	0.055
Total Imports (Million Kgs)	0.061	0.062	0.457	1.045

	April 02 to March 03	April 03 to March 04	April 04 to March 05	POI (April 05 to March 06)
Imports from Subject Countries (Index)	100	109	1673	3855
Imports from Other Countries (Index)	100	97	76	156

Total Imports (Index)	100	102	747	1709
--------------------------	-----	-----	-----	------

From the above table, it is noted that the volume of imports of subject goods has increased more than 38 times during the POI from the base year. During the same period, however, the imports from other countries increased only by 56%. The total import of subject goods increased by more than 17 times from the base year. It is also noted that imports from other countries are much less (approx 5% of the total imports as compared to total imports from all countries) during the POI though it used to be significant during earlier years.

Market share of Imports from subject country in the total imports and demand

ii) It is noted that the total demand of the subject goods has increased by 35% during the POI from the base year. With regard to the share of imports from the subject countries in the total imports, it is noted that the same has increased from 42% in the base year to 94% during the POI. It is also noted that the share of the imports from the subject countries in total demand has increased from 0.36% during the base year to 10.39% during the POI. Thus, it is considered that imports of subject goods from subject countries have increased significantly during the injury period.

	April 02 to March 03	April 03 to March 04	April 04 to March 05	POI (April 05 to March 06)
Total Demand				
Total Demand (Million Kgs.)	7.06	7.78	8.83	9.53
Trend	100	110	125	135

Share of Imports

	April 02 to March 03	April 03 to March 04	April 04 to March 05	POI (April 05 to March 06)
Imports from Subject Countries (Million Kgs.)				
Bulgaria	0.004	0.007	0.083	0.352

China P.R.		0.000057	0.000155	0.356
Malaysia				0.038
Singapore			0.130	0.121
South Korea	0.022	0.021	0.216	0.123
Total Subject Countries	0.026	0.028	0.430	0.990
Imports from Other Countries	0.035	0.034	0.027	0.055
Total Imports (Million Kgs.)	0.061	0.062	0.457	1.045
Total Domestic Sales	6.99	7.72	8.37	8.48
Total Demand (Million Kgs.)	7.06	7.78	8.83	9.53
% Share of Imports from Subject Countries:				
Total Imports	42.00%	44.98%	94.07%	94.72%
Total Demand	0.36%	0.36%	4.87%	10.39%
% Share of Imports from Other Countries in:				
Total Imports	58.00%	55.02%	5.93%	5.28%
Total Demand	0.50%	0.44%	0.31%	0.58%

Imports from subject country as % of domestic production

ii) The Authority notes that dumped imports from subject countries as percentage of domestic production of the domestic producers have increased from a level of 0.37% in the year 2002-03 to 11.85% during the period of investigation. From the examination of the table below, it is noted that imports from subject countries started increasing only from 2003-04 onwards and the increased is considered significant.

	April 02 to March 03	April 03 to March 04	April 04 to March 05	POI (April 05 to March 06)
Imports from Subject Countries (Million Kgs.)				
Bulgaria	0.004	0.007	0.083	0.352
China P.R.		0.000057	0.000155	0.356

Malaysia				0.038
Singapore			0.130	0.121
South Korea	0.022	0.021	0.216	0.123
Total Subject Countries	0.026	0.028	0.43	0.99
Imports from Other Countries	0.035	0.034	0.027	0.055
Total Imports (Million Kgs.)	0.061	0.062	0.457	1.045
Total Domestic Sales	6.99	7.72	8.37	8.48
Total Demand (Million Kgs.)	7.06	7.78	8.83	9.53
Total Domestic Production (Million Kgs.)	6.94	8.65	8.52	8.36
% Share of Imports from Subject Countries:				
Total Domestic Production	0.37%	0.32%	5.04%	11.85%
% Share of Imports from Other Countries in:				
Total Domestic Production	0.51%	0.40%	0.32%	0.66%

Effect of Dumped Imports on prices in the domestic market for like products:

Price Undercutting

iv) With regard to the effect of the dumped imports on domestic prices, it has been examined whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. A comparison for product concerned was made between the landed value of exported product and the average selling price of the domestic industry for domestic market net of all rebates and taxes for sales made to unrelated customers, at the same level of trade. The prices of the domestic industry were determined at the ex factory level. This

comparison showed that during the period of investigation the subject goods originating in subject country was sold in the Indian market at prices which undercut the domestic industry's prices when expressed as a percentage of the domestic selling prices of the domestic industry as is evident from the table below.

In order to assess the effect of imports on the domestic market an analysis of import prices over the injury period was made. It was noted that the exporters from subject countries have decreased their prices and the landed value has declined by 28% during the POI. The price undercutting on account of dumped imports of subject goods from subject countries have been determined as mentioned below. Thus, the price undercutting on account of dumped imports from subject countries remains significant during the POI. In view of the above, it is considered that the domestic industry has suffered adversely on account of significant price undercutting from subject countries during the POI.

	POI (April 05 to March 06)
Price Undercutting	
Selling Price Rs. / KG- Domestic Industry as a Whole	*****
Landed Value Rs. / Kg.	
Bulgaria	*****
China P.R.	180.72
Malaysia	196.68
Singapore	216.25
South Korea	173.51
Subject Countries	205
Price Undercutting Rs./KG	
Bulgaria	*****
China P.R.	*****
Malaysia	*****
Singapore	*****
South Korea	*****
Subject Countries	*****
Price Undercutting (%)	
Bulgaria	3-6%
China P.R.	25-35%
Malaysia	15-25%
Singapore	10-15%

South Korea	25-35%
Subject Countries	15-24%

Price depression and Suppression

v) There has been no decline in the selling price of the domestic industry during the injury period. The selling price of the domestic industry has decreased by ****% during the injury period. However, the cost of production of subject goods of domestic industry has declined by ****% during the same period. It is also noted that the landed price of subject goods have declined by 28% during the same period. In view of the above, it is noted that imports of the subject goods from subject countries have suppressed the price of domestic industry.

	April 02 to March 03	April 03 to March 04	April 04 to March 05	POI (April 05 to March 06)
Cost of Production Rs. / KG-Domestic Industry as a Whole	****	****	****	****
Indexed	100	99.342	93.684	97.307
Selling Price Rs. / KG- Domestic Industry as a Whole	****	****	****	****
Indexed	100	99.886	93.802	97.011
CIF Prices (Subject countries)	206	180	169	169
Landed Value Rs. / Kg.				
Bulgaria	325.36	326.06	231.76	****
China P.R.		26.09	137.37	180.72
Malaysia				196.68
Singapore			213.84	216.25
South Korea	276.39	204.06	190.87	173.51
Subject Countries	284.08	232.9	205.72	205
Indexed	100	82	72	72

Price underselling

vi) The Authority has also examined the claim of the petitioner that the domestic industry is suffering on account of the price underselling from the sale of subject goods. The Authority notes that price underselling is an important indicator to make an assessment of the injury. The Authority has worked out the Non-injurious price for the product under consideration and compared the same with the landed value to arrive at the extent of price underselling. The analysis shows a significant level of incidence of price underselling as illustrated in below mentioned table.

Price Underselling	POI (April 05 to March 06)
Non Injurious Price Rs./KG	****
Landed value Rs./KG.	
Bulgaria	****
China P.R.	180.72
Malaysia	196.68
Singapore	216.25
South Korea	173.51
Subject Countries	205
Price Underselling Rs./KG.	
Bulgaria	****
China P.R.	****
Malaysia	****
Singapore	****
South Korea	****
Subject Countries	****
Price Underselling (%)	
Bulgaria	4-8%

China P.R.	25-35%
Malaysia	20-28%
Singapore	10-20%
South Korea	25-35%
Subject Countries	15-25%

On the basis of the above, it is considered that the domestic industry has been adversely affected by the price underselling of the subject goods.

Situation of the Domestic Industry

vii) For the examination of the impact of the imports on the domestic industry in India, the Authority considered such indices having a bearing on the state of the industry as production, capacity utilisation, sales quantum, stock, profitability, net sales realisation, the magnitude and margin of dumping, etc. in accordance with Annexure II (iv) of the Rules supra.

Sales and Market share of domestic producers:

viii) It is noted that sales of the domestic industry have increased in absolute terms.

Sales (MT)				
	April 02 to March 03	April 03 to March 04	April 04 to March 05	POI (April 05 to March 06)
Domestic Industry	6.99	7.72	8.37	8.48
Other Domestic Producers	-	-	-	-
Domestic Industry as a Whole	6.99	7.72	8.37	8.48

Market Share of Domestic Industry				
	April 02 to March 03	April 03 to March 04	April 04 to March 05	POI (April 05 to March 06)

Sales (MT):				
Domestic Industry	6.99	7.72	8.37	8.48
Other Domestic Producers				
Domestic Industry as a Whole	6.99	7.72	8.37	8.48
Total Demand (MT)	7.06	7.78	8.83	9.53
Market Share of:				
Domestic Industry (%)	99.13	99.20	94.82	89.03
Other Domestic Producers (%)				
Domestic Industry as a Whole (%)	99.13	99.20	94.82	89.03

The Authority finds that the share of the domestic industry as a whole have decreased from 99% during 02-03 to 89% during the POI. It is also noted that over the same period the demand has grown by 35%. In view of the above, it is considered that the domestic industry has not been able to grow at the same pace as demand and loss of the market share due to dumped imports from subject countries is considered significant.

Production & Capacity Utilization:

(x)

Production (Million KG)				
	April 02 to March 03	April 03 to March 04	April 04 to March 05	POI (April 05 to March 06)
Domestic Industry	7.56	9.45	10.26	10.17
Other Domestic Producers				
Domestic Industry as a Whole	7.56	9.45	10.26	10.17
Capacity (Million KG)				
	April 02 to March 03	April 03 to March 04	April 04 to March 05	POI (April 05 to March 06)
Domestic Industry	10.78	10.78	12.59	12.59
Other Domestic				

Producers				
Domestic Industry as a Whole	10.78	10.78	12.59	12.59
Capacity Utilisation%				
	April 02 to March 03	April 03 to March 04	April 04 to March 05	POI (April 05 to March 06)
Domestic Industry	70.12%	87.64%	81.45%	80.74%
Other Domestic Producers				
Domestic Industry as a Whole	70.12%	87.64%	81.45%	80.74%

x) From the above table, it is noted that the production of subject goods of domestic industry has significantly increased during the POI as compared to the base year. With regard to capacity utilization, it is noted that the same increased by 10% during the POI as compared to the base year. However, it is also noted that the capacity utilization has declined from 2003-04 onwards and during the POI, capacity utilization has declined by 9% during the POI as compared to 2003-04. Incidentally, it is recalled that the dumped imports started increasing from 2003-04 onwards in significant numbers.

Inventories:

xi) The Authority notes that the level of inventories of the domestic industry has increased significantly during the period of investigation as compared to the base year. It is also noted that inventories as a percentage of sales increased significantly during the injury period.

Inventories	April 02 to March 03	April 03 to March 04	April 04 to March 05	POI (April 05 to March 06)
Sales (Million Kgs)-Domestic Industry	6.99	7.72	8.37	8.48
Inventories-Domestic Industry (million Kg)	0.164	0.403	0.586	0.386
Inventories as percentage of Sales	2.35%	5.22%	7.00%	4.56%
Indexed	100	222	298	194

Factors affecting Domestic Prices:

xii) The Authority notes that the level of price undercutting from each of the subject countries is significant and the price undercutting on account of dumped imports from subject countries continue to affect the domestic selling prices. However, price underselling on account of dumped imports from each of the subject countries and cumulatively also is significant as the landed value of imports from each of subject countries is significantly lower than the non-injurious price of the domestic industry. This has exerted a suppressing on the domestic industry's prices resulting into price underselling. Though the domestic selling prices of subject goods have declined by 3% during the POI as compared to base year, its cost of production during the same period has declined by only 2.7%. The Authority also notes that apart from the applicants there are no other domestic producers of the subject goods in the domestic market in India therefore there are no other factors in the domestic market which could have affected the domestic industry prices

Magnitude of Margin of Dumping:

xiii) The Authority finds that the magnitude of the margin of dumping for subject goods from the subject countries is significant.

Employment, Wages and Productivity :

xiv) The Authority notes that the domestic industry has added additional capacity and employed a number of persons. Accordingly, number of employees and wages paid to them has gone up during the injury investigation period. The Authority finds that the productivity per employee during the period of investigation has increased as compared to base year 2002-03. It is therefore noted that the loss of productivity is not a cause of injury to the Domestic Industry.

Employees, Wages and Productivity

	April 02 to March 03	April 03 to March 04	April 04 to March 05	POI (April 05 to March 06)
Employees (Nos.)- Domestic Industry	****	****	****	****
Index	100	105.71	107.10	107.38
Wages Rs lakhs of Domestic industry	****	****	****	****

Index	100	100.26	124.44	132.14
Production of Domestic Industry	6.94	8.65	8.52	8.36
Index	100	124.64	122.77	120.46

Return on Investment and Profitability :

xv). The Authority notes that the profitability of the domestic industry has declined significantly during the POI as compared to the base year. The decline has been steeper from 2003-04 onwards to the POI. The return on capital employed has followed a similar trend during the injury period. It is recalled that dumped imports from subject countries surged only from 2003-04 onwards. On the basis of these parameters, it is considered that the domestic industry has been adversely affected by the deterioration in the operating performance.

Return on Capital Employed				
	April 02 to March 03	April 03 to March 04	April 04 to March 05	POI (April 05 to March 06)
Profit/Loss before interest (In lacs)	****	****	****	****
Indexed	100	128	103	90
Capital Employed - Domestic	****	****	****	****
Indexed	100	107	106	105
ROCE %	****	****	****	****
Index	100	119.39	96.68	85.07

Actual and potential negative effect on cash flows:

xvi) The Authority finds that the cash profit / cash flow has also followed the same trend as that of the profitability and ROI as mentioned in the preceding paragraphs.

	April 02 to March 03	April 03 to March 04	April 04 to March 05	POI (April 05 to March 06)
Cash Profit - Domestic Per Kg.	****	****	****	****
Indexed	100	116	113	103

Growth:

xvii) The Authority notes that though the sales volume of the domestic industry has gone up during POI, yet growth in sales volume during POI is less than the previous year and growth in the total demand over the same period. It is noted that most of the growth parameters show negative trend from 2003-04 onwards. On the basis of the above, it is considered that the domestic industry has experienced negative growth with regards to number of parameters.

Growth	April 02 to March 03	April 03 to March 04	April 04 to March 05	POI (April 05 to March 06)
Demand		0.73	1.04	0.70
Production-Domestic Industry as a Whole		1.70	(0.12)	(0.17)
Market Share- Domestic Industry as a Whole		0.07	(4.38)	(5.79)
Sales Volume- Domestic Industry as a Whole		0.73	0.65	0.11
Profit- Domestic Industry as a whole		148.61	(66.66)	(69.48)
Cash profit /KG Domestic Industry as a whole		1.90	(0.39)	(1.21)
ROCE-Domestic Industry		2.22	(2.60)	(1.33)

Ability to Raise Capital Investments:

xviii). The Authority finds that in view of the fact that domestic industry is getting adversely affected with regard to its operating performance, the ability of the domestic industry to raise capital investment may be adversely affected in view of the negative profits of the domestic industry and declining returns during the period of investigation. Some interested parties have raised the issue that M/s Technova has expanded its capacity and massive investments have been planned by them and these investments run counter to their claim of having suffered material injury on account of dumped imports

from subject countries. The issue has been examined and it is noted that M/s Technova had planned the investments in its new digital plate manufacturing line and not the Analog plate manufacturing. It has also been noted that these investments have been made prior to the commencement of the POI.

CAUSAL LINK AND OTHER FACTORS

Issues raised by interested parties

79. It has also been submitted the conventional plates are losing their market shares to CTP (digital plates). It has further been added that customers of the applicants have switched over to CTP and the CTP provide better efficiency in terms of economy, time, output and performance. It has further been added that injury to the domestic industry could be because of the change in the pattern of consumption.

80. It has been submitted by the various interested parties that injury to domestic industry, if any, is due to the rising price of aluminum and not because of dumped imports from subject countries. The domestic industry has, on the other hand, submitted that the injury to the domestic industry is primarily on account of dumped imports from subject countries. They have added that the dumped imports compete directly with the goods produced by domestic industry and they compete at the same level. It has also been added that the domestic industry practices healthy competition, with service/support, quality and consequent price being defining parameters. They have also added that there no trade restrictive practices or technology issues which can be attributed to the cause of injury to the domestic industry. They have also added that export performance of the domestic industry in no way has affected its financial and economic situation.

Effect of dumped imports

81. Between 2002-03 and the POI, the dumped imports from subject countries as percent of total import of subject goods have increased from 42% in the base year to 94% during the POI. The market share of dumped imports from the subject countries have also increased significantly in relation to the total demand of subject goods in India and also in relation to the domestic production of domestic industry. However, while examining the price effect i.e. whether the dumped imports have significantly undercut the price of the subject good in India, the Authority found that the landed value of the subject goods from subject countries was lower than the selling price of the domestic industry indicating that the dumped imports from subject countries have undercut the selling price of the domestic industry significantly. It is found that the price undercutting and the pricing behaviour of landed value of imports has forced the domestic industry to keep the domestic prices at un remunerative level. The domestic industry could not

increase the selling price to recover the full increase in cost of production due to dumped imports and had to suffer deterioration in operating performance as compared to earlier periods especially from 2003-04 when the surge in the dumped imports from subject countries began. Thus, on the basis of above, it is considered that dumped imports from subject countries have caused injury to the domestic industry.

Effect of other factors

Trade restrictive practice and competition between the foreign and domestic producers and Changes in the pattern of consumption and Technology:

82. Some of the interested parties raised certain concerns on the substitutability of the product under consideration with the digital plates and the injury to the DI. The interested parties have also stated that digital plates are cannibalizing the analogue plates and the digital plates would replace analogue plates to the extent of 50% by the year 2012.

83. The Authority has examined the technology differences involved under both the products. It is noted that that as regards the technology is concerned in the analogue plates system, first, an image is prepared on a computer; it is then transferred to a film through an image setting device; the film is then used to create an image on the PS Plates which is then mounted on a conventional press to produce printed documents, while in a digital plate making system, the images are set on the computer as a computer file and the image so set is directly transferred to the Digital Plates which are then mounted on conventional presses for print output.

84. With regards to the issue of commercial substitutability, it is noted from the examination of facts placed before the Authority, that costs (both capital as well as running costs) associated with setting up a digital plates would be much higher than PS plates. From the examination of the submissions made by the interested parties, it is noted that PS plates are mostly used by SME segments along with some bigger printers. It has been claimed that the positive plates consumption as opposed to other plates whether negative or digital is designed to suit the output quality, speed and cost requirements of the users and the imaging technology available to them. Further, these subject goods cater to different segments and users not only in India but also in subject countries. It is also noted that the digital plates (CTP Plates) have recently been introduced in the market which is having minor share of the total plate's consumption while considering the total plate's consumption in this country. According to one projection (a sample survey with top CTP users around the country titled " All India CTP speak") PS Plates (Analogue) plates would continue to be relevant in the years to come for a large number of users as it is much cheaper to set up a printing establishment using PS Plates. This working on the survey is claimed to have been based on the study

conducted by editors of "Indian printers and publishers" a predominant trade magazine. Further, the fact that there are a large number of users who have participated in this investigation and have submitted substantial documents/information during the investigation process itself proves the continued as well as future importance of these subject goods in the domestic market. It is also noted that the overall demand of the subject goods has increased during the injury period and not declined. On the basis of the above, it is noted that competition between the foreign and domestic producers and Changes in the pattern of consumption have not been responsible for causing injury to the domestic industry.

Trade Restrictive Practice, Contraction of demand and Changes in the pattern of consumption:

85. It is noted that there is no contraction in the demand during the period under consideration. On the contrary, the overall demand has increased during the POI. The Authority did not find any trade restrictive practices followed by the Indian producers and other competing industries. Moreover, it is also noted that the domestic industry has un-utilized capacity to cater to the local demand if the competition in the market takes place at a fair price.

Export performance:

86. The Domestic Industry has exported the subject goods during the period of investigation as well as during previous years. The Authority notes that the export performance of the domestic industry has shown improvement. However, performance of the domestic industry has been determined after segregating the domestic and exports sales for the purpose of the injury examination.

Productivity:

87. The productivity of the domestic industry has improved during the period of investigation as compared to the base year 2002-03.

Conclusion on Injury and Causal link

88. On the issue of injury and causal link, all the fifteen mandated parameters affecting the domestic industry have been examined. The volume and the price effect from subject countries have been cumulated

as per the rules provision. From the volume and the price effect, it is gathered that the volume of the dumped imports have increased substantially during the injury period and have increased substantially during the POI. The volume of the dumped imports from subject countries is considered significant in relation to the demand as well as in relation to the production of the subject goods in the country. In relation to prices, it is noted that there has been a decline in the prices at the CIF level as well as the landed value of subject goods from subject countries. Following decline in the landed value, it is noted that the dumped imports prices have undercut significantly the prices of the domestic industry in the Indian market. It is also noted that the dumped imports from subject countries have suppressed the domestic industry prices and there is a significant price underselling by domestic industry as the landed prices are significantly below the non injurious price determined for the domestic industry. With regard to the impact of volume and the price effects on the domestic industry, all the fifteen parameters have been examined. Factors other than dumped imports known to cause injury to the domestic industry have also been examined in the causal link. It is noted that the dumped imports started surging only from 2003-04 onwards. However, the base year for this injury period is 2002-03. It is noted from the examination that though production and sales have increased during the injury period in the absolute basis, the increase is considered insignificant from 2003-04 onwards which incidentally was the year from which dumped imports from subject countries started surging. In fact, the capacity utilization has declined significantly since 2003-04 to the POI. With regard to the change in the operating performance, it is seen that there has not been much change (marginal decline in some parameters) in financial parameters from base year to the POI, however, the changes appear significant from 2003-04 to the POI. The operating performance of domestic industry show a significant negative growth from 2003-04 to the POI in terms of profitability, ROI, cash profit.

89. Given the above analysis which has properly distinguished and separated the effects of all known factors on the situation of the domestic industry from the injurious effects of the dumped imports, it is concluded that these other factors as such did not reverse the fact that the material injury found may be attributed to the dumped imports.

90. It is, therefore, concluded that the dumped imports originating in the subject countries have caused material injury to the domestic industry within the meaning of Rule 11 of Anti Dumping rules.

H. MAGNITUDE OF INJURY MARGIN

Determination of Non-injurious price

91. The Authority determined the non-injurious price for the domestic industry as a whole.

92. The non-injurious price determined by the Authority is the weighted average of all types of the subject goods produced by the domestic industry and the same has been compared with the weighted average landed value of the exports from the subject countries for determination of injury margin. The weighted average landed price of the exports from the subject countries and the injury margins have been worked out as follows:

Injury Margin Calculations

Names of producers and exporters/Countries	IM (US\$/Kg)	IM%
M/s Kodak Polychrome, Bulgaria and M/s KPG, Singapore	****	5-10%
Others, Bulgaria	****	40-50%
All Exporters, Malaysia	****	20-30%
All Exporters Singapore	****	10-20%
All Exporters, China PR	****	25-35%
All Exporters, Korea RP	****	25-35%

I. Indian Industry interest.

93. The purpose of anti dumping duties in general is to eliminate dumping which is causing injury to the domestic industry and to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country.

94. The Authority recognizes that the imposition of anti dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition on the Indian market will not be reduced by the anti dumping measures. On the contrary, imposition of anti dumping measures would remove the

unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of subject goods. It is noted that the imposition of anti dumping measures would not restrict imports from subject countries in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers. The consumers could still maintain two or even more sources of supply.

J. CONCLUSIONS:

95. The Authority has, after considering the foregoing, come to the conclusion that:

- A. The subject goods have been exported to India from subject countries below its normal values.
- B. The Domestic Industry has suffered material injury;
- C. The injury has been caused cumulatively by the dumped imports from subject countries.

96. Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends imposition of definitive anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. For the purpose of determining injury margin, the landed value of imports has been compared with the non-injurious price of the domestic industry determined for the period of investigation. The margin of dumping and injury determined by the Authority is indicated in the paragraphs above.

97. Accordingly, the Authority recommends that the definitive anti dumping duties be imposed from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government on all imports of subject goods under chapters 84, 76 and 37 originating in or exported from subject countries. The Anti-Dumping duty shall be the difference between the amount mentioned in column 9 of the following table and the landed value of imports per Kg to be imposed from the date of Notification to be issued in this regard by the Central Government on all the imports of subject goods falling under Chapter 84, 76 and 37 of the Customs Tariff act, originating in or exported from the subject countries.

98. Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by the Customs under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties under sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the Customs Tariff Act, 1975.

99. An appeal against this order shall lie before the Customs Excise and Service Tax Appellate tribunal, in accordance with the Act.

100. The Authority may review the need for continuation, modification or termination of the definitive measures, as recommended herein, from time to time, as per the relevant provisions of the Act, and public notices issued in this respect from time to time. No request for such a review shall be entertained by the Authority unless the same is filed by an interested party within the time limit stipulated for this purpose.

R. GOPALAN, Designated Authority